केशव महाविद्यालय

(नैक से मान्यता प्राप्त ग्रेड 'ए' - दूसरा चक्र)

दिल्ली विश्वविद्यालय

"Only Knowledge can provide salvation"

प्रवेश विवरणिका

अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम्स

में प्रवेश

यूजीसीएफ-2022 फ्रेमवर्क

(एनईपी 2020)

शैक्षिक सत्र 2026-27

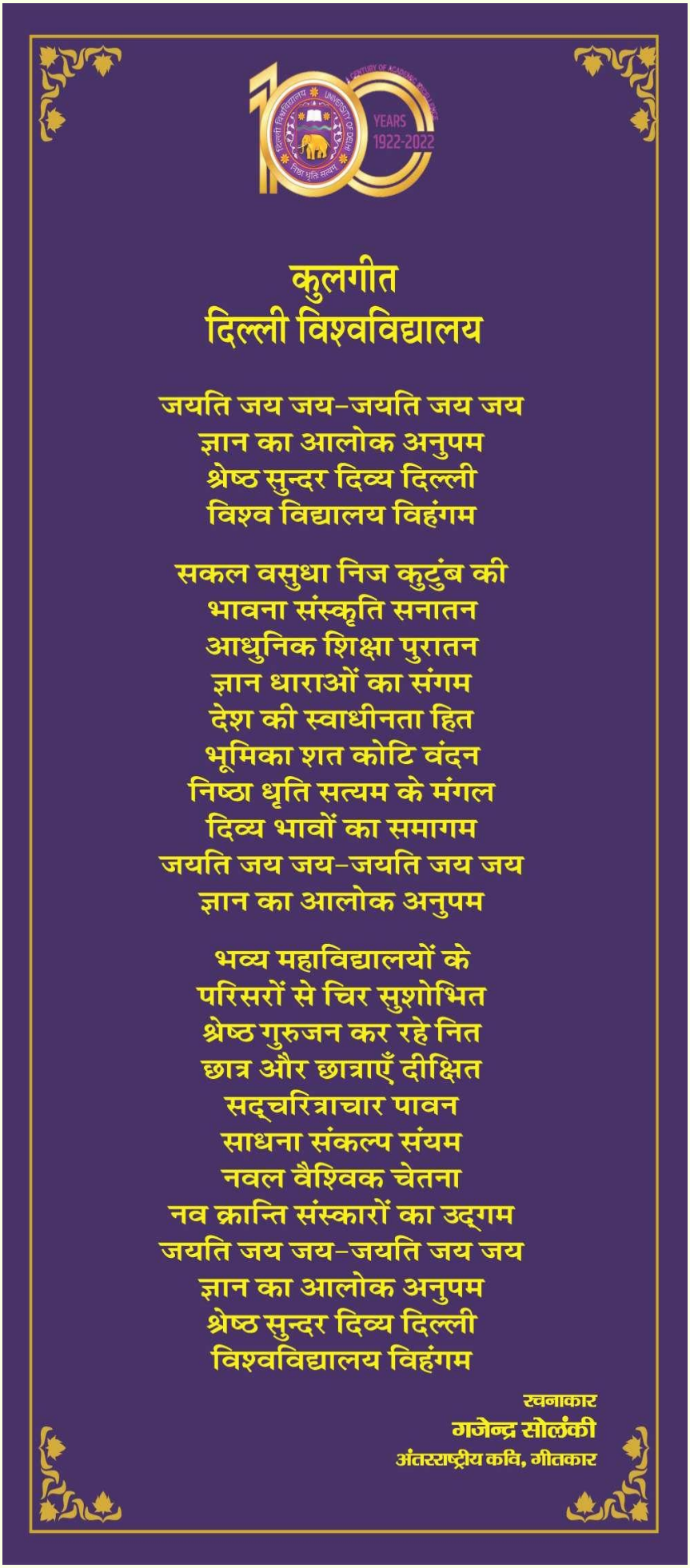

कुलगीत
दिल्ली विश्वविद्यालय

जयति जय जय-जयति जय जय
ज्ञान का आलोक अनुपम
श्रेष्ठ सुन्दर दिव्य दिल्ली
विश्व विद्यालय विहंगम

सकल वसुधा निज कुटुंब की
भावना संस्कृति सनातन
आधुनिक शिक्षा पुरातन
ज्ञान धाराओं का संगम
देश की स्वाधीनता हित
भूमिका शत कोटि वंदन
निष्ठा धृति सत्यम के मंगल
दिव्य भावों का समागम
जयति जय जय-जयति जय जय
ज्ञान का आलोक अनुपम

भव्य महाविद्यालयों के
परिसरों से चिर सुशोभित
श्रेष्ठ गुरुजन कर रहे नित
छात्र और छात्राएँ दीक्षित
सद्चरित्राचार पावन
साधना संकल्प संयम
नवल वैश्विक चेतना
नव क्रान्ति संस्कारों का उद्गम
जयति जय जय-जयति जय जय
ज्ञान का आलोक अनुपम
श्रेष्ठ सुन्दर दिव्य दिल्ली
विश्वविद्यालय विहंगम

रचनाकार
गजेन्द्र सोलंकी
अंतरराष्ट्रीय कवि, गीतकार

दर्शन

एक ऐसा प्रमुख संस्थान बनना जो विद्यार्थियों में रचनात्मकता का पोषण करे तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों का संचार करे ताकि वे वास्तविक जीवन की चुनौतियों का आत्मविश्वास के साथ सामना कर सकें।

नियोग

- दृष्टिकोण और विचारों में सकारात्मकता लाना।
- रचनात्मकता और समस्या-समाधान कौशल का पोषण करना।
- लैंगिक मुद्दों और सभी मनुष्यों के प्रति सम्मान के प्रति छात्रों को संवेदनशील बनाना।
- पारिस्थितिकी संवर्धन और पर्यावरणीय कारकों से संबंधित जागरूकता लाना।
- छात्रों को बदलाव शुरू करने और उसका प्रबंधन करने के लिए दूरदृष्टि और साहस रखने के लिए प्रोत्साहित करना।
- प्रतिस्पर्धी दुनिया की चुनौतियों को पहचानने और अनुकूलन करना सीखने में मदद करना।
- शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए स्वच्छ और अनुकूल माहौल बनाना।
- महिला सशक्तिकरण को प्रोत्साहन देना।

ऋते ज्ञानान्न मुक्तिः

उद्देश्य

- छात्रों को बौद्धिक और समग्र रूप से विकसित करना।
- छात्रों को आवश्यक कौशल से लैस करके उद्योग की जरूरतों को पूरा करना।
- आईसीटी के उपयोग और छात्रों के निरंतर मूल्यांकन के माध्यम से शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया की गुणवत्ता को बढ़ाना।
- छात्रों को जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए शिक्षित/प्रशिक्षित करना और उनमें देशभक्ति की भावना विकसित करना।
- छात्रों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में टिके रहने के लिए सशक्त बनाना।
- उच्च रोजगार क्षमता वाले गतिशील और संतुलित स्नातक तैयार करना।
- छात्रों को आगे की उच्च शिक्षा के लिए तैयार करना।

महत्वपूर्ण लेख

केशव महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय का एक घटक महाविद्यालय है, इसलिए विभिन्न कार्यक्रमों/पाठ्यक्रमों के संबंध में प्रवेश के लिए सभी नियम, विनियम और निर्देश समय-समय पर संशोधित दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रवेश दिशानिर्देशों के अनुसार होंगे। दिल्ली विश्वविद्यालय से समय-समय पर प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रॉस्पेक्टस को संशोधित किया जाएगा। यूजी प्रवेश 2026-27 के संशोधित अपडेट कॉलेज की वेबसाइट http://keshav.du.ac.in/ पर उपलब्ध होंगे।

नोटिस और अलर्ट

छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे कक्षाओं, समय-सारिणी, परीक्षाओं, आईए अंकों आदि के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी के लिए नियमित रूप से कॉलेज की वेबसाइट, नोटिस-बोर्ड और ईआरपी यूनीवन पोर्टल की जांच करें। ईआरपी पोर्टल का उपयोग प्रमाण पत्र (जैसे एनओसी, बोनाफाइड, प्रोविजनल, आदि) के लिए आवेदन करने या नौकरी / इंटर्नशिप के लिए भी किया जा सकता है।

इंटरनेट के उपयोगी लिंक

- दिल्ली विश्वविद्यालय प्रवेश 2026-27 बुलेटिन: https://admission.uod.ac.in/
- दिल्ली विश्वविद्यालय प्रवेश वेबसाइट: https://admission.uod.ac.in/
- स्नातक पाठ्यक्रम रूपरेखा एनइपी 2020: https://centenary.du.ac.in/?Documents-Documentaries/UGCF-2022-NEP-2020
- यूजीCF बहु-प्रवेश और निकास फ़्लोचार्ट: https://www.du.ac.in/uploads/UGCF-Flowchart.pdf
- सामान्य सीट आवंटन प्रणाली (सी एस ए एस): https://admission.uod.ac.in/
- एनइपी से संबंधित महत्वपूर्ण सूचनाएँ: https://keshav.du.ac.in/importantnepnotifications
- कॉलेज द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रमों/पाठ्यक्रमों के बारे में जानकारी: https://keshav.du.ac.in/academics/courses
- रैगिंग विरोधी: https://keshav.du.ac.in/usefullinks/committees/anti_ragging
- कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ रैगिंग और यौन उत्पीड़न के लिए अनुशासन, निषेध और दंड के संबंध में अध्यादेश: https://keshav.du.ac.in/uploads/discipline/OrdinanceXV.pdf
- स्नातक कार्यक्रमों के लिए शैक्षणिक कैलेंडर: https://www.du.ac.in/index.php?page=academic-calendar

प्राचार्या की कलम से

दिल्ली यूनिवर्सिटी के एक प्रमुख कॉलेज, केशव महाविद्यालय के कार्यवाहक प्रिंसिपल के तौर पर आप सभी को संबोधित करना मेरे लिए सम्मान की बात है। हमारा संस्थान एकेडमिक उत्कृष्टता और छात्रों के सर्वांगीण विकास का एक बेहतरीन उदाहरण है। शिक्षा और संस्थान की ईमानदारी के ऊंचे मानकों को बनाए रखने के हमारे संकल्प को NAAC के दूसरे चक्र में "A" ग्रेड एक्रेडिटेशन और NIRF फ्रेमवर्क में टॉप 100 राष्ट्रीय संस्थानों में 95वां स्थान मिलने से और मजबूती मिली है।

हमारा शिक्षा का तरीका एक मल्टी-डिसिप्लिनरी रणनीति पर आधारित है, जो बुनियादी ज्ञान को व्यावहारिक और वास्तविक दुनिया की जरूरतों से प्रभावी ढंग से जोड़ता है। हमारा मानना है कि सच्ची शिक्षा का मकसद सिर्फ़ बुनियादी जानकारी देना नहीं, बल्कि सार्थक बदलाव लाना है—ताकि छात्र तेजी से बदलते और जटिल होते वैश्विक माहौल में सफल होने के लिए जरूरी बौद्धिक क्षमता और नैतिक मजबूती हासिल कर सकें। हमारी प्राथमिकता ऐसे ग्रेजुएट तैयार करना है जो सामाजिक रूप से जागरूक और संवेदनशील हों, और भविष्य में नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए तैयार हों।

इस विकास यात्रा को आधुनिक सुविधाओं से और बेहतर बनाया गया है, जैसे कि वाई-फाई वाला कैंपस, पूरी तरह से एयर-कंडीशंड लैब, एक आधुनिक एयर-कंडीशंड ऑडिटोरियम, एक ओपन-एयर एम्फीथिएटर, एक पूरी तरह से ऑटोमेटेड लाइब्रेरी (जिसमें एयर-कंडीशंड रीडिंग रूम है) और तकनीक से लैस सेमिनार हॉल। क्लासरूम के अलावा, को-करिकुलर और एक्स्ट्रा-करिकुलर प्रोग्राम हमारे जीवंत कैंपस जीवन का मुख्य आधार हैं। छात्रों को स्पोर्ट्स, डिबेटिंग, फोटोग्राफी, परफॉर्मिंग और विजुअल आर्ट्स, और नेशनल सर्विस स्कीम (एनएसएस) के जरिए सामाजिक कार्यों में भाग लेकर अपने अनुभव बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। छात्रों की मानसिक सेहत और भलाई के लिए, एक काउंसलर हफ्ते में दो बार कॉलेज आते हैं। इसके अलावा, छात्रों द्वारा चलाई जाने वाली खास सोसाइटी और संस्थान के सेल—जैसे एनवायरनमेंट क्लब, महिला विकास सेल, समान अवसर सेल और प्लेसमेंट सेल—काम के लिए तैयारी, सामाजिक समानता और नागरिक जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाते हैं। कॉलेज में मेडिकल रूम, कैफेटेरिया, एटीएम, फोटोकॉपी और मदर डेयरी बूथ जैसी कई अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। कॉलेज में लड़कियों के लिए पूरी तरह से वाई-फाई सुविधा वाला हॉस्टल है, जिसमें आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर है और यह 2 एकड़ में फैला हुआ है, जहां 84 छात्राओं के रहने की व्यवस्था है।

जैसे ही हम यह नया एकेडमिक सेशन शुरू कर रहे हैं, मैं नए आने वाले छात्रों का औपचारिक और गर्मजोशी से स्वागत करता हूं। मुझे पूरा भरोसा है कि केशव महाविद्यालय में आपका समय बेहतरीन सीखने, व्यक्तिगत विकास और हमारे संस्थान परिवार के साथ गर्व भरे जुड़ाव से भरा होगा। इस कॉलेज को आगे ले जाने में, हम अपने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम द्वारा बताए गए मार्गदर्शक सिद्धांतों के प्रति समर्पित हैं:

"सीखने से रचनात्मकता आती है, रचनात्मकता से सोच विकसित होती है, सोच से ज्ञान मिलता है और ज्ञान आपको महान बनाता है।"

प्रो. अर्पणा शर्मा
(कार्यवाहक प्राचार्या)

विषयसूची

प्रवेश से संबंधित महत्वपूर्ण समितियां 5
परिभाषाएँ और संक्षेपण 6
1. कॉलेज प्रोफ़ाइल 8
2. अंडरग्रेजुएट पाठ्यक्रम ढांचा (यूजीसीएफ) 9
3. स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया 16
4. यूजी प्रवेश के लिए पात्रता आवश्यकताएँ 20
5. कॉलेज द्वारा प्रस्तावित यूजी कार्यक्रम और पाठ्यक्रम 22
5.1. स्नातक कार्यक्रम और कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता 22
5.2. चार वर्षीय स्नातक डिग्री कार्यक्रमों में प्रवेश 26
5.3. विदेशी भाषाओं में एक वर्षीय सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम में प्रवेश 26
5.4. विदेशी भाषाओं में एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रवेश 27
5.5. ईसीए सीटों का वितरण 27
5.6. खेल सीटों का वितरण 27
6. शुल्क संरचना 28
6.1. कार्यक्रमों और पाठ्यक्रमों के लिए समेकित शुल्क 28
6.2. घटक-वार शुल्क संरचना 29
7. प्रवेश वापसी के मामले में शुल्क वापसी नीति 30
8. आरक्षण नीति 30
9. एनसीवेब में प्रवेश 40
10. बालिका छात्रावास में प्रवेश 40
11. महाविद्यालय जीवन 41
11. महाविद्यालय जीवन 41
11.1. आधारभूत संरचना 41
11.2. छात्र विकास: प्रकोष्ठ और पहल 46
11.3. सांस्कृतिक समितियां 54
11.4. वार्षिक सह-पाठ्यचर्या गतिविधियाँ 56
11.5. विभागीय सोसाइटियाँ 59
11.6. अन्य सुविधाएँ 65
12. अनुशासन 68
13. सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम 70
14. शिकायत एवं समस्या निवारण समितियाँ 70
15. संकाय 73
16. शिक्षणेतर कर्मचारी (Non-Teaching Staff) 75

Only Knowledge can provide salvation

प्रवेश से संबंधित महत्वपूर्ण समितियां

केंद्रीय प्रवेश समिति (admissions@keshav.du.ac.in)		
प्रो. आशीष बंसल - संयोजक और नोडल अधिकारी		
प्रो. वीके शर्मा	डॉ. मोना रंगा	श्री मोहम्मद रफीक सीके
डॉ. मुकेश	श्री गगनदीप लोंगियानी	श्री दीपक कुमार मीणा

केंद्रीय प्रवेश सहायता डेस्क (admission.helpdesk@keshav.du.ac.in)	
नाम	**संपर्क संख्या**
प्रो. धनपाल सिंह- संयोजक	9811447977
डॉ. आशुतोष सिंह	7905200260
सुश्री नमिता पाढ़ी	9810862884
सुश्री निधि सिकरी (गैर-शिक्षण सदस्य)	9818395449

प्रवेश के लिए शिकायत निवारण समिति (grievance.admissions@keshav.du.ac.in, 011 - 27018805)	
नाम	**संपर्क संख्या**
प्रो. रोली बंसल- संयोजक	9810839573
प्रो. कनुप्रिया गोस्वामी	9811098220
प्रो. शालिनी देवी	9910855663
प्रो. सुरेन्द्र सिंह	9810323797
डॉ. मीनाक्षी	9999111902
सुश्री दिशा शर्मा, छात्रा बी.एससी. (ऑनर्स) साइकोलॉजी चतुर्थ सेमेस्टर	

एससी/एसटी/ओबीसी-एनएल/ईडब्ल्यूएस और पीडब्ल्यूबीडी उम्मीदवारों के लिए शिकायत निवारण समिति	
नाम	**संपर्क संख्या**
प्रो. दीपक श्रीवास्तव - संयोजक	7982498020
प्रो. कनुप्रिया गोस्वामी	9811098220
श्री रवि कुमार यादव	9810261600
डॉ. मीनाक्षी	9999111902
श्री रितेश गुप्ता (गैर-शिक्षण सदस्य)	9871105560
श्री कमल गुलाटी (गैर-शिक्षण सदस्य)	9953489556

खेल प्रवेश के लिए स्टाफ काउंसिल नामित
प्रो. प्रदीप कुमार

परिभाषाएँ और संक्षेपण

परिभाषाएं

- "कार्यक्रम" का अर्थ है छात्रों को औपचारिक रूप से प्रदान किए जाने वाले शिक्षण अनुभवों की एक श्रृंखला, जो कम से कम एक वर्ष की अवधि में स्नातक डिग्री की ओर ले जाती है। इस प्रकार, यह यूजीसी द्वारा परिभाषित / पहचाना गया एक औपचारिक डिग्री कार्यक्रम है (एनईपी 2020 के अंतर्गत एक वर्ष के बाद प्रमाणन/2 वर्ष के बाद डिप्लोमा/ 3 और 4 वर्ष के बाद डिग्री संबंधी अध्याय 2 देखें)।
- " पाठ्यक्रम" का अर्थ है एक औपचारिक कार्यक्रम में निर्दिष्ट क्रेडिट/घंटों वाला एक पेपर/विषय।

लघुरूप

एआईसीटीई	अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद
एआईयू	भारतीय विश्वविद्यालय संघ
एपीआईओ	सहायक लोक सूचना अधिकारी
बीसीआई	बार काउंसिल ऑफ इंडिया
बीएमएस	प्रबंधन अध्ययन स्नातक
सीएसएएस	सामान्य सीट आवंटन प्रणाली
सीयूईटी	सामान्य विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा
सीडब्ल्यू	अर्धसैनिक बलों सहित सशस्त्र बलों के कार्मिकों के बच्चे/विधवाएँ
डीसीआई	भारतीय दंत चिकित्सा परिषद
डीडीसीइ	दूरस्थ एवं सतत शिक्षा विभाग
डीयूएलएस	दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली
डूसू	दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ
ईसीए	पाठ्येतर गतिविधियां
ईसीसी	शैक्षिक रियायत प्रमाण पत्र
ईडब्ल्यूएस	आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग
आईसीसी	आंतरिक कॉलेज शिकायत समिति
आईक्यूएसी	आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
केएम	कश्मीरी प्रवासी
केएमवी	केशव महाविद्यालय
केएमवीएसयू	केशव महाविद्यालय छात्र संघ
एमसीआई	भारतीय चिकित्सा परिषद
एनसीटीई	राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद
एनसीवेब	गैर-कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड

एनईपी	राष्ट्रीय शिक्षा नीति
एनआईओएस	राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
एनएसएस	राष्ट्रीय सेवा योजना
ओबीसी	अन्य पिछड़ा वर्ग
ओक्यू	अनाथों के लिए कोटा
पीआईओ	लोक सुचना अधिकारी
पीएमएसएस	प्रधानमंत्री विशेष छात्रवृत्ति
पीडब्ल्यूबीडी	बेंचमार्क विकलांगता वाले व्यक्ति
आरटीआई	सूचना का अधिकार
एससी	अनुसूचित जाति
एसजीआरसी	छात्र शिकायत निवारण समिति
एसओएल	स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग
एसएस	सिक्किमी छात्र
एसटी	अनुसूचित जनजाति
टीआईसी	प्रभारी शिक्षक
यूजी	अंडरग्रेजुएट
यूजीसीएफ	स्नातक पाठ्यक्रम रूपरेखा
यूओडी	दिल्ली विश्वविद्यालय
उर	निष्कपट
डब्ल्यूक्यू	वार्ड कोटा

"Only Knowledge can provide salvation"

1. कॉलेज प्रोफ़ाइल

केशव महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय का एक ऑफ-कैंपस कॉलेज है, जिसकी स्थापना 1994 में दिल्ली सरकार (NCT) के तहत की गई थी। "केवल ज्ञान ही मुक्ति दिला सकता है" - हमारे इस आदर्श वाक्य से प्रेरित होकर, हमने एक खास मकसद के साथ अपनी यात्रा शुरू की: अलग-अलग विषयों में युवा सोच को निखारना और उन्हें अपनी पूरी क्षमता हासिल करने के लिए सशक्त बनाना। बेहतरीन प्रदर्शन के 29 साल पूरे करते हुए, केशव महाविद्यालय ने पढ़ाई-लिखाई और अन्य गतिविधियों (को-करिकुलर एक्टिविटीज़) दोनों में अपनी खास पहचान बनाई है। हमारे छात्र ('केशवइट्स') दुनिया भर में जीवन के अलग-अलग क्षेत्रों में अहम योगदान दे रहे हैं।

10 एकड़ के शांत और हरे-भरे कैंपस में स्थित हमारे कॉलेज की सुविधाएं बेहतरीन हैं। एयर-कंडीशंड ऑडिटोरियम से लेकर ई-सुविधाओं वाले लेक्चर थिएटर और अच्छी तरह से सुसज्जित एयर-कंडीशंड लैब तक, हर जगह को इस तरह से डिज़ाइन किया गया है कि सर्वांगीण शिक्षा को बढ़ावा मिले। हमारी लाइब्रेरी, मेडिकल रूम, कैफेटेरिया, स्पोर्ट्स सुविधाएं और ICT-सक्षम क्लासरूम पढ़ाई और व्यक्तिगत विकास के लिए एक अच्छा माहौल बनाते हैं। हम अलग-अलग ज़रूरतों को पूरा करने वाली रहने की सुविधाएँ भी देते हैं। लड़कियों के लिए एक बड़ा हॉस्टल है जिसमें 78 छात्राएं ट्विन/ट्रिपल शेयरिंग कमरों में रह सकती हैं और इंटरनेशनल छात्राओं के लिए एक नया विंग भी जोड़ा गया है; हम हर छात्रा की सांस्कृतिक और शैक्षणिक आकांक्षाओं को पूरा करने की कोशिश करते हैं।

प्रगतिशील NEP 2020 के तहत, हम साइंस, कॉमर्स, मैनेजमेंट स्टडीज़, साइकोलॉजी और कंप्यूटर साइंस जैसे विषयों में नौ अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम और विदेशी भाषाओं में शॉर्ट-टर्म कोर्स भी चलाते हैं। हमारे 100 से ज़्यादा बेहतरीन फैकल्टी सदस्य और समर्पित नॉन-टीचिंग स्टाफ़ सीखने और आगे बढ़ने के लिए एक सहयोगी माहौल बनाते हैं।

इसके अलावा, दिल्ली विश्वविद्यालय के नॉन-कॉलेजिएट विमेंस एजुकेशन बोर्ड (NCWEB) के एक गर्वित केंद्र के रूप में, हम उन छात्राओं की शैक्षिक आकांक्षाओं को पूरा करते हैं जो लचीले ढंग से सीखने के अवसर चाहती हैं।

केशव महाविद्यालय में, हम लगातार सुधार के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिसमें हमारा इंटरनल क्वालिटी एश्योरेंस सेल (IQAC) मदद करता है। यह शैक्षणिक उत्कृष्टता तक समान पहुँच सुनिश्चित करता है और सीखने वालों पर केंद्रित माहौल बनाता है जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को बनाए रखता है। केशव महाविद्यालय एक ऐसी जगह है जहाँ ज्ञान सशक्तिकरण में बदलता है, और हर छात्र की यात्रा को उत्कृष्टता की ओर ले जाया जाता है।

2. अंडरग्रेजुएट पाठ्यक्रम ढांचा (यूजीसीएफ)

अंडरग्रेजुएट करिकुलम फ्रेमवर्क (UGCF) का मकसद यूनिवर्सिटी में हायर एजुकेशन सिस्टम में सिस्टम में बदलाव लाना और इसे नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 (NEP-2020) के साथ जोड़ना है। NEP-2020 में बताए गए इस नेक मकसद को पूरा करने के लिए, दिल्ली यूनिवर्सिटी ने अपने अंडरग्रेजुएट करिकुलम फ्रेमवर्क को और रीस्ट्रक्चर और बेहतर बनाने की संभावना तलाशने की कोशिश की है। ऐसी सभी कोशिशें NEP-2020 के मकसद और अंदरूनी सोच के मुताबिक होंगी, जिसका मकसद हमारे देश के युवाओं की कल्पना को पकड़ना और दुनिया भर में हमारे डेमोग्राफिक फायदे की आज की असलियत को दिखाना है। UGCF बनाते समय NEP के इन मकसदों को ध्यान में रखा गया है:

- एक सच्चे वैश्विक नागरिक के रूप में विश्व दृष्टिकोण रखने वाले छात्रों के समग्र विकास को बढ़ावा देना;
- विद्यार्थियों को लचीलापन प्रदान करना ताकि वे अपने सीखने के तरीके और कार्यक्रम चुन सकें और इस प्रकार अपनी प्रतिभा और रुचि के अनुसार जीवन में अपना रास्ता चुन सकें;
- अलग-अलग सब्जेक्ट्स/स्टडी के फील्ड्स के बीच नुकसानदायक हायरार्की और सीखने के अलग-अलग एरिया के बीच की दूरी को खत्म करना; सभी ज्ञान की एकता और इंटीग्रिटी पक्का करने के लिए मल्टीडिसिप्लिनरी और होलिस्टिक एजुकेशन;
- रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देना और तार्किक निर्णय लेने और नवाचार को प्रोत्साहित करना;
- नैतिक, मानवीय और संवैधानिक मूल्यों को बढ़ावा देना;
- सीखने और सिखाने में बहुभाषिकता और भाषा की शक्ति को बढ़ावा देना;
- संचार, सहयोग, टीमवर्क और लचीलापन जैसे जीवन कौशल प्रदान करना;
- उत्कृष्ट शिक्षा और विकास के लिए अनुसंधान को एक अनिवार्य शर्त के रूप में बढ़ावा देना;
- किसी खास विषय या पढ़ाई के क्षेत्र के लिए ज़रूरी भारतीय ज्ञान सिस्टम को शामिल करना।

2.1 क्वालिफिकेशन टाइप और क्रेडिट की ज़रूरतें

"क्वालिफिकेशन फॉर्मल 'अवार्ड्स' होते हैं, जैसे सर्टिफिकेट, डिप्लोमा या डिग्री, जो किसी खास स्टडी प्रोग्राम को सफलतापूर्वक पूरा करने पर एक्सपेक्टेड लर्निंग आउटकम मिलने की पहचान के तौर पर कॉलेज या यूनिवर्सिटी जैसी किसी काबिल अथॉरिटी द्वारा दिए जाते हैं। ये एक काबिल बॉडी द्वारा लर्निंग लेवल के असेसमेंट और इवैल्यूएशन के बाद दिए जाते हैं, जो यह तय करता है कि स्टूडेंट्स ने दिए गए स्टैंडर्ड के हिसाब से एक्सपेक्टेड लर्निंग आउटकम हासिल किए हैं या नहीं।" जो स्टूडेंट किसी भी ईवन सेमेस्टर के आखिर में निकलता है, उसे संबंधित सर्टिफिकेट/डिप्लोमा/डिग्री पाने के लिए ज़रूरी क्रेडिट (टेबल-3 में बताए गए) कमाने होते हैं। अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम के लेवल 5 से लेवल 8 के लिए क्वालिफिकेशन टाइटल/नाम और उससे जुड़ी क्रेडिट ज़रूरतें नीचे टेबल-1 में साफ-साफ बताई गई हैं।

लिका नंबर एक **योग्यता प्रकार और क्रेडिट आवश्यकताएँ***		
एनएचईक्यूएफ स्तर	**योग्यता शीर्षक/नामकरण**	**ऋण आवश्यकता**
स्तर 5	सेमेस्टर 2 के सफल समापन के बाद बाहर निकलने वालों के लिए सीखने/अनुशासन के क्षेत्र में यूजी प्रमाणपत्र। (कार्यक्रम अवधि: स्नातक कार्यक्रम के 2 सेमेस्टर)	44
स्तर 6	उन लोगों के लिए शिक्षा/अनुशासन के क्षेत्र में यूजी डिप्लोमा, जो सेमेस्टर 4 के सफल समापन के बाद पढ़ाई छोड़ देते हैं। (कार्यक्रम अवधि: स्नातक कार्यक्रम के 4 सेमेस्टर)	88
स्तर 7	स्नातक डिग्री (ऑनर्स) उन लोगों के लिए जो एकल अनुशासन कोर पाठ्यक्रम चुनते हैं और सेमेस्टर 6 के सफल समापन के बाद बाहर निकलते हैं। (कार्यक्रम अवधि: 6 सेमेस्टर)	132
स्तर 7	स्नातक की डिग्री उन लोगों के लिए है जो एक से अधिक विषयों के मुख्य पाठ्यक्रम चुनते हैं और सेमेस्टर 6 के सफल समापन के बाद बाहर निकल जाते हैं। (कार्यक्रम अवधि: 6 सेमेस्टर)	132
स्तर 7	बैचलर ऑफ वोकेशन (बी. वोक.) (कार्यक्रम अवधि: 6 सेमेस्टर)	132
स्तर 8	स्नातक की डिग्री (शोध/शैक्षणिक परियोजना/उद्यमिता के साथ ऑनर्स) उन लोगों के लिए जो एकल अनुशासन कोर पाठ्यक्रम चुनते हैं और सेमेस्टर 8 के सफल समापन के बाद बाहर निकलते हैं। (कार्यक्रम अवधि: 8 सेमेस्टर)	176
स्तर 8	उपयुक्त स्नातक उपाधि (ऑनर्स) उन लोगों के लिए है जो एक से अधिक विषयों के मुख्य पाठ्यक्रम चुनते हैं तथा सेमेस्टर 8 के सफल समापन के बाद बाहर निकल जाते हैं। (कार्यक्रम अवधि: 8 सेमेस्टर)	176
* एनएचईक्यूएफ के मसौदे के आधार पर यूजीसीएफ की योग्यता प्रकार और क्रेडिट आवश्यकताओं का मानचित्रण।		

2.2 यूजीसीएफ की संरचना

UGCF अलग-अलग सब्जेक्ट्स में चार साल के अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम्स का एक स्ट्रक्चर है, जिसमें कई एग्जिट ऑप्शन होते हैं। एक सिंगल कोर डिसिप्लिन प्रोग्राम के स्ट्रक्चर की डिटेल्स नीचे टेबल-2 में दी गई हैं। तीन कोर डिसिप्लिन में मल्टीडिसिप्लिनरी पढ़ाई करने वाले स्टूडेंट्स के लिए एकमात्र अंतर यह है कि उन्हें हर सेमेस्टर I से VI में 3 डिसिप्लिन में से हर एक में 1 कोर (DSC) कोर्स पढ़ना होगा (यानी हर सेमेस्टर में 3 DSC)। सेमेस्टर VII और VIII में, वे किसी कोर डिसिप्लिन का 1 DSC कोर्स चुन सकते हैं जिसमें वे मेजर डिग्री कर सकते हैं। उन्हें चौथे साल में डिसर्टेशन/एकेडमिक प्रोजेक्ट/एंटरप्रेन्योरशिप की जगह 6 क्रेडिट का कोर्सवर्क (4 क्रेडिट का एक एडिशनल DSE + 2 क्रेडिट का स्किल-बेस्ड कोर्स/वर्कशॉप/स्पेशल लैबोरेटरी/हैंड्स ऑन लर्निंग) चुनने का ऑप्शन भी दिया जाता है।

III और IV सेमेस्टर में हर सेमेस्टर में दो क्रेडिट के लिए या तो एक 'SEC' या दूसरे 'इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप/प्रोजेक्ट/कम्युनिटी आउटरीच' चुनने का ऑप्शन होगा।

** सेमेस्टर III और IV में DSE या GE चुनने का ऑप्शन होगा।

*** V और VI सेमेस्टर में हर सेमेस्टर में दो क्रेडिट के लिए या तो एक 'SEC' या दूसरे 'इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप/प्रोजेक्ट/रिसर्च/कम्युनिटी आउटरीच' चुनने का ऑप्शन होगा।

VII और VIII सेमेस्टर में चार विकल्प होंगे –

4 क्रेडिट के तीन DSE चुनें या

दो DSE और एक GE चुनें, प्रत्येक 4 क्रेडिट का या

एक DSE और दो GE में से 4 क्रेडिट चुनें।

^ 'रिसर्च मेथोडोलॉजी' को VI और VII सेमेस्टर में DSE कोर्स में से एक के तौर पर ऑफर किया जाएगा।

स्टूडेंट्स इसे VI सेमेस्टर या VII सेमेस्टर में चुन सकते हैं। हालांकि, तीन कोर सब्जेक्ट्स में मल्टीडिसिप्लिनरी पढ़ाई करने वाले स्टूडेंट को VI सेमेस्टर में रिसर्च मेथोडोलॉजी चुननी होगी, अगर वह चौथे साल में तीनों में से किसी एक सब्जेक्ट में मेजर करना चाहता है।

मान लीजिए कोई स्टूडेंट किसी दूसरे डिसिप्लिन का रिसर्च मेथोडोलॉजी कोर्स (उसके DSEs में से एक के तौर पर) पढ़ना चाहता है। ऐसे में, वह इसे चुन सकता है, बशर्ते वह डिसिप्लिन उसका माइनर डिसिप्लिन हो। इस तरह चुने गए दूसरे डिसिप्लिन के रिसर्च मेथोडोलॉजी को उसके लिए GE माना जाएगा। दूसरे डिपार्टमेंट का DSE स्टूडेंट के लिए GE माना जाएगा।

लिका – 2

स्नातक (अध्ययन/विषय का क्षेत्र) (ऑनर्स)

छमाही	मुख्य (डीएससी)	निर्वाचित (डीएसई)	जेनेरिक इलेक्टिव (जीई)	क्षमता संवर्द्धन पाठ्यक्रम (एईसी)	कौशल संवर्धन पाठ्यक्रम (एसईसी)	इंटर्नशिप/ अप्रेंटिसशिप/ प्रोजेक्ट/ सामुदायिक आउटरीच (2)	मूल्य संवर्धन पाठ्यक्रम (वीएसी)	कुल क्रेडिट
1	डीएससी-1(4) डीएससी-2(4) डीएससी-3(4)		पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें जीई-1 (4)	एईसी पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें (2)	पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें (2)		पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें (2)	22 क्रेडिट
2	डीएससी-4(4) डीएससी-5(4) डीएससी-6(4)		पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें जीई-2 (4)	एईसी पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें (2)	पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें (2)		पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें (2)	22 क्रेडिट

Only Knowledge can provide salvation

बाहर निकलने वाले छात्रों को सेमेस्टर I और II में अपेक्षित 44 क्रेडिट हासिल करने के बाद स्नातक प्रमाणपत्र (अध्ययन/अनुशासन के क्षेत्र में) प्रदान किया जाएगा।						कुल = 44
3	डीएससी-7 (4) डीएससी-8 (4) डीएससी-9 (4)	पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें, डीएसई –1 (4) या पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें, जीई-3 (4)**	एईसी पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें (2)	एक एसईसी या चुनें इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप/ परियोजना/सामुदायिक आउटरीच (आईएपीसी) (2)*	पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें (2)	22 क्रेडिट
4	डीएससी-10 (4) डीएससी-11 (4) डीएससी-12 (4)	पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें, डीएसई –2 (4) या वैकल्पिक रूप से पाठ्यक्रमों के पूल जीई-4 (4) में से एक चुनें**	एईसी पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें (2)	एक एसईसी या चुनें इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप/प्रोजेक्ट/सामुदायिक आउटरीच (आईएपीसी) (2)*	पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें (2)	22 क्रेडिट
सेमेस्टर IV पूरा होने पर अपेक्षित 88 क्रेडिट प्राप्त करने के बाद बाहर निकलने वाले छात्रों को स्नातक डिप्लोमा (अध्ययन/विषय के क्षेत्र में) प्रदान किया जाएगा						कुल=88
5	डीएससी-13 (4) डीएससी-14 (4) डीएससी-15 (4)	पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें डीएसई-3 (4)	पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें जीई-5 (4)	एक एसईसी या चुनें इंटर्नशिप/प्रशिक्षुता/प्रोजेक्ट/सामुदायिक आउटरीच (आईएपीसी) (2)***		22 क्रेडिट
6	डीएससी-16 (4) डीएससी-17 (4) डीएससी-18 (4)	पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें डीएसई-4 (4)	पाठ्यक्रमों के समूह में से एक चुनें जीई-6 (4)	एक एसईसी चुनें या इंटर्नशिप/प्रशिक्षुता/प्रोजेक्ट/शोध/सामुदायिक आउटरीच (2)***		22 क्रेडिट
सेमेस्टर 6 के पूरा होने पर अपेक्षित 132 क्रेडिट प्राप्त करने के बाद बाहर निकलने वाले छात्रों को (अध्ययन/विषय के क्षेत्र में) स्नातक ऑनर्स (3 वर्ष) की उपाधि प्रदान की जाएगी।						132 क्रेडिट
7	डीएससी-19(4)	तीन डीएसई (3X4) चुनें पाठ्यक्रम या दो डीएसई - (2X4) और चुनें एक जी.ई. (4)^ पाठ्यक्रम अथवा एक डीएसई (4) चुनें और			पर शोध प्रबंध मेजर (6) या पर शोध प्रबंध नाबालिग (6) या	22 क्रेडिट

		दो जी.ई. (2X4) पाठ्यक्रम (कुल = 12)#			शैक्षणिक परियोजना/उद्यमिता (6)		
8	डीएससी-20(4)	तीन डीएसई (3X4) चुनें पाठ्यक्रम या दो डीएसई - (2X4) और चुनें एक जी.ई. (4) कोर्स या एक डीएसई (4) चुनें और दो जी.ई. (2X4) पाठ्यक्रम (कुल = 12)#			पर शोध प्रबंध मेजर (6) या पर शोध प्रबंध नाबालिग (6) या शैक्षणिक परियोजना/ उद्यमिता (6)		22 क्रेडिट
बाहर निकलने वाले छात्रों को सेमेस्टर 8 के पूरा होने पर अपेक्षित 176 क्रेडिट हासिल करने के बाद (अध्ययन/विषय के क्षेत्र में) स्नातक (अनुसंधान/शैक्षणिक परियोजनाओं/उद्यमिता के साथ ऑनर्स) या (विषय-1 (प्रमुख) में अनुसंधान के साथ ऑनर्स) विषय-2 (माइनर) के साथ प्रदान किया जाएगा।							कुल = 176

2.3 ध्यान देने योग्य महत्वपूर्ण बिंदु

1 **प्रवेश स्तर की पात्रता:** स्तर 5 में प्रवेश के लिए सामान्य फीडर श्रेणी, कक्षा 12 सफलतापूर्वक उत्तीर्ण करने के बाद प्राप्त माध्यमिक विद्यालय परित्याग प्रमाणपत्र है। स्नातक की डिग्री के प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु अध्ययन कार्यक्रम उन छात्रों के लिए खुला है जिन्होंने प्रवेश आवश्यकताओं को पूरा किया है, जिसमें कार्यक्रम प्रवेश नियमों में उल्लिखित माध्यमिक शिक्षा स्तर पर उपलब्धि के निर्दिष्ट स्तर शामिल हैं। स्नातक की डिग्री अध्ययन कार्यक्रम में प्रवेश आवेदक की स्नातक की डिग्री कार्यक्रम शुरू करने और उसे पूरा करने की क्षमता के दस्तावेजी साक्ष्य (शैक्षणिक रिकॉर्ड सहित) के मूल्यांकन पर आधारित है, जो उच्च शिक्षा में प्रस्तावित शैक्षणिक कार्यक्रमों में बहु-प्रवेश और निकास योजना के लिए यूजीसी दिशानिर्देशों में निर्दिष्ट है।

2 क्रेडिट कोर्स के घंटों की संख्या उसके व्याख्यान, ट्यूटोरियल और प्रैक्टिकल घटकों द्वारा निर्धारित की जाएगी।

3 प्रत्येक छात्र को पहले वर्ष (प्रथम/द्वितीय सेमेस्टर) और दूसरे वर्ष (तृतीय/चतुर्थ सेमेस्टर) में क्रमशः दो-दो क्रेडिट के "पर्यावरण विज्ञान एवं सतत विकास" पाठ्यक्रम I और II का अध्ययन करना होगा। एईसी पूल में समय-समय पर अद्यतन किए गए भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में सूचीबद्ध भाषाओं के क्रेडिट पाठ्यक्रम भी शामिल होंगे। दिल्ली विश्वविद्यालय उन कॉलेजों (जहाँ संकाय उपलब्ध नहीं हैं) को आवश्यक सहायता प्रदान करेगा जिन्हें इन भाषाओं में शिक्षण-अधिगम के लिए इसकी आवश्यकता हो सकती है।

4 डिग्रियों का डिजाइन: छात्र पारंपरिक मार्ग का अनुसरण करने के बजाय, अपनी क्षमता और उपलब्धि के अनुरूप भविष्य के लिए अपने मिशन और आकांक्षा के अनुसार अपनी डिग्रियां डिजाइन करने में सक्षम होंगे।

5 एक छात्र जो कोर कोर्स के रूप में एक विशिष्ट विषय में तीन साल का स्नातक डिग्री कार्यक्रम करता है [उदाहरण के लिए, बी. कॉम (ऑनर्स), बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिकी और ऐसे अन्य कार्यक्रम] उस विषय में कम से कम 80 क्रेडिट अर्जित करेगा (उस विषय के 18 डीएससी और कम से कम 2 डीएसई से) और यदि वह छठे सेमेस्टर के पूरा होने के बाद बाहर निकलता है, तो उसे उस विषय में ऑनर्स की डिग्री प्रदान की जाएगी।

6 यदि कोई छात्र अध्ययन के मुख्य पाठ्यक्रम के रूप में एक से अधिक विषयों में तीन वर्षीय स्नातक डिग्री कार्यक्रम का अध्ययन करता है (उदाहरण के लिए बीएससी (प्रोग.) भौतिक विज्ञान कंप्यूटर विज्ञान के साथ और बीएससी (प्रोग.) गणितीय विज्ञान) तो

उसे अध्ययन के बहुविषयक पाठ्यक्रम के उस क्षेत्र में स्नातक की डिग्री प्रदान की जाएगी, यदि वह छठे सेमेस्टर के पूरा होने के बाद पढ़ाई छोड़ देता है।

7 यदि कोई छात्र शोध के साथ चार वर्षीय ऑनर्स डिग्री करना चाहता है, तो उसे अनिवार्य रूप से छठे सेमेस्टर या सातवें सेमेस्टर में डीएसई के रूप में रिसर्च मेथोडोलॉजी पाठ्यक्रम का चयन करना होगा।

8 चौथे वर्ष में शोध प्रबंध/शैक्षणिक परियोजना/उद्यमिता सातवें सेमेस्टर से शुरू होकर आठवें सेमेस्टर में समाप्त होगी। इन तीन विकल्पों में से चुने गए प्रत्येक ट्रैक के विस्तृत परिणाम अधिसूचित किए जाएँगे और सातवें और आठवें सेमेस्टर के अंत में तदनुसार मूल्यांकन किया जाएगा।

9 शोध प्रबंध प्रमुख या गौण या अंतःविषयक (प्रमुख और गौण का संयोजन) विषय में लिखा जा सकता है।

10 यदि ऊपर (6) में उल्लिखित कोई छात्र बहुविषयक अध्ययन के उस क्षेत्र में ऑनर्स डिग्री प्राप्त करने के लिए चौथे वर्ष में जारी रखता है या पुनः प्रवेश करता है, तो उसे पिछले छह सेमेस्टर में अध्ययन के मुख्य पाठ्यक्रम के रूप में पढ़े गए विषयों में से केवल एक को चुनना होगा और 7 और 8 सेमेस्टर में उस चुने हुए विषय के 2 डीएससी और 6 डीएसई से क्रेडिट अर्जित करना होगा और शोध प्रबंध लिखना होगा या शैक्षणिक परियोजना या उद्यमिता का विकल्प चुनना होगा।

11 यदि ऊपर (5) में उल्लिखित कोई छात्र, उसी विषय में 7 और 8 सेमेस्टर का अध्ययन जारी रखता है या पुनः प्रवेश करता है, और ऊपर (9) में उल्लिखित शोध प्रबंध लिखता है, लेकिन कोई माइनर विषय नहीं बनाया जाता है (अर्थात, किसी एक विषय के जी.ई. में अर्जित क्रेडिट 28 क्रेडिट से कम है), तो उसे 8 सेमेस्टर के सफल समापन पर उस विषय में मेजर के साथ 'रिसर्च के साथ ऑनर्स' से सम्मानित किया जाएगा।

12 उपरोक्त (6) में उल्लिखित छात्र को आठवें सेमेस्टर के सफल समापन पर बहु-विषयक अध्ययन के क्षेत्र में 'ऑनर्स' की डिग्री प्रदान की जाएगी। उदाहरण के लिए, बीएससी (ऑनर्स) भौतिक विज्ञान, बीएससी ऑनर्स) गणितीय विज्ञान। मेजर और माइनर क्रमशः III(3)(बी) और III(5)(बी) में उल्लिखित शर्तों को पूरा करने पर इंगित किए जाएंगे। उदाहरण के लिए, एक छात्र जो चार साल का बीएससी (प्रोग।) गणितीय विज्ञान करता है, जिसमें गणित, ऑपरेशन रिसर्च और कंप्यूटर साइंस कोर कोर्स के रूप में होते हैं, उन्हें आठवें सेमेस्टर के सफल समापन पर गणित में मेजर मिलेगा, अगर वह 8 डीएससी से गणित में न्यूनतम 80 क्रेडिट और गणित के कम से कम 9 डीएसई अर्जित करता है और गणित से संबंधित विषय पर शोध प्रबंध लिखता है। ऐसे छात्र को ऑपरेशन रिसर्च/कंप्यूटर साइंस में माइनर मिलेगा

13 केवल ऊपर (5) में उल्लिखित छात्र, जो चौथे वर्ष में सातवें और आठवें सेमेस्टर में मेजर/माइनर विषय में शोध प्रबंध लिखने का विकल्प चुनता है, उसे 'अध्ययन/विषय के क्षेत्र में स्नातक (शोध के साथ ऑनर्स)' की उपाधि प्रदान की जाएगी। उदाहरण के लिए, यदि कोई छात्र भौतिकी में बीएससी (ऑनर्स) कर रहा है और सातवें और आठवें सेमेस्टर में भौतिकी या माइनर से संबंधित किसी विषय पर शोध प्रबंध लिखता है, तो उसे 'भौतिकी में विज्ञान स्नातक (शोध के साथ ऑनर्स)' की उपाधि प्रदान की जाएगी। मेजर और माइनर क्रमशः ऊपर III(3)(a) और III(5)(a) में उल्लिखित शर्तों को पूरा करने पर दर्शाए जाएँगे।

14 ऊपर (6) में उल्लिखित छात्र चौथे वर्ष में प्रत्येक सेमेस्टर में शोध प्रबंध / शैक्षणिक परियोजना / उद्यमिता के स्थान पर 6 क्रेडिट (4 क्रेडिट का एक अतिरिक्त डीएसई + एक कौशल-आधारित पाठ्यक्रम / कार्यशाला / विशेष प्रयोगशाला / 2 क्रेडिट का व्यावहारिक शिक्षण) का कोर्सवर्क भी चुन सकता है।

15 जो छात्र शोध प्रबंध लिखने के बजाय सातवें और आठवें सेमेस्टर में 'शैक्षणिक परियोजना' या 'उद्यमिता' का विकल्प चुनता है और संबंधित जीई, एसईसी, एईसी और आईएपीसी में 28 क्रेडिट अर्जित करता है, उसे शैक्षणिक परियोजना या उद्यमिता में माइनर की उपाधि, जैसी भी स्थिति हो, प्रदान की जाएगी। 'अध्ययन/विषय के क्षेत्र में स्नातक (शैक्षणिक परियोजना/उद्यमिता के साथ ऑनर्स) इन डिसिप्लिन (मेजर) और शैक्षणिक परियोजना/उद्यमिता माइनर'। यदि वह अपेक्षित 28 क्रेडिट अर्जित करने में

असमर्थ है, तो उसे 'अध्ययन/विषय के क्षेत्र में स्नातक (शैक्षणिक परियोजना/उद्यमिता के साथ ऑनर्स) इन डिसिप्लिन (मेजर)' प्रदान की जाएगी।

16 जो छात्र चार वर्षीय स्नातक डिग्री कार्यक्रम में अध्ययन कर रहा है, उसे आठवें सेमेस्टर के पूरा होने के बाद उपयुक्त डिग्री प्रदान की जाएगी।

17 **बाहर निकलने के विकल्प:** एक छात्र द्वारा प्रति सेमेस्टर अर्जित किए जाने वाले न्यूनतम क्रेडिट 18 क्रेडिट और अधिकतम 26 क्रेडिट हैं। हालाँकि, छात्रों को प्रति सेमेस्टर 22 क्रेडिट अर्जित करने की सलाह दी जाती है। यह प्रावधान छात्रों को सेमेस्टर-वार शैक्षणिक भार के लचीलेपन का लाभ उठाने और अपनी गति से सीखने का अवसर प्रदान करने के लिए है। हालाँकि, सम सेमेस्टर के अंत में बाहर निकलने का विकल्प चुनने वाले छात्र को अध्ययन/विषय के क्षेत्र में स्नातक प्रमाणपत्र/स्नातक डिप्लोमा/उपयुक्त स्नातक की डिग्री प्रदान करने के लिए क्रेडिट की अनिवार्य संख्या प्राप्त करनी होगी (विवरण तालिका-3 में दिया गया है)।

18 प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम का शीर्षक, कोड, क्रेडिट की संख्या, व्याख्यान, ट्यूटोरियल और प्रैक्टिकल के घटक, उस पाठ्यक्रम को चुनने के लिए आवश्यक पूर्वापेक्षाएँ और पाठ्यक्रम प्रदान करने वाला विभाग, सभी विवरण दिए जाएँगे। किसी भी पाठ्यक्रम को अध्ययन के लिए चुनने हेतु, छात्र को उस पाठ्यक्रम की पूर्वापेक्षाएँ पूरी करनी होंगी।

टेबल तीन

क्रम संख्या	प्राप्त योग्यता का प्रकार	निकासी का चरण (सेमेस्टर के बाद)	अनिवार्य न्यूनतम क्रेडिट्स
1	अध्ययन/अनुशासन के क्षेत्र में स्नातक प्रमाणपत्र	सेमेस्टर 2 के सफल समापन के बाद	44
2	अध्ययन/अनुशासन के क्षेत्र में स्नातक डिप्लोमा	सेमेस्टर 4 के सफल समापन के बाद	88
3	(एकल मुख्य विषय हेतु) ऑनर्स स्नातक डिग्री	सेमेस्टर 6 के सफल समापन के बाद	132
4	(मल्टीडिसिप्लिनरी कोर्स हेतु) स्नातक डिग्री	सेमेस्टर 6 के सफल समापन के बाद	132
5	(एकल मुख्य विषय हेतु) ऑनर्स विद रिसर्च/प्रोजेक्ट/उद्यमिता डिग्री	सेमेस्टर 8 के सफल समापन के बाद	176
6	(मल्टीडिसिप्लिनरी कोर्स हेतु) ऑनर्स डिग्री	सेमेस्टर 8 के सफल समापन के बाद	176

3. स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया

3.1. सामान्य विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (यूजी) की संरचना - 2026

भाषाएँ

अंग्रेजी, हिंदी, असमिया, बंगाली, गुजराती, कन्नड़, मलयालम, मराठी, उड़िया, पंजाबी, तमिल, तेलुगु, उर्दू

डोमेन-विशिष्ट विषय

1. लेखाशास्त्र / बहीखाता
2. कृषि
3. मानव विज्ञान
4. जीव विज्ञान / जैविक अध्ययन / जैव प्रौद्योगिकी / जैव रसायन
5. व्यवसाय अध्ययन
6. रसायन विज्ञान
7. पर्यावरण अध्ययन / पर्यावरण विज्ञान
8. कंप्यूटर विज्ञान / सूचना अभ्यास
9. अर्थशास्त्र / व्यावसायिक अर्थशास्त्र
10. ललित कला / दृश्य कला / वाणिज्यिक कला
11. भूगोल / भूविज्ञान
12. इतिहास
13. गृह विज्ञान
14. ज्ञान परंपरा - भारत में प्रचलन
15. जनसंचार माध्यम/जनसंचार
16. गणित/अनुप्रयुक्त गणित
17. प्रदर्शन कलाएँ (नृत्य, नाटक, संगीत)
18. शारीरिक शिक्षा (योग, खेल)
19. भौतिकी
20. राजनीति विज्ञान
21. मनोविज्ञान
22. संस्कृत
23. समाजशास्त्र

सामान्य योग्यता परीक्षण

सामान्य ज्ञान, समसामयिक घटनाएँ, सामान्य मानसिक क्षमता, संख्यात्मक क्षमता, मात्रात्मक तर्क (मूल गणितीय अवधारणाओं का सरल अनुप्रयोग - अंकगणित/ बीजगणित, ज्यामिति/क्षेत्रमाप/सांख्यिकी), तार्किक और विश्लेषणात्मक तर्क

उम्मीदवार के लिए सीयूईटी (यूजी) - 2026 में उन विषयों में उपस्थित होना अनिवार्य जिनमें वह कक्षा 12 में उपस्थित हो रहा है/उत्तीर्ण हो चुका है।

सामान्य योग्यता परीक्षा को दिल्ली विश्वविद्यालय के अनेक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए स्वीकार किया जाता है। अभ्यर्थी को कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता का अवश्य संदर्भ लेना चाहिए।

अभ्यर्थी को कम से कम एक भाषा में उपस्थित होना अनिवार्य है। अभ्यर्थी को उस भाषा में परीक्षा देनी चाहिए, जिसे उसने कक्षा 12 में अध्ययन किया है।

अभ्यर्थी को यह निर्धारित करने के लिए कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता का संदर्भ लेना चाहिए कि सीयूईटी (यूजी) - 2026 में उसे किन डोमेन-विशिष्ट विषयों में परीक्षा देनी है।

3.2. कॉमन सीट आवंटन प्रणाली (सी एस ए एस - 2026)

यूओडी के ऑनलाइन प्लेटफॉर्म कॉमन सीट एलोकेशन सिस्टम (सीएसएएस) (यूजी)-2026 के माध्यम से छात्रों को प्रवेश देना दिल्ली विश्वविद्यालय के सभी कॉलेजों/विभागों/केंद्रों के लिए बाध्यकारी है। सभी यूजी कार्यक्रमों में प्रवेश विश्वविद्यालय द्वारा अपनी वेबसाइट, अंडर-ग्रेजुएट बुलेटिन ऑफ इंफॉर्मेशन-2026 (यूजी-बीओआई) और कॉमन सीट एलोकेशन सिस्टम (अंडरग्रेजुएट)-2026 (सीएसएएस (यूजी)-2026) पर निर्दिष्ट पात्रता आवश्यकताओं, मानदंडों और प्रक्रियाओं के आधार पर किया जाता है।

प्रवेश से संबंधित अधिक जानकारी के लिए, https://www.admission.uod.ac.in/ पर जाएं।

सीएसएएस (यूजी)-2026 के पंजीकरण के लिए यहां जाएं: https://ugadmission.uod.ac.in/

3.3. महत्वपूर्ण बिंदु

1. दिल्ली विश्वविद्यालय में सभी स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश सीयूईटी (यूजी) - 2026 में प्राप्त अंकों के आधार पर होगा, स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (एसओएल), गैर-कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड (एनसीडब्ल्यूईबी) और विदेशी नागरिकों के लिए प्रवेश को छोड़कर।
2. शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के स्नातक कार्यक्रम(ओं) में प्रवेश पाने के इच्छुक पात्र उम्मीदवार को इस सूचना बुलेटिन (बीओआई) 2026-27 की सामग्री के साथ-साथ दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रवेश वेबसाइट पर प्रकाशित अधिसूचनाओं, अपडेट और सूचनाओं को बहुत ध्यान से पढ़ना चाहिए।
3. अभ्यर्थी को किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से कक्षा 12वीं या इसके समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए।
4. अभ्यर्थी ने भारत में किसी भी बोर्ड/विश्वविद्यालय अथवा भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) द्वारा 10+2 प्रणाली के समकक्ष मान्यता प्राप्त किसी विदेशी देश से कक्षा 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण की हो।
5. दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए, अभ्यर्थी को उन विषयों में सीयूईटी (यूजी) - 2026 में उपस्थित होना अनिवार्य है, जिनमें वह कक्षा XII में उपस्थित हो रहा है/उत्तीर्ण हो चुका है।
6. यदि कक्षा XII में पढ़ा गया विषय सीयूईटी (यूजी) - 2026 में उल्लिखित नहीं है, तो उम्मीदवार को उस भाषा/डोमेन विशिष्ट विषय में उपस्थित होना होगा जो कक्षा XII में उसके द्वारा पढ़े गए विषय के समान/निकटता से संबंधित हो (उदाहरण के लिए, यदि किसी उम्मीदवार ने कक्षा XII में जैव रसायन शास्त्र का अध्ययन किया है, तो उसे सीयूईटी (यूजी) - 2026 में जीवविज्ञान में उपस्थित होना होगा)। कक्षा XII में लिए गए विषयों के साथ सीयूईटी (यूजी) विषयों की समानता स्थापित करने के लिए, पाठ्यक्रम का कम से कम 50% मेल खाना चाहिए। विश्वविद्यालय समानता स्थापित करने का अधिकार सुरक्षित रखता है। इस संबंध में विश्वविद्यालय का निर्णय अंतिम और बाध्यकारी होगा।
7. आवंटन और प्रवेश केवल भाषा, डोमेन विशिष्ट विषयों और/या सामान्य परीक्षा के संयोजन पर आधारित होगा, जिसमें उम्मीदवार संबंधित कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता के अनुसार सीयूईटी (यूजी) - 2026 में उपस्थित हुआ हो।
8. शैक्षणिक वर्ष 2026-27 में प्रवेश के लिए केवल सीयूईटी (यूजी) - 2026 में प्राप्त अंकों पर ही विचार किया जाएगा।
9. अभ्यर्थी को कार्यक्रम विशिष्ट आवश्यकताओं को ध्यानपूर्वक पढ़ना होगा और फिर सीयूईटी (यूजी) - 2026 के भाषा और/या डोमेन विशिष्ट विषयों में उपस्थित होना होगा।
10. उम्मीदवार को सलाह दी जाती है कि वह यह सुनिश्चित कर लें कि वह जिस कार्यक्रम के लिए सीयूईटी (यूजी) - 2026 में शामिल हो रहा है, उसके सभी पात्रता मानदंडों को पूरा करता है। प्रवेश इस शर्त पर निर्भर करता है कि उम्मीदवार संबंधित अध्ययन कार्यक्रम में आवेदन करने के लिए निर्धारित पात्रता मानदंडों को पूरा करता है। यदि कोई उम्मीदवार संबंधित कार्यक्रम में आवेदन

करने के लिए निर्धारित किसी भी पात्रता मानदंड को पूरा नहीं करता है और प्रवेश परीक्षा में शामिल होता है, तो यह उम्मीदवार के अपने जोखिम और लागत पर होगा। यदि किसी भी स्तर पर यह पाया जाता है कि पात्रता मानदंड पूरे नहीं किए गए हैं, तो प्रवेश, यदि दिया गया हो, तो स्वतः ही रद्द कर दिया जाएगा।

11. सीयूईटी (यूजी) - 2026 या आवश्यक भाषा, डोमेन विशिष्ट विषयों और/या सामान्य परीक्षा में अनुपस्थित रहने से संबंधित शिकायत पर विचार नहीं किया जाएगा।
12. सीयूईटी (यूजी) - 2026 के लिए पंजीकरण करने से पहले, उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे सूचना बुलेटिन (बीओआई) 2026-27 को ध्यानपूर्वक पढ़ें और दिल्ली विश्वविद्यालय अधिनियम, 1922 और संविधि का अवलोकन करें। विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध दिल्ली विश्वविद्यालय के अध्यादेश, नियम और विनियम उन पर बाध्यकारी होंगे।
13. सीयूईटी (यूजी) - 2026 फॉर्म भरते समय उम्मीदवारों को सावधानी बरतनी चाहिए क्योंकि कुछ फ़ील्ड जैसे नाम, हस्ताक्षर और फ़ोटोग्राफ़, बाद में दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा सीयूईटी (यूजी) - 2026 से स्वतः एकीकृत कर दिए जाएँगे। इन फ़ील्ड्स में कोई बदलाव नहीं किया जा सकेगा।

14. आरक्षण का दावा करने वाले उम्मीदवार का नाम, उनके संबंधित स्कूल बोर्ड योग्यता प्रमाणपत्रों और सीयूईटी (यूजी) - 2026 में दिए गए नाम से मेल खाना चाहिए। इसी प्रकार, माता-पिता के नाम भी प्रमाणपत्रों में मेल खाने चाहिए।
15. दिल्ली विश्वविद्यालय के अध्यादेश-I के अनुसार, विश्वविद्यालय और उसके कॉलेजों में स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए कोई न्यूनतम आयु सीमा नहीं है, सिवाय उन कार्यक्रमों के जहां संबंधित नियामक निकायों, जैसे कि भारतीय चिकित्सा परिषद (एमसीआई), अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई), बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई), राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई), भारतीय दंत चिकित्सा परिषद (डीसीआई), आदि ने अपने नियमों में न्यूनतम आयु आवश्यकता निर्धारित की है।
16. स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए गैप ईयर कोई बाधा नहीं होगी। हालाँकि, ऐसे उम्मीदवारों को शैक्षणिक वर्ष 2026-27 में प्रवेश के लिए सीयूईटी (यूजी) - 2026 में भी उपस्थित होना होगा।
17. जहां भी आवश्यक होगा, सीयूईटी (यूजी) - 2026 के अंकों में उचित अनुपात किया जाएगा (अतिरिक्त कोटा सहित)।

3.4. अस्वीकरण

- दिल्ली विश्वविद्यालय बिना किसी पूर्व सूचना के बुलेटिन के किसी भी भाग को संशोधित, संशोधित, अद्यतन या हटाने का अधिकार सुरक्षित रखता है। ऐसा कोई भी परिवर्तन यूजी प्रवेश वेबसाइट (admission.uod.ac.in) पर अद्यतन किया जाएगा और यह प्रवेश वेबसाइट पर पोस्ट किए जाने की तिथि से प्रभावी होगा।
- उम्मीदवारों को सीयूईटी (यूजी) - 2026 और प्रवेश संबंधी नीतियों से संबंधित अपडेट के लिए एनटीए और दिल्ली विश्वविद्यालय की वेबसाइटों और प्रवेश पोर्टलों को नियमित रूप से देखना आवश्यक है। इस बुलेटिन और वेबसाइट/वेबसाइटों को न देखने के कारण होने वाली शिकायतों पर विचार नहीं किया जाएगा।

- सूचना बुलेटिन, एनटीए और दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों, विभागों, केंद्रों, महाविद्यालयों, अन्य संस्थानों और संबंधित स्रोतों से एकत्रित और संकलित जानकारी का एक संग्रह है। जहाँ तक संभव हो, बुलेटिन में नियमों और विनियमों के प्रामाणिक, आधिकारिक संस्करण और अतिरिक्त प्रासंगिक जानकारी को पुनः प्रस्तुत करने का पूरा ध्यान रखा गया है। हालाँकि, इसे किसी भी स्थिति में, अब तक उपलब्ध कराई गई जानकारी की पूर्णता और सटीकता के संबंध में, एक स्पष्ट या निहित गारंटी के रूप में नहीं समझा जाना चाहिए।
- दिल्ली विश्वविद्यालय बुलेटिन में दी गई जानकारी के आधार पर की गई किसी भी कार्रवाई से किसी भी व्यक्ति को हुए किसी भी नुकसान या क्षति के लिए किसी भी प्रकार की ज़िम्मेदारी से इनकार करता है। बुलेटिन में कोई भी त्रुटि, यदि पाई जाती है, तो अनजाने में हुई चूक, लिपिकीय त्रुटि या किसी अन्य कारण से हो सकती है।
- प्रवेश के लिए किसी भी आवश्यकता का पालन न करने पर, निर्धारित तिथि और समय के भीतर संबंधित दस्तावेज़ जमा न करना और/या शुल्क का भुगतान न करना शामिल है। ऐसी स्थिति में, आवेदक प्रवेश का अपना अधिकार खो देंगे।
- यदि किसी भी स्तर पर, किसी अभ्यर्थी के प्रवेश संबंधी मूल दस्तावेज़ फर्जी/अवास्तविक, बनावटी या किसी अन्य प्रकार से दोषपूर्ण पाए जाते हैं, तो संबंधित अभ्यर्थी को प्रवेश नहीं दिया जाएगा और यदि प्रवेश हो चुका है, तो बिना किसी पूर्व सूचना के प्रवेश रद्द कर दिया जाएगा। ऐसे मामलों में कोई शुल्क वापस नहीं किया जाएगा। यदि पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद भी ऐसा पाया जाता है, तो अभ्यर्थी की डिग्री रद्द कर दी जाएगी और उसके विरुद्ध उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।
- दिल्ली विश्वविद्यालय सीयूईटी (यूजी) - 2026 से संबंधित प्रश्नपत्रों/संरचना/परीक्षा पद्धति/तिथियों/शिकायतों में किसी भी परिवर्तन/संशोधन के लिए उत्तरदायी नहीं होगा। दिल्ली विश्वविद्यालय बिना किसी पूर्व सूचना के किसी भी समय अपनी प्रवेश नीतियों और प्रक्रियाओं में परिवर्तन/संशोधन कर सकता है। नवीनतम और अद्यतन जानकारी दिल्ली विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.admission.uod.ac.in पर उपलब्ध होगी ।

- अंग्रेज़ी वर्शन और उसके हिंदी अनुवाद के बीच किसी भी तरह के अंतर या विसंगति की स्थिति में अंग्रेज़ी वर्शन ही मान्य होगा।

4. यूजी प्रवेश के लिए पात्रता आवश्यकताएँ

4.1. सामान्य न्यूनतम पात्रता

अभ्यर्थी को किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से बारहवीं कक्षा या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए।

न्यूनतम पात्रता निर्धारित करने के लिए, केवल एक बोर्ड की अंकतालिका/डिग्री पर ही विचार किया जाएगा। (उदाहरण के लिए, यदि कोई अभ्यर्थी गणित को छोड़कर पाँच विषयों के साथ सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में उपस्थित हुआ है और बाद में किसी अन्य बोर्ड, जैसे राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) से गणित में उत्तीर्ण होता है, तो न्यूनतम पात्रता केवल सीबीएसई द्वारा जारी उसकी अंकतालिका से ही निर्धारित की जाएगी।)

4.2. कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता

अभ्यर्थी को उन विषयों को चुनने के लिए कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता का उल्लेख करना होगा जिनमें उसे सीयूईटी (यूजी) – 2026 में उपस्थित होना चाहिए।

उम्मीदवारों के लिए सीयूईटी (यूजी) 2026 में उन विषयों में उपस्थित होना अनिवार्य है जिनमें वह कक्षा 12वीं में उपस्थित हो रहा है/उत्तीर्ण हो चुका है। कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता का पता लगाने के लिए और सीयूईटी विषय(विषयों) को कक्षा 12वीं के विषय(विषयों) के साथ मिलान करने के लिए, एक से अधिक मान्यता प्राप्त बोर्ड की मार्कशीट पर विचार किया जा सकता है, बशर्ते उम्मीदवार ने कक्षा 12वीं में उन विषयों में उत्तीर्णता प्राप्त की हो।

दिल्ली विश्वविद्यालय के स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए सीयूईटी (यूजी) 2026 में चुनी जाने वाली भाषाओं (सूची ए)और डोमेन विशिष्ट विषयों (सूची बी) की सूची निम्नलिखित तालिकाओं में दी गई है।

सूची ए: भाषाएँ				
असमिया	गुजराती	मलयालम	पंजाबी	तेलुगु
बंगाली	हिंदी	मराठी	संस्कृत	उर्दू
अंग्रेजी	कन्नड़	उड़िया	तमिल	

अभ्यर्थी को कम से कम एक भाषा में परीक्षा देनी होगी। अभ्यर्थी को उस भाषा में परीक्षा देनी होगी जो उसने कक्षा 12वी में पढ़ी है।

सूची बी: डोमेन विशिष्ट विषय			
1	लेखाशास्त्र	12	इतिहास
2	कृषि	13	गृह विज्ञान
3	मानव विज्ञान	14	भारत की ज्ञान परंपरा और व्यवहार
4	जीव विज्ञान / जैविक अध्ययन / जैव प्रौद्योगिकी / जैव रसायन विज्ञान	15	जनसंचार माध्यम / जनसंचार
5	व्यावसायिक अध्ययन	16	गणित / अनुप्रयुक्त गणित
6	रसायन विज्ञान	17	प्रदर्शन कलाएँ (नृत्य, नाटक, संगीत)
7	कंप्यूटर विज्ञान / सूचना विज्ञान अभ्यास	18	शारीरिक शिक्षा (योग, खेल)
8	अर्थशास्त्र / व्यावसायिक अर्थशास्त्र	19	भौतिकी
9	पर्यावरण अध्ययन / पर्यावरण विज्ञान	20	राजनीति विज्ञान
10	ललित कला / दृश्य कला (मूर्तिकला / चित्रकला) / वाणिज्यिक कलाएँ	21	मनोविज्ञान
11	भूगोल / भूविज्ञान	22	समाजशास्त्र

"अभ्यर्थी CUET (UG) – 2026 हेतु जिन डोमेन-विशिष्ट विषयों में सम्मिलित होना चाहता/चाहती है, उनका चयन संबंधित कार्यक्रम की विषय-विशिष्ट पात्रता के अनुसार ही करे।"

"दिल्ली विश्वविद्यालय के अनेक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए सामान्य अभिरुचि परीक्षा (General Aptitude Test) के अंक स्वीकार किए जाते हैं। विस्तृत जानकारी के लिए अभ्यर्थी संबंधित पाठ्यक्रम की कार्यक्रम-विशिष्ट पात्रता अवश्य देखें।"

5. कॉलेज द्वारा प्रस्तावित यूजी कार्यक्रम और पाठ्यक्रम

5.1. स्नातक कार्यक्रम और कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता

बी. कॉम. (ऑनस)

दिल्ली विश्वविद्यालय का बी.कॉम. (ऑनर्स) कार्यक्रम छात्रों को व्यवसाय से संबंधित समकालीन वास्तविकताओं का विश्लेषण और संश्लेषण करने हेतु ज्ञान, कौशल और क्षमताएँ प्राप्त करने में सक्षम और सशक्त बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह कार्यक्रम परिवर्तन और प्रतिस्पर्धा की लहरों के बीच मौजूदा व्यवसायों को बनाए रखने और टिकाऊ विकास के एक अत्यंत आवश्यक परिप्रेक्ष्य को प्रदान करता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को आज की व्यावसायिक वास्तविकताओं से निपटने के लिए वैचारिक समझ प्रदान करना और उन्हें भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करना है। यह छात्रों को विद्वानों और नीति निर्माताओं द्वारा परिकल्पित प्रासंगिक क्षेत्र में प्रौद्योगिकी और डिजिटलीकरण की दुनिया से भी परिचित कराता है। भारत सरकार के निर्देशानुसार, यह पाठ्यक्रम उद्यमशीलता की मानसिकता और कौशल विकसित करने में मदद करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता (बी. कॉम. (ऑनस))

उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना होगा:

संयोजन I: सूची ए से कोई एक भाषा + गणित/अनुप्रयुक्त गणित + सूची बी से कोई दो विषय

या

संयोजन II: सूची एसे कोई एक भाषा + लेखा/बहीखाता + सूची बी से कोई दो विषय

मेरिट उपरोक्त किसी भी विषय संयोजन से प्राप्त सर्वोत्तम सीयूईटी अंकों पर आधारित होगी।

बी.एससी. (ऑनर्स) कंप्यूटर साइंस

कंप्यूटर विज्ञान पाठ्यक्रम कंप्यूटर विज्ञान में सैद्धांतिक आधार विकसित करने का अवसर प्रदान करता है ताकि कम्प्यूटेशनल सोच, विश्लेषणात्मक और समस्या-समाधान कौशल का निर्माण किया जा सके। यह कार्यक्रम छात्रों को कंप्यूटर विज्ञान और इसके अनुप्रयोगों में उच्च अध्ययन के लिए तैयार करता है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य रचनात्मक मानसिकता वाले कुशल स्नातक तैयार करना है जो आईटी उद्योग या समाज में किसी भी कम्प्यूटेशनल समस्या को पहचान सकें और प्रभावी समाधान विकसित कर सकें। इसके अलावा, छात्र सॉफ्टवेयर उद्योग द्वारा उपयोग की जाने वाली समकालीन प्रोग्रामिंग भाषाओं का उपयोग करके प्रोग्रामिंग कौशल में विशेषज्ञता विकसित करते हैं। यह कंप्यूटर सिस्टम आर्किटेक्चर, डेटा संरचना, कंप्यूटर नेटवर्क, ऑपरेटिंग सिस्टम, कंप्यूटर ग्राफिक्स,

कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता (बी.एससी. (ऑनर्स) कंप्यूटर साइंस)

उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना होगा:

संयोजन I: सूची ए से कोई एक भाषा + गणित/अनुप्रयुक्त गणित + सूची बी से कोई दो विषय

या

संयोजन II: सूची ए से कोई दो भाषाएँ + गणित/अनुप्रयुक्त गणित + सूची बी से कोई एक विषय

मेरिट उपर्युक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त सीयूईटी अंकों के आधार पर होगी।

एल्गोरिदम, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, डेटाबेस प्रबंधन, कम्प्यूटेशन सिद्धांत, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और सूचना सुरक्षा जैसे मुख्य कंप्यूटर विज्ञान विषयों को कवर करता है।

बी.एससी. (ऑनर्स) इलेक्ट्रॉनिक्स

उम्मीदवारों के लिए सीयूईटी (यूजी) 2026 में उन विषयों में उपस्थित होना अनिवार्य है जिनमें वह कक्षा XII में उपस्थित हो रहा है/उत्तीर्ण हो चुका है। हाल के वर्षों में, इलेक्ट्रॉनिक विज्ञान ने नई तकनीकों, नए विचारों और सिद्धांतों में अभूतपूर्व वृद्धि की है। बी.एससी. (ऑनर्स) इलेक्ट्रॉनिक विज्ञान पाठ्यक्रम स्नातक छात्रों को उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स की बुनियादी बातों को समझने के लिए एक संपूर्ण पैकेज प्रदान करता है। वे उद्योग 4.0 मानकों के अनुकूल एक व्यापक कौशल सेट के साथ खुद को इलेक्ट्रॉनिक्स की बुनियादी बातों से लैस कर सकते हैं। विस्तृत पाठ्यक्रम उन्हें उच्च शिक्षा प्राप्त करने और नौकरी के बाजार में प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार करेगा। इस कार्यक्रम में एम्बेडेड सिस्टम, उन्नत कंप्यूटर और डेटा संचार, रोबोटिक्स, नियंत्रण प्रणाली, वीएलएसआई डिज़ाइन और निर्माण, नैनोइलेक्ट्रॉनिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और अन्य शामिल हैं।

कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता (बी.एससी. (ऑनर्स) इलेक्ट्रॉनिक्स)

उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना होगा:

संयोजन I: भौतिकी + गणित / अनुप्रयुक्त गणित + रसायन विज्ञान

या

संयोजन II: भौतिकी + गणित / अनुप्रयुक्त गणित + कंप्यूटर विज्ञान / सूचना विज्ञान अभ्यास

मेरिट उपर्युक्त विषयों के किसी भी संयोजन से प्राप्त सर्वोत्तम सीयूईटी स्कोर पर आधारित होगी।

उम्मीदवारों को सीयूईटी में सूची ए में से किसी एक भाषा में उपस्थित होना होगा।

बी.एससी. (ऑनर्स) गणित

बी.एससी. (ऑनर्स) गणित कार्यक्रम का उद्देश्य आलोचनात्मक, तार्किक और विश्लेषणात्मक रूप से सोचने की क्षमता विकसित करना है और इस प्रकार दैनिक जीवन में गणितीय तर्क का उपयोग करना है। गणित में डिग्री प्राप्त करने से छात्रों को शिक्षा, अनुसंधान, सरकारी क्षेत्र, व्यावसायिक क्षेत्र और उद्योग में कई गणित करियर की तैयारी में कई रोचक और मूल्यवान विचारों से परिचित कराया जाएगा। बी.एससी. (ऑनर्स) गणित कार्यक्रम गणित की पूरी श्रृंखला को कवर करता है, शास्त्रीय कैलकुलस से लेकर आधुनिक क्रिप्टोग्राफी, सूचना सिद्धांत और नेटवर्क सुरक्षा तक। यह कार्यक्रम विशेष रूप से गणित के लिए कैलकुलस, वास्तविक और जटिल विश्लेषण, अमूर्त बीजगणित, विभेदक समीकरण (गणितीय मॉडलिंग सहित), संख्या सिद्धांत, ग्राफ सिद्धांत और सी++ प्रोग्रामिंग की एक संरचित नींव रखता है।

कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता (बी.एससी. (ऑनर्स) गणित)

उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना होगा:

संयोजन I: सूची ए से कोई एक भाषा + गणित/अनुप्रयुक्त गणित + सूची बी से कोई दो विषय

या

संयोजन II: सूची ए से कोई दो भाषाएँ + गणित/अनुप्रयुक्त गणित + सूची बी से कोई एक विषय

मेरिट उपर्युक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त सीयूईटी स्कोर पर आधारित होगी।

बी.एससी. (प्रोग.) गणितीय विज्ञान

बी.एससी. (प्रोग.) गणितीय विज्ञान में एक सुव्यवस्थित गणितीय घटक छात्रों को निम्नलिखित के लिए सशक्त बनाता है: कैलकुलस, बीजगणित, ज्यामिति, विश्लेषण, संख्यात्मक विधियाँ, अवकल समीकरण, प्रायिकता और सांख्यिकी सहित महत्वपूर्ण गणितीय तकनीकों की एक विस्तृत श्रृंखला का उपयोग करके समस्याओं को हल करना, साथ ही सी ए एस और लेटेक के माध्यम से व्यावहारिक शिक्षा। कार्यक्रम का एक उद्देश्य भौतिक विज्ञान और रसायन विज्ञान के सिद्धांतों को, गणित द्वारा समर्थित, भौतिक जगत की मूलभूत अवधारणाओं का वर्णन करने और इन अवधारणाओं को नई स्थितियों में लागू करने के लिए संयोजित करना है। वैज्ञानिक समस्याओं को हल करने और प्रत्येक पेशे में नैतिक मुद्दों को पहचानने के लिए बहु-विषयक समूहों सहित अन्य लोगों के साथ सहयोग करना; तार्किक प्रश्न कथन और पैटर्न को पहचानना पाठ्यक्रम के अन्य मुख्य आकर्षण हैं।

कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता (बी.एससी. (प्रोग.) गणितीय विज्ञान)

उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना होगा:

संयोजन I: सूची ए से कोई एक भाषा + गणित / अनुप्रयुक्त गणित + सूची बी से कोई दो विषय

या

संयोजन II: सूची ए से कोई दो भाषाएँ + गणित / अनुप्रयुक्त गणित + सूची बी से कोई एक विषय

मेरिट उपर्युक्त विषयों के किसी भी संयोजन से प्राप्त सर्वोत्तम सीयूईटी स्कोर पर आधारित होगी।

प्रबंधन अध्ययन स्नातक (बीएमएस)

प्रबंधन अध्ययन स्नातक या बीएमएस प्रबंधन अध्ययन के लिए एक स्नातक कार्यक्रम है। यह पाठ्यक्रम छात्रों को विभिन्न संगठनों में प्रबंधकीय पदों को संभालने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल प्राप्त करने का अवसर प्रदान करता है। प्रबंधन अध्ययन कार्यक्रम छात्रों को प्रबंधन और रणनीति डिजाइनिंग के क्षेत्र में एक ठोस आधार प्रदान करता है। वैकल्पिक पाठ्यक्रम छात्रों को रुचि के विशिष्ट क्षेत्रों - वित्त, विपणन, मानव संसाधन प्रबंधन और वैश्विक व्यापार प्रबंधन - में गहन ज्ञान विकसित करने का अवसर प्रदान करते हैं। व्यवसाय प्रबंधन पाठ्यक्रम के अलावा, यह छात्रों को यह समझने में सक्षम बनाएगा कि संगठन कैसे काम करते हैं, उनका प्रबंधन कैसे किया जाता है और छात्रों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वातावरण के प्रति संवेदनशील बनाएगा। छात्र केंद्रित शिक्षण उन कौशलों और प्रथाओं पर केंद्रित है जो आजीवन सीखने और स्वतंत्र समस्या-समाधान को सक्षम बनाते हैं।.

कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता (प्रबंधन अध्ययन स्नातक (बीएमएस))

उम्मीदवारों को वनम्नवलवखत ववषय संयोजन मेंसीयूईटी मेंउपवस्थत होना होगा:

सूची ए में से कोई एक भाषा + गणित / अनुप्रयुक्त गणित + सूची बी से कोई एक विषय + सामान्य योग्यता परीक्षा

योग्यता उपर्युक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त सीयईूटी अंकों पर आधारित होगी।

बी.एससी. (प्रोग.) भौतिक विज्ञान विद कंप्यूटर साइंस

यह कार्यक्रम कंप्यूटर-आधारित प्रणाली को डिज़ाइन, कार्यान्वित और मूल्यांकन करने के कौशल प्रदान करता है और कंप्यूटर प्रणालियों, मूल सिद्धांतों और भौतिक विज्ञान से संबंधित उनके अनुप्रयोगों को समझकर कम्प्यूटेशनल समस्याओं को हल

करने के लिए कंप्यूटिंग के ज्ञान को लागू करता है। इसके अलावा, यह विभिन्न श्रोताओं के साथ प्रभावी ढंग से संवाद करने की क्षमता भी प्रदान करता है।

कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता (बी.एससी. (प्रोग.) भौतिक विज्ञान विद कंप्यूटर साइंस)

उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना होगा:

संयोजन I: भौतिकी + गणित / अनुप्रयुक्त गणित + रसायन विज्ञान

या

संयोजन II: भौतिकी + गणित / अनुप्रयुक्त गणित + कंप्यूटर विज्ञान / सूचना विज्ञान अभ्यास

मेरिट उपर्युक्त विषयों के किसी भी संयोजन से प्राप्त सर्वोत्तम सीयूईटी स्कोर पर आधारित होगी।

उम्मीदवारों को सीयूईटी में सूची ए में से किसी एक भाषा में उपस्थित होना होगा।

बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिकी

भौतिकी एक प्रायोगिक और सैद्धांतिक विज्ञान है जो उप-परमाणु क्षेत्रों से लेकर संपूर्ण ब्रह्मांड तक, प्रकृति के नियमों का व्यवस्थित रूप से अध्ययन करता है। बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिकी कार्यक्रम के अनुशासनात्मक/विषय क्षेत्र के अंतर्गत अध्ययन के मुख्य क्षेत्र हैं: शास्त्रीय और क्वांटम यांत्रिकी, विद्युत और चुंबकत्व, तापीय और सांख्यिकीय भौतिकी, तरंग सिद्धांत और प्रकाशिकी, पदार्थों का भौतिकी, डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक्स, और गणितीय भौतिकी की विशिष्ट विधियाँ और विषय की विभिन्न शाखाओं में उनके अनुप्रयोग। सैद्धांतिक पाठ्यक्रम के साथ-साथ, छात्र भौतिकी की विभिन्न शाखाओं के लिए भौतिकी प्रयोगशाला विधियाँ, विशिष्ट मापन तकनीकें, त्रुटि अनुमान सहित अवलोकन संबंधी आंकड़ों का विश्लेषण और वैज्ञानिक रिपोर्ट लेखन भी सीखते हैं। भौतिकी शिक्षाशास्त्र में नवीनतम विषय कम्प्यूटेशनल भौतिकी है, जिसमें एल्गोरिथम समाधानों के लिए भौतिकी की समस्याओं को अनुकूलित करना और भौतिक घटनाओं का मॉडलिंग और अनुकरण शामिल है।

कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता (बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिकी)

उम्मीदवारों को निम्नलिखित विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना होगा:

भौतिकी + रसायन विज्ञान + गणित / अनुप्रयुक्त गणित

मेरिट उपर्युक्त विषयों के संयोजन से प्राप्त सीयूईटी अंकों पर आधारित होगी।

उम्मीदवारों को सीयूईटी में सूची ए में से किसी एक भाषा में उपस्थित होना होगा।

बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान

इस कार्यक्रम के माध्यम से, छात्रों को मनोविज्ञान के ऐतिहासिक प्रभावों को एक शिष्य के रूप में समझने और सीखने का अवसर मिलता है। पाठ्यक्रम विषयवस्तु में तेज़ी से हो रहे बदलावों पर ध्यान केंद्रित करता है। मनोविज्ञान का पाठ्यक्रम और शिक्षणशास्त्र मनोविज्ञान में ज्ञान, अनुप्रयोग और शोध की संभावनाओं में प्रगति के प्रति संवेदनशील है। मनोविज्ञान में स्नातक

कार्यक्रम विशिष्ट पात्रता (बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान)

उम्मीदवारों को निम्नलिखित में से किसी भी विषय संयोजन में सीयूईटी में उपस्थित होना होगा:

संयोजन I: सूची ए से कोई एक भाषा + सूची बी से कोई तीन विषय

या

संयोजन II: सूची ए से कोई दो भाषाएँ + सूची बी से कोई दो विषय

मेरिट उपर्युक्त किसी भी विषय संयोजन से प्राप्त सर्वोत्तम सीयूईटी स्कोर पर आधारित होगी।

पाठ्यक्रम इस विषय के विविध क्षेत्रों को छूता है, जिनमें जैव मनोविज्ञान, संज्ञानात्मक मनोविज्ञान, मनोविज्ञान का इतिहास, शोध विधियाँ, सामाजिक मनोविज्ञान, औद्योगिक/संगठनात्मक मनोविज्ञान, परामर्श मनोविज्ञान, स्वास्थ्य मनोविज्ञान और अन्य शामिल हैं

5.2. चार वर्षीय स्नातक डिग्री कार्यक्रमों में प्रवेश

प्रस्तावित कार्यक्रम (यूजी - योग्यता आधारित)	कुल	यूआर	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	ईडब्ल्यूएस
बी.कॉम (ऑनर्स)	192	77	29	15	52	19
बी.एससी. (ऑनर्स) कंप्यूटर साइंस	115	46	17	9	31	12
बी.एससी. (ऑनर्स) इलेक्ट्रॉनिक्स	40	16	6	3	11	4
बी.एससी. (ऑनर्स) गणित	59	24	9	4	16	6
बी.एस.सी. (प्रोग.) गणितीय विज्ञान	59	24	9	4	16	6
बी.एस.सी. (प्रोग.) भौतिक विज्ञान विद कंप्यूटर साइंस	59	24	9	4	16	6
बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिकी	40	16	6	3	11	4
बीए (ऑनर्स) मनोविज्ञान	40	16	6	3	11	4
प्रबंधन अध्ययन स्नातक (बीएमएस)	59	24	9	4	16	6

5.3. विदेशी भाषाओं में एक वर्षीय सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम में प्रवेश

पाठ्यक्रम का नाम	सीटों की संख्या	प्रवेश मानदंड
जर्मन भाषा में सर्टिफिकेट कोर्स	50	पिछली परीक्षा (बारहवीं/स्नातक/स्नातकोत्तर) में प्राप्त कुल अंकों के आधार पर। प्रत्येक श्रेणी में न्यूनतम कुल 45% अंक आवश्यक हैं। संबंधित श्रेणियों में प्रत्येक श्रेणी में योग्यता के क्रम में सख्ती से प्रवेश दिया जाएगा।
फ्रेंच भाषा में सर्टिफिकेट कोर्स	50	

5.4. विदेशी भाषाओं में एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रवेश

पाठ्यक्रम का नाम	सीटों की संख्या	प्रवेश मानदंड
जर्मन भाषा में डिप्लोमा कोर्स	25	जिन उम्मीदवारों ने संबंधित भाषा में दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रमाणपत्र परीक्षा या उसके समकक्ष मान्यता प्राप्त परीक्षा उत्तीर्ण की है, वे संबंधित भाषा में डिप्लोमा कोर्स में प्रवेश के लिए आवेदन करने के पात्र हैं। संबंधित प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम परीक्षा की योग्यता के आधार पर ही प्रवेश दिया जाएगा। जिन उम्मीदवारों ने प्रवेश के वर्ष से एक वर्ष पहले किसी अन्य संस्थान से भाषा में अपना प्रमाणपत्र प्राप्त किया है, उन्हें कॉलेज द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा में शामिल होना होगा।
फ्रेंच भाषा में डिप्लोमा कोर्स	25	

5.5. ईसीए सीटों का वितरण

वर्ग	उप-श्रेणी कोड	उप-श्रेणी	सीटों की संख्या
नृत्य	2a	भारतीय शास्त्रीय	2
	2c	वेस्टर्न	1
बहस	3a	वाद-विवाद (हिंदी)	2
	3b	वाद-विवाद (अंग्रेजी)	1
ललित कला	5a	स्केचिंग और पेंटिंग	1
संगीत (गायन)	6a	भारतीय (शास्त्रीय और हल्का)	2
	6b	पश्चिमी (शास्त्रीय और हल्का)	1
संगीत (वाद्य: भारतीय)	7a	तबला	1
	7f	हरमोनियम बाजा	1
योग	14	योग	2
कुल			**14**

5.6. खेल सीटों का वितरण

खेल का नाम	पुरुषों के लिए सीटें	महिलाओं के लिए सीटें	कुल
एथलेटिक्स	3	3	6
बास्केटबॉल	0	2	2
वॉलीबॉल	3	2	5
हैंडबॉल	2	2	4
ताइक्वांडो	1	1	2
कुल	**9**	**10**	**19**

6. शुल्क संरचना

6.1. कार्यक्रमों और पाठ्यक्रमों के लिए समेकित शुल्क

कार्यक्रम/पाठ्यक्रम का नाम	यूआर एवं अन्य *	पी डब्ल्यू बी डी	एससी / एसटी	अनाथ कोटा
बी.एस.सी. (ऑनर्स) कंप्यूटर साइंस	29450	350	29270	10
बी.कॉम. (ऑनर्स)	14630	350	14450	10
बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिकी	14630	350	14450	10
बी.एससी. (ऑनर्स) इलेक्ट्रॉनिक्स	14630	350	14450	10
बी.एससी. (ऑनर्स) गणित	14630	350	14450	10
बीए (ऑनर्स) मनोविज्ञान	14630	350	14450	10
प्रबंधन अध्ययन स्नातक (बीएमएस)	20030	350	19850	10
बी.एस.सी. (प्रोग.) गणितीय विज्ञान	14630	350	14450	10
बी.एस.सी. (प्रोग.) भौतिक विज्ञान विद कंप्यूटर साइंस	14630	350	14450	10
फ्रेंच/जर्मन भाषा में सर्टिफिकेट कोर्स	7200	केएमवी छात्रों के लिए		
	9200	बाहरी छात्रों के लिए		
फ्रेंच/जर्मन भाषा में डिप्लोमा कोर्स	12000	सभी छात्रों के लिए		

* ओबीसी, ईडब्ल्यूएस, सीडब्ल्यू, कश्मीरी प्रवासी, खेल और ईसीए।

6.2. घटक-वार शुल्क संरचना

(परीक्षा शुल्क अतिरिक्त, बाद में भुगतान करना होगा)

क्रम सं.	विवरण	बीएससी (ऑनर्स) कंप्यूटर साइंस	बी.कॉम (ऑनर्स)	बीएससी (ऑनर्स) भौतिकी	बी.एससी. (ऑनर्स) इलेक्ट्रॉनिक्स	बी.एससी. (ऑनर्स) गणित	बी.ए. (ऑनर्स) मनोविज्ञान	बीएमएस	बी.एससी. (प्रोग.) गणितीय	बी.एससी. (प्रोग.) भौतिक विज्ञान विद कंप्यूटर
1	ट्युशन शुल्क	180	180	180	180	180	180	180	180	180
2	विश्वविद्यालय छात्र कल्याण कोष	300	300	300	300	300	300	300	300	300
3	कॉलेज छात्र कल्याण कोष	6400	6400	6400	6400	6400	6400	11800	6400	6400
4	विश्वविद्यालय विकास निधि	1750	1750	1750	1750	1750	1750	1750	1750	1750
5	कॉलेज विकास निधि	2200	2200	2200	2200	2200	2200	2200	2200	2200
6	विश्वविद्यालय सुविधाएं और सेवा शुल्क	1750	1750	1750	1750	1750	1750	1750	1750	1750
7	कॉलेज सुविधाएं और सेवा शुल्क	16530	1710	1710	1710	1710	1710	1710	1710	1710
8	ईडब्ल्यूएस सहायता विश्वविद्यालय निधि	300	300	300	300	300	300	300	300	300
9	डीयूएसयू	40	40	40	40	40	40	40	40	40
	कुल	**29450**	**14630**	**14630**	**14630**	**14630**	**14630**	**20030**	**14630**	**14630**

नोट: प्रवेश शुल्क का सफलतापूर्वक भुगतान होने पर अभ्यर्थी को अनंतिम रूप से प्रवेश दिया जाएगा। प्रवेश शुल्क का भुगतान केवल अभ्यर्थी के डैशबोर्ड के माध्यम से ही किया जाना चाहिए। यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रवेश शुल्क का सफलतापूर्वक भुगतान नहीं किया जाता है, तो किसी भी परिस्थिति में प्रवेश पूर्ण नहीं माना जाएगा। सभी भुगतानों के लिए, अभ्यर्थी इनमें से किसी भी भुगतान माध्यम का उपयोग कर सकते हैं: नेट बैंकिंग / डेबिट कार्ड / क्रेडिट कार्ड / यूपीआई। महाविद्यालय में सभी संबंधित दस्तावेजों के भौतिक सत्यापन के बाद ही प्रवेश की पुष्टि की जाएगी।

7. प्रवेश वापसी के मामले में शुल्क वापसी नीति

दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा जारी अधिसूचना संख्या Acad. I/Refund of fee/2026-27/309, दिनांक 01-06-2026 में प्रवेश और निकासी के लिए अनिवार्य शुल्क वापसी नियमों का उल्लेख किया गया है। प्रवेश रद्द करने और निकासी के लिए दिशानिर्देश इस प्रकार हैं:-

• 100% वापसी: यदि कोई छात्र विश्वविद्यालय द्वारा अधिसूचित प्रवेश की अंतिम तिथि तक या उससे पहले अपना प्रवेश वापस लेता है, तो यह लागू होगा।

• 50% वापसी: यदि कोई छात्र विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित प्रवेश की अंतिम तिथि के 30 दिनों के भीतर अपना प्रवेश वापस लेने का विकल्प चुनता है, तो यह लागू होगा।

• कोई वापसी नहीं: प्रवेश की अंतिम तिथि के 30 दिनों से अधिक समय बाद अनुरोधित किसी भी निकासी के परिणामस्वरूप कोई शुल्क वापसी नहीं होगी।

विवरण के लिए, उपर्युक्त अधिसूचना https://www.du.ac.in/uploads/2026/01062026-notice-fee-refund.pdf पर देखी जा सकती है।

8. आरक्षण नीति

8.1 अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) उम्मीदवारों के लिए सीटों का आरक्षण

स्नातक पाठ्यक्रम में अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के तहत प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को सीयूईटी (यूजी) - 2026 में उपस्थित होना होगा।

कुल सीटों का 22.5% अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है (अनुसूचित जाति के लिए 15% और अनुसूचित जनजाति के लिए 7.5%, यदि आवश्यक हो तो अदला-बदली की जा सकती है)।

पंजीकरण और प्रवेश के समय अभ्यर्थी के पास अपने नाम का जाति/जनजाति प्रमाण पत्र होना चाहिए। जाति प्रमाण पत्र में स्पष्ट रूप से लिखा होना चाहिए:

i. उसकी जाति/जनजाति का नाम
ii. क्या उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति से संबंधित है
iii. अभ्यर्थी के सामान्य निवास स्थान का जिला और राज्य या संघ राज्य क्षेत्र, और
iv. भारत सरकार की उपयुक्त अनुसूची जिसके अंतर्गत उसकी जाति/जनजाति को अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के रूप में अनुमोदित किया गया है।

अभ्यर्थी को प्रवेश के समय मूल वैध एससी या एसटी प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।

निम्नलिखित को अपेक्षित एससी/एसटी प्रमाण पत्र जारी करने का अधिकार है:

i. जिला मजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट/कलेक्टर/उपायुक्त/अतिरिक्त उपायुक्त/उप कलेक्टर/प्रथम श्रेणी वेतनभोगी मजिस्ट्रेट/नगर मजिस्ट्रेट/उप-विभागीय मजिस्ट्रेट/तालुका मजिस्ट्रेट/कार्यकारी मजिस्ट्रेट/अतिरिक्त

सहायक आयुक्त। जिला मजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट/कलेक्टर/उपायुक्त/अतिरिक्त उपायुक्त/उप कलेक्टर/प्रथम श्रेणी वेतनभोगी मजिस्ट्रेट/नगर मजिस्ट्रेट/उप-विभागीय मजिस्ट्रेट/तालुका मजिस्ट्रेट/कार्यकारी मजिस्ट्रेट/अतिरिक्त सहायक आयुक्त।

ii. मुख्य प्रेसीडेंसी मजिस्ट्रेट / अतिरिक्त मुख्य प्रेसीडेंसी मजिस्ट्रेट / प्रेसीडेंसी मजिस्ट्रेट

iii. राजस्व अधिकारी जो तहसीलदार के पद से नीचे का न हो।

iv. उस क्षेत्र का उप-विभागीय अधिकारी जहां अभ्यर्थी और/या उसका परिवार सामान्यतः रहता है।

v. प्रशासक/प्रशासक के सचिव/विकास अधिकारी (लक्षद्वीप द्वीप समूह)।

अभ्यर्थी ध्यान दें कि किसी अन्य व्यक्ति/प्राधिकारी से प्राप्त अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति प्रमाण पत्र किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। यदि अभ्यर्थी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति से संबंधित है, तो अभ्यर्थी की जाति/जनजाति भारत सरकार की उपयुक्त अनुसूची में सूचीबद्ध होनी चाहिए।

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित सभी सीटों को भरना महाविद्यालय का वैधानिक दायित्व है।

महाविद्यालय किसी भी अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थी को शिक्षण माध्यम के आधार पर प्रवेश देने से मना नहीं करेंगे। किसी भी भाषा विशेष के ज्ञान में किसी भी प्रकार की कमी को दूर किया जाना चाहिए; इस प्रयोजन के लिए , महाविद्यालय द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से प्राप्त अनुदान का उपयोग करके उपचारात्मक कक्षाओं की व्यवस्था की जा सकती है।

8.2 अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी-नॉन क्रीमी लेयर, केंद्रीय सूची) के लिए सीटों का आरक्षण

स्नातक पाठ्यक्रम में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी- नॉन क्रीमी लेयर) के अंतर्गत प्रवेश लेने के इच्छुक अभ्यर्थियों को सीयूईटी (यूजी)-2026 में शामिल होना होगा।

27% सीटें अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी-नॉन-क्रीमी लेयर, केंद्रीय सूची) के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं।

ओबीसी उम्मीदवार को प्रवेश देते समय, कॉलेज यह सुनिश्चित करेगा कि जाति ओबीसी की केंद्रीय सूची में शामिल है (ओबीसी की स्थिति राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की सिफारिशों पर सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा अधिसूचित ओबीसी की केंद्रीय (भारत सरकार) सूची के आधार पर निर्धारित की जाएगी (वेबसाइट http://ncbc.nic.in/backward classes/index.html पर उपलब्ध है।)

पंजीकरण और प्रवेश के समय उम्मीदवार के पास अपने नाम से ओबीसी-एनसीएल प्रमाणपत्र होना अनिवार्य है। प्रमाणपत्र में उम्मीदवार की नॉन-क्रीमी लेयर स्थिति का उल्लेख होना चाहिए (डीओपीटी कार्यालय ज्ञापन संख्या 36012/22/93- स्थापना (एससीटी) दिनांक 15.11.1993 में उल्लिखित प्राधिकारी द्वारा जारी नॉन-क्रीमी लेयर स्थिति)।

केवल वे ओबीसी उम्मीदवार जो 'नॉन-क्रीमी लेयर' श्रेणी से संबंधित हैं और **जिनकी जाति ओबीसी की केंद्रीय सूची में शामिल है**, ओबीसी श्रेणी के तहत प्रवेश के लिए पात्र होंगे (उम्मीदवारों की 'नॉन-क्रीमी लेयर' स्थिति के संबंध में ओबीसी प्रमाणपत्र की वैधता अवधि डीओपीटी कार्यालय ज्ञापन संख्या 36036/2/2013- स्थापना (संकल्प- I) दिनांक 31 मार्च, 2016 के अनुसार है)। नॉन-क्रीमी लेयर (एनसीएल) प्रमाणपत्र 31 मार्च, 2026 के बाद जारी किया जाना चाहिए।

ओबीसी-एनसीएल उम्मीदवारों के लिए आरक्षित सभी सीटों को भरना कॉलेजों की ओर से एक वैधानिक दायित्व है।

8.3 आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए आरक्षण नीति

स्नातक पाठ्यक्रम में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के तहत प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को सीयूईटी (यूजी) - 2026 में उपस्थित होना होगा।

दिल्ली विश्वविद्यालय की अधिसूचनाओं (संदर्भ संख्या Aca. I/Reservation of EWSs/2019/63 दिनांक 28 मार्च, 2019 और संदर्भ संख्या Aca. I / Reservation of EWSs/ 2019 /101 दिनांक 15 मई, 2019) के अनुसार, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) श्रेणी के लिए आरक्षण हेतु, विश्वविद्यालय के विभागों/केंद्रों/कॉलेजों ने EWS श्रेणी के उम्मीदवारों के प्रवेश हेतु 10% सीटें आरक्षित की हैं।

पंजीकरण और प्रवेश के समय उम्मीदवार के पास अपने नाम से जारी किया गया ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्र होना अनिवार्य है। ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्र 31 मार्च, 2026 के बाद जारी किया गया होना चाहिए।

8.4. अतिरिक्त सीटों पर प्रवेश

सभी अतिरिक्त सीटों पर प्रवेश सीयूईटी (यूजी) - 2026 के माध्यम से होगा। अतिरिक्त सीटों पर प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को सीयूईटी (यूजी) - 2026 में उपस्थित होना होगा।

दिल्ली विश्वविद्यालय अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम में एडमिशन के लिए निम्नलिखित सुपरन्यूमेरेरी सीटें ऑफ़र करता है:

पिडब्ल्यूबीड़ी	बेंचमार्क विकलांगता वाले व्यक्ति
सी डब्ल्यू	अर्धसैनिक बलों सहित सशस्त्र बलों के कार्मिकों के बच्चे/ विधवाएँ
ईसीए	पाठ्येतर गतिविधियाँ और खेलकूद
केएम	कश्मीरी प्रवासी
पीएमएसएस	प्रधानमंत्री विशेष छात्रवृत्ति
एसजीसी	एकल बालिका
डब्ल्यू क्यू	दिल्ली विश्वविद्यालय के कर्मचारियों का वार्ड कोटा
ओक्यू	अनाथ कोटा

बेंचमार्क विकलांगता वाले व्यक्ति (पिडब्ल्यूबीड़ी)

बेंचमार्क विकलांग व्यक्तियों (पीडब्ल्यूबी) कोटा के तहत स्नातक कार्यक्रम में प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को सीयूईटी (यूजी) - 2026 में उपस्थित होना होगा।

प्रत्येक कार्यक्रम में कुल स्वीकृत क्षमता का पांच प्रतिशत (5%) दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए आरक्षित है।

पीडब्ल्यूबीडी कोटा के तहत प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों के लिए अलग से आवंटन परिणाम घोषित किया जाएगा।

दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग (पिडब्ल्यूबीड़ी) प्रमाणपत्र के प्रारूप के लिए , प्रवेश वेबसाइट www.admission.uod.ac.in देखें। 01.06.2021 के बाद जारी किए गए दिव्यांगता प्रमाणपत्र दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा जारी राजपत्र अधिसूचना संख्या 1736 (ई) दिनांक 05.05.2021 के अनुसार होने चाहिए और यू डी आई डी पोर्टल के माध्यम से आवेदन किए जाने चाहिए। हालाँकि, 01.06.2021 से पहले जारी किए गए दिव्यांगता प्रमाणपत्रों पर दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग और दिल्ली विश्वविद्यालय के अन्य मौजूदा लागू नियमों और अधिसूचनाओं के अनुसार विचार किया जाएगा।

दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के अनुसार, 'बेंचमार्क दिव्यांगता वाले व्यक्ति' से तात्पर्य ऐसे व्यक्ति से है जिसकी निर्दिष्ट दिव्यांगता चालीस प्रतिशत (40%) से कम न हो, जहाँ निर्दिष्ट दिव्यांगता को मापने योग्य शब्दों में परिभाषित नहीं किया गया है और इसमें ऐसे दिव्यांग व्यक्ति भी शामिल हैं जहाँ निर्दिष्ट दिव्यांगता को मापने योग्य शब्दों में परिभाषित किया गया है, जैसा कि प्रमाणन प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित किया गया है।' गौरतलब है कि पूर्ववर्ती दिव्यांगजन (समान अवसर, अधिकारों का संरक्षण और पूर्ण भागीदारी) अधिनियम, 1995 (1996 का संख्या 1), जिसके तहत पहले दिव्यांगजनों के लिए प्रवेश में आरक्षण प्रदान किया जाता था, अब निरस्त कर दिया गया है।

दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 की अनुसूची में उल्लिखित दिव्यांगता की निम्नलिखित निर्दिष्ट श्रेणियों में से किसी के अंतर्गत आने वाले बेंचमार्क दिव्यांगता वाले व्यक्ति [उक्त अधिनियम की धारा 2 के खंड (जेडसी) देखें] उक्त आरक्षण का लाभ पाने के लिए पात्र हैं।

ए. लोकोमोटर विकलांगता

गति-संचालन संबंधी विकलांगता (किसी व्यक्ति की स्वयं और वस्तुओं की गति से संबंधित विशिष्ट गतिविधियों को निष्पादित करने में असमर्थता, जो मस्कुलोस्केलेटल या तंत्रिका तंत्र या दोनों के विकार के परिणामस्वरूप होती है), जिसमें शामिल हैं-

1. "**कुष्ठ रोग से ठीक हुआ व्यक्ति**" का अर्थ है वह व्यक्ति जो कुष्ठ रोग से ठीक हो गया है, लेकिन निम्न से पीड़ित है—
   i. हाथों या पैरों में संवेदना की हानि के साथ-साथ आंख और पलक में संवेदना की हानि और पक्षाघात लेकिन विकृति का कोई प्रकटीकरण नहीं;
   ii. प्रकट विकृति और पक्षाघात लेकिन उनके हाथों और पैरों में पर्याप्त गतिशीलता है जिससे वे सामान्य आर्थिक गतिविधि में संलग्न हो सकें;
   iii. अत्यधिक शारीरिक विकृति और साथ ही अधिक आयु जो उसे कोई लाभकारी व्यवसाय करने से रोकती है, और "कुष्ठ रोग ठीक हो गया" अभिव्यक्ति को तदनुसार समझा जाएगा;
2. "**सेरेब्रल पाल्सी**" से तात्पर्य जन्म से पहले, जन्म के दौरान या जन्म के तुरंत बाद शरीर की गतिविधियों को प्रभावित करने वाली गैर-प्रगतिशील तंत्रिका संबंधी स्थितियों के समूह से है;
3. "**बौनापन**" का अर्थ है एक चिकित्सीय या आनुवंशिक स्थिति जिसके परिणामस्वरूप वयस्क की ऊंचाई 4 फीट 10 इंच (147 सेंटीमीटर) या उससे कम होती है;

4. "**मस्कुलर डिस्ट्रॉफी**" वंशानुगत आनुवंशिक मांसपेशी रोगों का एक समूह है जो मानव शरीर को गतिमान करने वाली मांसपेशियों को कमज़ोर कर देता है। मल्टीपल डिस्ट्रॉफी से पीड़ित व्यक्तियों के जीन में गलत और अनुपस्थित जानकारी होती है, जो उन्हें स्वस्थ मांसपेशियों के लिए आवश्यक प्रोटीन बनाने से रोकती है। इसकी विशेषताएँ कंकाल की मांसपेशियों की उत्तरोत्तर कमज़ोरी, मांसपेशी प्रोटीन में दोष और मांसपेशी कोशिकाओं और ऊतकों की मृत्यु हैं;
5. "**एसिड अटैक पीड़ित**" से तात्पर्य एसिड या इसी तरह के संक्षारक पदार्थ फेंकने से हिंसक हमले के कारण विकृत हुए व्यक्ति से है।

बी. दृश्य हानि

6. "अंधापन" का अर्थ ऐसी स्थिति है जिसमें किसी व्यक्ति में सर्वोत्तम सुधार के बाद निम्नलिखित में से कोई भी स्थिति हो
   i. दृष्टि की पूर्ण अनुपस्थिति; या
   ii. सर्वोत्तम संभव सुधार के साथ बेहतर आँख में दृश्य तीक्ष्णता 3/60 से कम या 10/200 (स्नेलन) से कम; या
   iii. दृष्टि क्षेत्र की सीमा 10 डिग्री से कम का कोण बनाती है।
7. "कम दृष्टि" से तात्पर्य ऐसी स्थिति से है जिसमें व्यक्ति में निम्नलिखित में से कोई भी स्थिति हो, अर्थात्:
   i. दृश्य तीक्ष्णता 6/18 से अधिक नहीं या 20/60 से कम नहीं, 3/60 तक या 10/200 (स्नेलन) तक, बेहतर आँख में, सर्वोत्तम संभव सुधार के साथ; या
   ii. दृष्टि क्षेत्र की सीमा 40 डिग्री से कम के कोण तक सीमित होना 10 डिग्री तक .

सी. श्रवण दोष

i. "बधिर" का अर्थ है ऐसे व्यक्ति जिनके दोनों कानों में वाक् आवृत्तियों में 70 डीबी श्रवण हानि हो;
ii. "सुनने में कठिनाई" का अर्थ है वह व्यक्ति जिसके दोनों कानों में वाक् आवृत्तियों में 60 डीबी से 70 डीबी तक सुनने की क्षमता में कमी हो;
iii. "भाषण एवं भाषा विकलांगता" का अर्थ है स्वरयंत्र उच्छेदन या वाचाघात जैसी स्थितियों से उत्पन्न स्थायी विकलांगता, जो जैविक या तंत्रिका संबंधी कारणों से भाषण और भाषा के एक या अधिक घटकों को प्रभावित करती है।

डी. बौद्धिक अक्षमता

एक ऐसी स्थिति जिसमें बौद्धिक कार्यप्रणाली (तर्क, सीखना, समस्या समाधान) और अनुकूली व्यवहार दोनों में महत्वपूर्ण सीमाएं होती हैं, जो दैनिक, सामाजिक और व्यावहारिक कौशल की एक श्रृंखला को कवर करती है, जिसमें शामिल हैं—

8. "विशिष्ट अधिगम विकलांगता" का अर्थ है स्थितियों का एक विषम समूह जिसमें बोली जाने वाली या लिखित भाषा के प्रसंस्करण में कमी होती है, जो समझने, बोलने, पढ़ने, लिखने, वर्तनी या गणितीय गणना करने में कठिनाई के रूप में प्रकट हो सकती है और इसमें अवधारणात्मक विकलांगता, डिस्लेक्सिया, डिस्ग्राफिया, डिस्कैलकुलिया, डिस्प्रेक्सिया और विकासात्मक वाचाघात जैसी स्थितियां शामिल हैं;
9. "ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार" का अर्थ एक न्यूरो-विकासात्मक स्थिति है जो आमतौर पर जीवन के पहले तीन वर्षों में दिखाई देती है, जो किसी व्यक्ति की संवाद करने, रिश्तों को समझने और दूसरों से जुड़ने की क्षमता को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करती है, और अक्सर असामान्य या रूढ़िवादी अनुष्ठानों या व्यवहारों से जुड़ी होती है।

ई. मानसिक व्यवहार

"मानसिक बीमारी" का अर्थ है सोच, मनोदशा, धारणा, अभिविन्यास या स्मृति का एक बड़ा विकार जो निर्णय, व्यवहार, वास्तविकता को पहचानने की क्षमता या जीवन की सामान्य मांगों को पूरा करने की क्षमता को बुरी तरह से क्षीण कर देता है, लेकिन

इसमें मंदबुद्धि शामिल नहीं है जो किसी व्यक्ति के दिमाग के अवरुद्ध या अपूर्ण विकास की स्थिति है, जो विशेष रूप से बुद्धि की असामान्यता से चिह्नित है।

एफ. क्रोनिक न्यूरोलॉजिकल स्थितियों के कारण होने वाली विकलांगता , *जैसे* -

10. "**मल्टीपल स्क्लेरोसिस**" का अर्थ है एक सूजन, तंत्रिका तंत्र रोग जिसमें मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी के तंत्रिका कोशिकाओं के अक्षतंतुओं के चारों ओर माइलिन आवरण क्षतिग्रस्त हो जाते हैं, जिससे डिमाइलिनेशन होता है और मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी में तंत्रिका कोशिकाओं की एक दूसरे के साथ संवाद करने की क्षमता प्रभावित होती है;
11. "**पार्किंसंस रोग**" का अर्थ तंत्रिका तंत्र का एक प्रगतिशील रोग है, जो कंपन, मांसपेशियों में कठोरता और धीमी, अनिश्चित गति से चिह्नित होता है, जो मुख्य रूप से मध्यम आयु वर्ग और बुजुर्ग लोगों को प्रभावित करता है, जो मस्तिष्क के बेसल गैन्लिया के अध:पतन और न्यूरोट्रांसमीटर डोपामाइन की कमी से जुड़ा होता है।

जी. रक्त विकार

12. "**हीमोफीलिया**" का अर्थ एक वंशानुगत रोग है, जो आमतौर पर केवल पुरुषों को प्रभावित करता है, लेकिन महिलाओं द्वारा उनके पुरुष बच्चों में फैलता है, जिसमें रक्त के सामान्य थक्के जमने की क्षमता में कमी या हानि होती है, जिससे मामूली घाव से भी घातक रक्तस्राव हो सकता है।
13. "**थैलेसीमिया**" का अर्थ आनुवंशिक विकारों का एक समूह है, जिसमें हीमोग्लोबिन की मात्रा कम या अनुपस्थित होती है।
14. "**सिकल सेल रोग**" का अर्थ है एक रक्तसंलायी विकार, जिसमें दीर्घकालिक रक्ताल्पता, दर्दनाक घटनाएं, तथा संबंधित ऊतकों और अंगों की क्षति के कारण विभिन्न जटिलताएं होती हैं; "रक्तसंलायी" का अर्थ है लाल रक्त कोशिकाओं की कोशिका झिल्ली का विनाश, जिसके परिणामस्वरूप हीमोग्लोबिन का स्राव होता है।

एच. बहु विकलांगताएं (उपर्युक्त निर्दिष्ट विकलांगताओं में से एक से अधिक)

बधिर-अंधता सहित बहु-विकलांगता, जिसका अर्थ है एक ऐसी स्थिति जिसमें व्यक्ति में श्रवण और दृश्य विकलांगता का संयोजन हो सकता है, जिसके कारण गंभीर संचार, विकासात्मक और शैक्षिक समस्याएं उत्पन्न होती हैं।

आई. कोई अन्य श्रेणी जिसे केन्द्र सरकार द्वारा अधिसूचित किया जा सकता है।

पीडब्ल्यूबीडी) के संबंध में शुल्क में रियायत / छूट

i. विश्वविद्यालय के संकायों, विभागों, केंद्रों और संस्थानों/कॉलेजों में अध्ययन के विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने वाले शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवारों को प्रवेश शुल्क, दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ की सदस्यता और पहचान पत्र शुल्क (विश्वविद्यालय के अध्यादेश X(4) में संशोधन के अनुसार) को छोड़कर, परीक्षा शुल्क और अन्य विश्वविद्यालय शुल्क सहित शुल्क के भुगतान से छूट दी जाएगी।

ii. पीडब्ल्यूबीडी उम्मीदवार जो अनारक्षित श्रेणी / एससी / एसटी / ओबीसी-एनसीएल / ईडब्ल्यूएस की योग्यता को पूरा करते हैं और इनमें से किसी भी श्रेणी में प्रवेश लेते हैं, उन्हें पीडब्ल्यूबीडी उम्मीदवार के लिए प्रासंगिक शुल्क का भुगतान करना होगा।

iii. कार्यकारी परिषद के संकल्प संख्या 50 दिनांक 03.11.2012 के अनुसार, विश्वविद्यालय के विभिन्न छात्रावासों/हॉल में रहने वाले शारीरिक रूप से विकलांग छात्रों को वापसी योग्य सावधानी शुल्क और मेस शुल्क को छोड़कर सभी छात्रावास शुल्क और प्रभारों के भुगतान से छूट दी गई है । शारीरिक रूप से विकलांग छात्र, मेस शुल्क का 50% भुगतान करेंगे और शेष 50% दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा वहन किया जाएगा। **कॉलेजों द्वारा विभिन्न छात्रावासों में रहने वाले दिव्यांग छात्रों के संबंध में भी इसी प्रकार के मानदंड अपनाए जाने हैं ।**

iv. उम्मीदवारों को यह सुनिश्चित करना होगा कि पीडब्ल्यूबीडी प्रमाणपत्र उम्मीदवार के नाम पर हो और किसी मान्यता प्राप्त सरकारी अस्पताल द्वारा जारी किया गया हो, जिसमें उम्मीदवार की विधिवत सत्यापित तस्वीर हो।

v. पीडब्ल्यूबीडी छात्र जो फेलोशिप / वित्तीय सहायता प्राप्त कर रहे हैं, उन्हें निम्नलिखित शर्तों के अधीन फीस / प्रभार / मेस शुल्क के भुगतान से छूट दी जाएगी।

फैलोशिप का मूल्य	शुल्क माफी आदि से छूट।
3000/- प्रति माह तक	शुल्क माफ़ी + 50% मेस सब्सिडी
3001/- से 8000/- प्रति माह	फीस माफ़ी लेकिन मेस सब्सिडी नहीं
8001/- और उससे अधिक प्रति माह	कोई शुल्क माफी नहीं और कोई छात्रावास सब्सिडी नहीं

सशस्त्र बलों के कार्मिकों के बच्चे/विधवाएँ (सीडब्ल्यू)

विश्वविद्यालय के सीडब्ल्यू कोटा के तहत प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को सीयूईटी (यूजी) - 2026 में उपस्थित होना होगा।

सभी कॉलेजों में कार्यक्रमवार इस श्रेणी के अंतर्गत अभ्यर्थियों के लिए पांच प्रतिशत (5%) सीटें आरक्षित हैं।

निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक द्वारा जारी शैक्षिक रियायत प्रमाणपत्र (ईसीसी) उचित लेटरहेड पर अपलोड करना होगा:

i. सचिव, केन्द्रीय सैनिक बोर्ड, दिल्ली।

ii. सचिव, राज्य जिला सैनिक बोर्ड।

iii. प्रभारी अधिकारी, अभिलेख कार्यालय।

iv. प्रथम श्रेणी वेतनभोगी मजिस्ट्रेट।

v. गृह मंत्रालय (वीरता पुरस्कार प्राप्त पुलिस कर्मियों के लिए)

कोई अन्य प्रारूप स्वीकार्य नहीं होगा। माता-पिता या आश्रित का पहचान पत्र, मेडिकल कार्ड, राशन कार्ड, सीएसडी कार्ड आदि के रूप में सीडब्ल्यू श्रेणी के प्रमाण सही प्रारूप में प्रमाण पत्र के बदले स्वीकार्य नहीं हैं। प्रमाण पत्र में प्राथमिकता का स्पष्ट उल्लेख होना चाहिए। जिन प्रमाण पत्रों में संबंधित प्राथमिकता का उल्लेख नहीं है, उन पर विचार नहीं किया जाएगा*।

(प्राथमिकता I से IX) के कार्मिकों के बच्चों/विधवाओं को, जिनमें अर्धसैनिक कार्मिक (केवल प्राथमिकता I से V) शामिल हैं, निम्नलिखित वरीयता क्रम में प्रवेश दिया जा सकता है:

प्राथमिकता I	सैन्य कार्रवाई में मारे गए रक्षा कार्मिकों की विधवाएं/आश्रित
प्राथमिकता II	सैन्य सेवा के दौरान विकलांग हुए रक्षा कार्मिकों के आश्रित तथा सैन्य सेवा के कारण विकलांगता के कारण सेवा से बाहर किए गए कार्मिक;
प्राथमिकता III	रक्षा कार्मिकों की विधवाएं/आश्रित जिनकी मृत्यु सैन्य सेवा के कारण सेवा के दौरान हुई हो;
प्राथमिकता IV	सेवा के दौरान विकलांग हुए रक्षा कार्मिकों के आश्रित तथा सैन्य सेवा के कारण विकलांगता के कारण सेवा से बाहर हुए कार्मिक;
प्राथमिकता V	भूतपूर्व सैनिकों और सेवारत कार्मिकों के बच्चे, जिनमें वीरता पुरस्कार प्राप्त पुलिस बल के कार्मिक भी शामिल हैं;

	i. परमवीर चक्र ii. अशोक चक्र iii. महावीर चक्र iv. कीर्ति चक्र v. वीर चक्र vi. शौर्य चक्र vii. वीरता के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक / अग्निशमन सेवा कर्मियों के लिए राष्ट्रपति वीरता पदक (25.01.2024 तक)/पुलिस और अग्निशमन सेवाओं के लिए राष्ट्रपति वीरता पदक (पीएमजी) (26.01.2024 से प्रभावी) viii. सेना पदक (वीरता), नौ सेना पदक (वीरता), वायु सेना पदक (वीरता), तटरक्षक पदक (वीरता) ix. डिस्पैच में उल्लेख x. वीरता के लिए पुलिस पदक / अग्निशमन सेवाओं के लिए वीरता पदक (25.01.2024 तक)/पुलिस और अग्निशमन सेवाओं के लिए वीरता पदक (जीएम) (26.01.2024 से प्रभावी)
प्राथमिकता VI	भूतपूर्व सैनिकों के बच्चे।
प्राथमिकता VII	इनकी पत्नियाँ: i. रक्षा कार्मिक कार्रवाई में अक्षम हो गए और सेवा से बाहर हो गए। ii. सेवा के दौरान विकलांग हुए रक्षा कार्मिक और सैन्य सेवा के कारण विकलांगता के कारण सेवा से बाहर हुए रक्षा कार्मिक iii. वीरता पुरस्कार प्राप्त करने वाले पूर्व सैनिक और सेवारत कार्मिक
प्राथमिकता VIII	सेवारत कर्मियों के वार्ड
प्राथमिकता IX	सेवारत कर्मियों की पत्नियाँ

*विश्वविद्यालय ईसीसी के साथ सहायक दस्तावेज़ भी मांग सकता है। अधिक जानकारी के लिए, दिल्ली विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रकाशित सीएसएएस (यूजी) 2026 देखें।

कश्मीरी प्रवासी (केएम)

कश्मीरी प्रवासी कोटे के तहत प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को सीयूईटी (यूजी) - 2026 में उपस्थित होना होगा।

सभी कॉलेजों में कश्मीरी प्रवासियों के बच्चों के लिए कार्यक्रमवार 5% तक सीटें आरक्षित हैं। सभी कश्मीरी प्रवासियों के बच्चों को संभागीय आयुक्त/राहत आयुक्त द्वारा जारी कश्मीरी प्रवासी के रूप में पंजीकरण प्रमाणपत्र अपलोड करना होगा।

पंजीकरण और प्रवेश के समय उम्मीदवार के पास अपने नाम से जारी किया गया कश्मीरी प्रमाण पत्र होना अनिवार्य है।

जम्मू-कश्मीर के छात्रों के लिए प्रधानमंत्री विशेष छात्रवृत्ति योजना (पीएमएसएसएस)

जम्मू-कश्मीर के छात्रों के लिए प्रधानमंत्री विशेष छात्रवृत्ति योजना के तहत प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को सीयूईटी (यूजी) - 2026 में उपस्थित होना होगा।

एकल बालिका (एसजीसी)

एकल बालिका कोटा के तहत स्नातक कार्यक्रम में प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को CUET (UG)-2026 परीक्षा में उपस्थित होना होगा।

प्रत्येक महाविद्यालय के प्रत्येक स्नातक कार्यक्रम में एक (01) सीट एकल बालिका के लिए अतिरिक्त कोटा के तहत आरक्षित है। माता-पिता/अभिभावक (यदि माता-पिता का निधन हो चुका है) को यह घोषित करना होगा कि बालिका उनके माता-पिता की एकमात्र संतान है और उनके पास उस बालिका के अलावा कोई अन्य पुत्र/पुत्री नहीं है जिसके लिए शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए आवेदन प्रस्तुत किया जा रहा है। इस श्रेणी में प्रवेश का दावा करने के लिए, पिता/माता/अभिभावक (माता-पिता की मृत्यु की स्थिति में) को इस आशय के एक शपथ पत्र की प्रति अपलोड करनी होगी, जो क्षेत्र के जिला मजिस्ट्रेट/अतिरिक्त मजिस्ट्रेट/उपायुक्त/कलेक्टर/अतिरिक्त उपायुक्त/उप कलेक्टर/प्रथम श्रेणी के वेतनभोगी मजिस्ट्रेट/नगर मजिस्ट्रेट (प्रथम श्रेणी के वेतनभोगी मजिस्ट्रेट से नीचे के पद का न हो), उप-विभागीय मजिस्ट्रेट/तालुका मजिस्ट्रेट/कार्यकारी मजिस्ट्रेट/अतिरिक्त सहायक आयुक्त द्वारा विधिवत सत्यापित हो, ऑनलाइन पंजीकरण के समय और दस्तावेजों के भौतिक सत्यापन के समय मूल शपथ पत्र प्रस्तुत करना होगा।

दिल्ली विश्वविद्यालय के कर्मचारियों का वार्ड कोटा (WQ)

दिल्ली विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के वार्ड कोटा के तहत प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को सीयूईटी (यूजी) - 2026 में उपस्थित होना होगा।

विश्वविद्यालय और उसके कॉलेज के कर्मचारियों के वार्डों, शिक्षण और गैर-शिक्षण दोनों के लिए प्रवेश शैक्षणिक परिषद के प्रस्ताव 9 ए और बी दिनांक 27.11.2020 और उसके बाद के संशोधनों के अनुसार किया जाएगा।

पंजीकरण के समय उम्मीदवारों के पास संबंधित अधिकारियों द्वारा जारी वैध रोज़गार प्रमाणपत्र होना आवश्यक है। केवल पंजीकरण के समय अपलोड किए गए रोज़गार प्रमाणपत्र पर ही विचार किया जाएगा। पहचान पत्र, आधार कार्ड और/या कोई अन्य दस्तावेज़ स्वीकार नहीं किए जाएँगे।

प्रत्येक कॉलेज के लिए वार्ड कोटे के अंतर्गत प्रवेश तीन कार्यक्रम समूहों, अर्थात् मानविकी, वाणिज्य और विज्ञान, में निर्धारित किए जाएँगे। आवंटन कॉलेज/विभाग में प्रस्तावित कार्यक्रमों की संख्या पर भी निर्भर करेगा। वार्ड कोटे का आवंटन कार्यक्रम समूहों में उम्मीदवारों के योग्यता अंकों और उम्मीदवारों द्वारा दी गई वरीयताओं के क्रम के आधार पर होगा। शिक्षण और गैर-शिक्षण के लिए आवंटित वार्ड कोटे के अंतर्गत सीटें अदला-बदली योग्य नहीं होंगी। हालाँकि, लाभ को अधिकतम करने के लिए कार्यक्रम समूहों के भीतर आवंटन पर विचार किया जा सकता है। क्लस्टर-आधारित योग्यता का पता लगाने के लिए सीयूईटी अंकों में उचित अनुपात निर्धारित किया जा सकता है।

अनाथ कोटा (OQ)

अनाथ बच्चों के लिए अतिरिक्त कोटा के तहत प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को सीयूईटी (यूजी) - 2026 में उपस्थित होना होगा।

दिल्ली विश्वविद्यालय स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों स्तरों पर प्रत्येक अध्ययन कार्यक्रम में 02(दो)उम्मीदवारों (एक पुरुष और एक महिला) को प्रवेश देगा। ये दो सीटें अतिरिक्त होंगी। विश्वविद्यालय परिषद ने यह भी संकल्प लिया कि विश्वविद्यालय या

उसके महाविद्यालयों में ऐसे छात्रों के प्रवेश और अध्ययन जारी रखने पर होने वाला व्यय, विश्वविद्यालय कल्याण कोष या महाविद्यालय छात्र कल्याण कोष, जैसा भी मामला हो, से विश्वविद्यालय या महाविद्यालय में प्रवेश के लिए वहन किया जाएगा।

जो अभ्यर्थी अनाथ कोटे के अंतर्गत प्रवेश लेना चाहता है, उसके पास सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त अनाथालय/धर्मार्थ गृह से प्राप्त प्रमाण पत्र या माता-पिता दोनों का मृत्यु प्रमाण पत्र होना चाहिए।

Acad.I / अनाथ कोटा / 2024-25/10 दिनांक 16 जनवरी, 2024 के अनुसार :

1. . शैक्षणिक सत्र 2026-27 से अनाथ कोटा के तहत प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को 10.00 रुपये का प्रवेश शुल्क देना होगा। निम्नलिखित शुल्क इस प्रकार हैं:-

   i. प्रवेश शुल्क - 10.00 रुपये

   ii. परीक्षा शुल्क - 10.00 रुपये

   iii. छात्रावास शुल्क - 10.00 रुपये।

2. छात्रावास आवास का लाभ उठाने वाले छात्रों को वास्तविक के अनुसार मेस शुल्क का भुगतान करना होगा।

पाठ्येतर गतिविधियाँ (ईसीए) और खेल कोटा

ईसीए और/या खेल के लिए अतिरिक्त कोटे के तहत प्रवेश लेने के इच्छुक उम्मीदवारों को सीयूईटी (यूजी) - 2026 में उपस्थित होना होगा।

ईसीए और स्पोर्ट्स सुपरन्यूमेरी सीटों पर प्रवेश के लिए सीयूईटी (यूजी) - 2026 स्कोर को 25% और सर्टिफिकेट/ट्रायल/प्रदर्शन को 75% वेटेज दिया जाएगा।

विश्वविद्यालय में सीटों के आवंटन और प्रवेश से संबंधित विस्तृत जानकारी कॉमन सीट आवंटन प्रणाली (स्नातक) - 2026 (सीएसएएस (यूजी) - 2026) में प्रकाशित की जाएगी।

उम्मीदवारों को सीएसएएस (यूजी) - 2026 और अन्य संबंधित विवरणों के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट देखनी चाहिए।

"Only Knowledge can provide salvation"

9. एनसीवेब में प्रवेश

9.1 गैर-कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड (एनसीडब्ल्यूईबी)

दिल्ली विश्वविद्यालय के गैर-कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड (एनसीडब्ल्यूईबी) के एक गौरवशाली केंद्र के रूप में, हम उन छात्राओं की शैक्षिक आकांक्षाओं को पूरा करते हैं जो सप्ताहांत में लचीले शिक्षण अवसरों की तलाश में रहती हैं। हमारा शिक्षण केंद्र इन छात्राओं की शिक्षा और अन्य पाठ्येतर गतिविधियों के लिए उत्कृष्ट कार्य कर रहा है और उनके करियर के लिए एक सुरक्षित वातावरण और समग्र विकास प्रदान करता है।

गैर-कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड (एनसीडब्ल्यूईबी), जो दिल्ली विश्वविद्यालय का एक घटक है, 1944 से शिक्षा के माध्यम से महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में योगदान दे रहा है। एनसीडब्ल्यूईबी दो स्नातक कार्यक्रम प्रदान करता है, अर्थात् बीए प्रोग्राम (दो उप धाराओं के साथ, अर्थात्, इतिहास और राजनीति विज्ञान एक विकल्प के रूप में और अर्थशास्त्र और राजनीति विज्ञान दूसरे विकल्प के रूप में) और बी.कॉम।

उपरोक्त कार्यक्रमों में प्रवेश कक्षा बारहवीं में प्राप्त योग्यता अंकों के आधार पर दिए जाएँगे। पात्रता, कार्यक्रम संरचना, प्रवेश प्रक्रिया, शुल्क संरचना और प्रवेश तिथियों के बारे में विस्तृत जानकारी और अपडेट के लिए, उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे नियमित रूप से वेबसाइट: https://ncwebadmission.uod.ac.in/ देखें।

10. बालिका छात्रावास में प्रवेश

छात्रावास विवरणिका और छात्रावास प्रवेश सूचना के लिए कॉलेज की वेबसाइट https://keshav.du.ac.in/ पर जाएं।

11. महाविद्यालय जीवन

11.1. आधारभूत संरचना

केशव महाविद्यालय में, हम छात्रों के लिए व्यावहारिक अनुभव पर विश्वास करते हैं। चूंकि केवल सैद्धांतिक ज्ञान ही अपर्याप्त और अपूर्ण होता है, इसलिए सभी संबंधित कार्यक्रमों में पूर्णतः वातानुकूलित और सुसज्जित प्रयोगशालाएं स्थापित की गई हैं। महाविद्यालय में छह विशाल व्याख्यान कक्ष और 28 कक्षाएं हैं। पूरा परिसर वाई-फाई से सुसज्जित है और सीसीटीवी की निगरानी में है। महाविद्यालय में कर्मचारियों और छात्रों के लिए लिफ्ट की सुविधा है। यह परिसर दृष्टिबाधित और दिव्यांग छात्रों के अनुकूल है, जिसमें उनके चलने के लिए विशेष संवेदी मार्ग, संकेतक और उनके लिए विशेष रूप से बनाए गए शौचालय शामिल हैं। दृष्टिबाधित छात्रों के पढ़ने और लिखने के उद्देश्य के लिए एनवीडीए सॉफ्टवेयर से युक्त एक कंप्यूटर भी उपलब्ध है।

11.1.1. रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान / पर्यावरण विज्ञान प्रयोगशालाएँ

कार्बनिक, अकार्बनिक, भौतिक और विश्लेषणात्मक प्रयोगों के लिए दो रसायन विज्ञान प्रयोगशालाएँ हैं, जो इलेक्ट्रॉनिक तुला, वैद्युतकण संचलन मशीन, डिजिटल पीएच मीटर और पोटेंशियोमीटर जैसे आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित हैं। एक पूर्णतः वातानुकूलित विश्लेषणात्मक तकनीक प्रयोगशाला भी स्थापित की जा रही है। जीव विज्ञान / पर्यावरण विज्ञान प्रयोगशाला भी अच्छी तरह सुसज्जित हैं। दोनों प्रयोगशालाओं में कंप्यूटर सुविधाएँ भी उपलब्ध हैं।

11.1.2. कंप्यूटर प्रयोगशाला

कंप्यूटर विंग में अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस तीन विशाल कंप्यूटर प्रयोगशालाएं हैं। सभी सिस्टम नवीनतम कॉन्फ़िगरेशन के हैं। इन प्रयोगशालाओं में सर्वर के अलावा लगभग 90 सिस्टम रखे जा सकते हैं। यहाँ एक अलग यूपीएस कमरा भी है। प्रयोगशालाओं में वाई-फाई राउटर का उपयोग करके एक वायरलेस लैन की सुविधा उपलब्ध है। यह मल्टीमीडिया सुविधाएं भी प्रदान करता है और ओएचपी, एलसीडी प्रोजेक्टर और स्कैनर से सुसज्जित है।

11.1.3. इलेक्ट्रॉनिक्स प्रयोगशाला

इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग में सुसज्जित प्रयोगशालाएं हैं जो इस विभाग की रीढ़ हैं और छात्रों की व्यावहारिक दक्षता में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। इन प्रयोगशालाओं का उपयोग एनालॉग इलेक्ट्रॉनिक्स, डिजिटल सर्किट और सिस्टम, इंस्ट्रूमेंटेशन, संचार और सिग्नल प्रोसेसिंग तथा माइक्रोप्रोसेसर अनुप्रयोगों पर आधारित प्रयोगों को करने के लिए किया जाता है। छात्र विभिन्न इंटीग्रेटेड सर्किट श्रेणियों, सर्किट डिजाइनिंग, रोम, ईपीरोम और रैम का व्यावहारिक ज्ञान विकसित करते हैं।

11.1.4. आईसीटी गणित एवं वाणिज्य प्रयोगशाला

महाविद्यालय में एक समर्पित वातानुकूलित आईसीटी प्रयोगशाला है जो मैटलैब और मैथमेटिका जैसे परिष्कृत सॉफ्टवेयर चलाने में सक्षम अत्याधुनिक प्रणालियों से सुसज्जित है। प्रत्येक प्रयोगशाला में 30 कंप्यूटर और एक प्रोजेक्टर उपलब्ध है।

11.1.5. प्रबंधन अध्ययन कंप्यूटर प्रयोगशाला

प्रबंधन अध्ययन विभाग के पास 30 डेस्कटॉप कंप्यूटर, एक ऑल-इन-वन प्रिंटर और इंटरनेट सुविधा से युक्त एक पूर्णतः वातानुकूलित कंप्यूटर प्रयोगशाला है। यह छात्रों को उनके कौशल विकास और डेटा विश्लेषण के लिए विभिन्न सॉफ्टवेयर पैकेजों तक पहुंच प्रदान करती है। इसमें पोर्टेबल प्रोजेक्टर, लैपटॉप, साउंड एम्पलीफायर, पोर्टेबल माइक और पोर्टेबल व्हाइटबोर्ड शामिल हैं, जिनका उपयोग संकाय और छात्रों द्वारा कक्षा की प्रस्तुतियों और कार्यक्रमों के दौरान किया जाता है। पिछले कुछ वर्षों में यह विभाग की शैक्षणिक गतिविधियों को सुगम बनाने के लिए एक तकनीकी केंद्र बन गया है।

11.1.6. भौतिक विज्ञान प्रयोगशाला

महाविद्यालय में कंप्यूटर और परिष्कृत वैज्ञानिक उपकरणों से लैस दो विशाल, सुव्यवस्थित और वातानुकूलित भौतिक विज्ञान प्रयोगशालाएं हैं। यहाँ छात्र यांत्रिकी, प्रकाशिकी, ऊष्मा, विद्युत परिपथ, इलेक्ट्रॉनिक्स, कंप्यूटर प्रोग्रामिंग, ठोस अवस्था भौतिकी, आधुनिक भौतिकी आदि से संबंधित प्रयोगों को करके अपने सीखने को व्यावहारिक अनुभव के साथ पूरा करते हैं। प्रकाशिकी और बैलिस्टिक गैल्वेनोमीटर पर प्रयोग अलग वातानुकूलित डार्क रूम में स्थापित किए गए हैं। कुशल शिक्षण के लिए प्रयोगशालाएं प्रोजेक्टरों से सुसज्जित हैं।

11.1.7. मनोविज्ञान प्रयोगशाला

महाविद्यालय की मनोविज्ञान प्रयोगशाला नवीनतम मनोवैज्ञानिक परीक्षणों और उपकरणों से सुसज्जित है, और छात्रों को व्यापक अनुभव प्रदान करने के लिए हर साल नए उपकरण जोड़े जाते हैं। ये साइकोमेट्रिक परीक्षण नैदानिक, संगठनात्मक, सामाजिक, न्यूरोकॉग्निटिव और परामर्श सेटिंग्स में लागू होते हैं। छात्र परीक्षण परिणामों के संचालन, स्कोरिंग और व्याख्या के साथ-साथ उनके निहितार्थों को सीखते हैं। सीखना, स्मृति और प्रतिक्रिया समय जैसी अवधारणाओं को समझने के लिए प्रयोग भी आयोजित किए जाते हैं।

11.1.8. एम्फीथिएटर (मुक्त आकाश रंगमंच)

परिसर में एक सुंदर और कलात्मक मुक्त आकाश रंगमंच है जिसमें पांच स्तंभ हैं जो पांच तत्वों - वायु, जल, आकाश, पृथ्वी और अग्नि के प्रतीक हैं। यह स्थल छात्रों के विभिन्न प्रकार के प्रदर्शनों, प्रतियोगिताओं और नुक्कड़ नाटकों की मेजबानी करता है।

11.1.9. महाविद्यालय सभागार

महाविद्यालय में एक अत्याधुनिक केंद्रीय वातानुकूलित और वाई-फाई सुविधा से युक्त प्रेक्षागृह है जिसमें एक स्मार्ट डिस्प्ले लगा हुआ है। इस प्रेक्षागृह में 800 लोगों के बैठने की क्षमता है (जिसका क्षेत्रफल 2569 वर्ग मीटर है)। इसका निर्माण बेहतरीन ध्वनि-नियंत्रण व्यवस्था और उच्च श्रेणी की प्रकाश एवं ध्वनि सुविधाओं के साथ किया गया है। इसके अतिरिक्त, लड़कों और लड़कियों

दोनों के लिए अलग-अलग ग्रीन रूम (सजने-संवरने के कक्ष) हैं। प्रेक्षागृह अग्निशामक प्रणाली से सुसज्जित है। इसके उद्घाटन के बाद से ही इस प्रेक्षागृह ने सुश्री शोभना नारायण, सुश्री शुभा मुद्गल, श्री शिव कुमार शर्मा, श्रीमती एस. कनका और वारसी ब्रदर्स जैसे प्रसिद्ध कलाकारों के कई प्रतिभाशाली प्रदर्शनों की मेजबानी की है। यह महाविद्यालय के सभी सांस्कृतिक और शैक्षणिक कार्यक्रमों के केंद्र के रूप में कार्य करता है।

11.1.10. पुस्तकालय

महाविद्यालय में एक अच्छी तरह से संचित, दोमंजिला, विशाल और पूर्णतः स्वचालित पुस्तकालय है, जिसमें एक बड़ा वातानुकूलित वाचन कक्ष शामिल है। यह एक वेब-आधारित पुस्तकालय है। पुस्तकालय का डेटा ई-ग्रंथालय सॉफ्टवेयर के माध्यम से राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र के क्लाउड पर उपलब्ध है। पुस्तकालय में विभिन्न खंड हैं जिनमें लगभग 32926 पुस्तकें हैं। इसमें विभिन्न क्षेत्रों की पाठ्यपुस्तकों, संदर्भ सामग्रियों और विश्वकोशों का समृद्ध संग्रह है। विभिन्न विषयों के बड़ी संख्या में दैनिक, साप्ताहिक और पत्र-पत्रिकाओं की नियमित रूप से सदस्यता ली जा रही है। पाठकों के लिए पुस्तकालय द्वारा लगभग 24 पत्रिकाओं और 16 समाचार पत्रों की सदस्यता ली गई है। पुस्तकालय में 740 से अधिक सीडी और डीवीडी हैं जो महाविद्यालय के विभिन्न विभागों को जारी की जाती हैं। इसके अलावा, यह इंटरनेट के माध्यम से संकाय सदस्यों और छात्रों को दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली द्वारा प्रदान की जाने वाली हजारों ई-पत्रिकाओं और शोध लेखों तक पहुंच भी प्रदान करता है। सुरक्षा के उद्देश्य से महाविद्यालय के पुस्तकालय में 32 सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। केशव महाविद्यालय पुस्तकालय में दृष्टिबाधित उपयोगकर्ताओं के लिए ब्रेल सामग्री भी उपलब्ध है। पुस्तकालय में देवनागरी सॉफ्टवेयर और ब्रेल फेस के साथ-साथ लेक्स एयर वीएडी सॉफ्टवेयर से युक्त एक लैपटॉप और एक लेज़ एयर कैमरा स्कैनर भी है।

11.1.11. संगोष्ठी कक्ष

एक पूर्णतः वातानुकूलित और सुसज्जित संगोष्ठी कक्ष वर्ष भर विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों की मेजबानी करता है। इसमें लगभग 100 प्रतिनिधियों के बैठने की क्षमता है और यह एक एलसीडी प्रोजेक्टर, एक ऑडियो-कॉन्फ्रेंसिंग सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली और एक डिजिटल मंच से सुसज्जित है।

11.1.12. बालिका छात्रावास

महाविद्यालय में 84 छात्रों की क्षमता वाला एक विशाल और आरामदायक छात्रावास है। यह छात्रावास दिल्ली विश्वविद्यालय के केशव महाविद्यालय में उच्च शिक्षा की आकांक्षा रखने वाली युवा लड़कियों को सुरक्षित और आरामदायक आवास सुविधाएं प्रदान करता है। छात्रावास महाविद्यालय परिसर में स्थित है जो सुंदर मैदानों से घिरा हुआ है और 10 एकड़ के क्षेत्र में फैला हुआ है। अधिकांश कमरे दो या तीन छात्रों के साझा आधार पर हैं। छात्रावास की रसोई निवासियों को ताजा भोजन प्रदान करती है। उनके स्वस्थ और आरामदायक प्रवास के लिए चिकित्सा सेवाएं और कपड़े धोने की सेवाएं उपलब्ध हैं। वाई-फाई इंटरनेट सुविधा, टेलीफोन सुविधा, एक स्वचालित सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन और कई अन्य सुविधाएं भी प्रदान की जाती हैं। छात्रावास परिसर के भीतर निवासियों के लिए एक व्यायामशाला, वाचन कक्ष और आगंतुक क्षेत्र उपलब्ध हैं। छात्रों को आराम करने और मनोरंजन करने के लिए एक बड़ा एलसीडी टीवी वाला एक सामान्य कक्ष उपलब्ध है। परिसर 24 घंटे सीसीटीवी की निगरानी में रहता है। छात्रावास की वार्डन जो छात्रावास परिसर के भीतर ही रहती हैं, निवासियों की देखभाल करती हैं और उन्हें घर जैसा महसूस कराती हैं। अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए छात्रावास में एक नया विंग कार्यशील है जिसमें 6 विदेशी छात्रों के रहने की व्यवस्था है। इसमें तीन कमरे हैं जो पूरी तरह से वातानुकूलित हैं और उनके साथ शौचालय जुड़े हुए हैं। इसमें एक सामान्य रसोईघर और व्यायामशाला भी है।

11.1.13. खेल विभाग

खेल विभाग इनडोर और आउटडोर दोनों खेलों में भाग लेने के लिए प्रचुर सुविधाओं और आधारभूत संरचना के साथ तेजी से पसंदीदा विभागों में से एक बन रहा है। टेबल टेनिस, कैरम बोर्ड और शतरंज खेलने के लिए एक विशेष कमरा स्थापित किया गया है। महाविद्यालय परिसर में बैडमिंटन, लॉन टेनिस, वॉलीबॉल और बास्केटबॉल कोर्ट भी हैं और क्रिकेट तथा फुटबॉल खेलने के लिए एक विशाल मैदान है। महाविद्यालय अपने छात्रों के लिए एक ओपन जिम की सुविधा प्रदान करता है जो उनकी दैनिक शारीरिक गतिविधि की आवश्यकताओं को महत्वपूर्ण रूप से पूरा कर सकता है।

11.1.14. कैफेटेरिया

केशव महाविद्यालय का जलपान गृह एक सुखद और स्वागत योग्य वातावरण में सस्ती कीमतों पर विभिन्न प्रकार के स्वच्छ और पौष्टिक भोजन प्रदान करता है। यह परिसर में सबसे लोकप्रिय और बार-बार देखे जाने वाले स्थानों में से एक है, जो एक जीवंत केंद्र के रूप में कार्य करता है जहाँ विभिन्न विषयों के छात्र चाय और कॉफी के गरमागरम कपों के साथ एक-दूसरे से बातचीत करने और सामाजिकता बढ़ाने के लिए एकत्र होते हैं।

इसके अलावा, महाविद्यालय परिसर में एक मदर डेयरी बूथ भी है, जो छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों की दैनिक जलपान और डेयरी उत्पादों की आवश्यकताओं को पूरा करता है। परिसर में गुणवत्तापूर्ण डेयरी उत्पादों और पेय पदार्थों की उपलब्धता सुविधा को बढ़ाती है और एक अधिक आरामदायक तथा समृद्ध परिसर अनुभव में योगदान देती है।

11.1.15. उद्यान

महाविद्यालय में सुव्यवस्थित उद्यान हैं जो परिसर को एक भव्य हरा-भरा रूप प्रदान करते हैं। यहाँ एक विशेष हर्बल उद्यान भी है जिसमें औषधीय पौधे शामिल हैं जैसे कि अंजीर, शहतूत, जामुन, अर्जुन, नीम, अमलतास, आम, हरसिंगार, बेर, नींबू, अश्वगंधा, चंदन, शतावरी, गुलाब, स्टीविया, लेमन ग्रास, इंसुलिन, अजवाइन, इलायची, गिलोय आदि। हमारे हरे-भरे परिसर में 25 किस्मों के पेड़ हैं। परिसर के चारों ओर खिले हुए फूलों से युक्त आकर्षक मैदान एक शानदार दृश्य प्रस्तुत करते हैं।

11.1.16. चिकित्सा कक्ष

महाविद्यालय में छात्रों और कर्मचारियों को तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए एक प्राथमिक चिकित्सा कक्ष है। इसके अलावा, किसी भी आपातकालीन स्थिति में चिकित्सा सेवाओं तक आसान पहुंच के लिए महाविद्यालय के ठीक बगल में भगवान महावीर अस्पताल स्थित है। छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण के लिए एक परामर्शदाता सप्ताह में 2 बार महाविद्यालय का दौरा करते हैं।

11.2. छात्र विकास: प्रकोष्ठ और पहल

11.2.1. राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)

महाविद्यालय में एक राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई है जिसका उद्देश्य हर संभव तरीके से राष्ट्र और उसके नागरिकों की सेवा करना है। इस लक्ष्य और "मैं नहीं, बल्कि आप" के आदर्श वाक्य के साथ, 2026-27 के सत्र में स्वच्छता पखवाड़ा और स्वच्छता अभियानों जैसे विभिन्न कार्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित किया गया। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय एकता दिवस, सतर्कता जागरूकता अभियान, मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता, साइबर अपराध, नशा मुक्ति अभियान के तहत मादक द्रव्यों के सेवन, सड़क सुरक्षा जागरूकता, मतदाता जागरूकता, महिला सशक्तिकरण और महिलाओं के लिए आत्मरक्षा सत्र से जुड़े कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय हित और पर्यावरणीय जागरूकता के मुद्दों पर भी कई अन्य कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन गतिविधियों का उद्देश्य विभिन्न सामाजिक मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और राष्ट्र निर्माण में योगदान देना था, साथ ही स्वयंसेवकों और छात्रों के भीतर सामुदायिक पहल करने के लिए जिम्मेदारी की भावना को विकसित करना था।

11.2.2. प्लेसमेंट प्रकोष्ठ

केशव महाविद्यालय का प्लेसमेंट प्रकोष्ठ विद्यार्थियों को उनके प्रथम वर्ष से लेकर स्नातक होने तक सार्थक करियर अवसरों से जोड़ने का कार्य करता है। यह भर्ती अभियान चलाता है, कौशल-निर्माण सत्र आयोजित करता है तथा पूर्व विद्यार्थियों एवं उद्योग

भागीदारों के साथ सक्रिय संबंध बनाए रखता है। प्रकोष्ठ की विद्यार्थी टीम प्रत्येक वर्ष सभी पाठ्यक्रमों में से चयनित की जाती है, जो महाविद्यालय के विविध शैक्षणिक समुदाय को प्रतिबिंबित करने वाले विभिन्न दृष्टिकोणों को सामने लाती है।

2025-26 के दौरान, प्रकोष्ठ ने व्यावहारिक करियर तत्परता पर केंद्रित सत्रों की एक श्रृंखला आयोजित की, जिसमें रिज़्यूमे निर्माण, साक्षात्कार की तैयारी एवं व्यावसायिक नेटवर्किंग शामिल थे। विद्यार्थियों को सशक्त, भर्तीकर्ता-तैयार प्रोफाइल बनाने में सहायता हेतु 330 से अधिक रिज़्यूमे की व्यक्तिगत रूप से जाँच की गई। आयोजित किए गए कुछ प्रमुख सत्रों में शामिल हैं:

- सीवी जाँच एवं रिज़्यूमे तैयारी
- लिंक्डइन ऑप्टिमाइज़ेशन: एक सशक्त व्यावसायिक ब्रांड का निर्माण
- ऑफ-कैंपस प्लेसमेंट कैसे प्राप्त करें

इन सत्रों ने विद्यार्थियों को ऐसे उपकरण प्रदान किए जिनका वे तत्काल उपयोग कर सकते थे, चाहे वह ऑन-कैंपस भर्ती हेतु हो या स्वतंत्र नौकरी खोज हेतु।

पाथवेज़ 3.0, हमारी प्रमुख करियर परामर्श पहल का तीसरा संस्करण, इस वर्ष एक व्यक्तिगत लघु-समूह प्रारूप में स्थानांतरित हो गया, जिसमें विद्यार्थियों को उनके चुने हुए क्षेत्रों के आधार पर क्षेत्र-विशिष्ट सत्रों में नियुक्त किया गया। प्रत्येक संस्करण के साथ पंजीकरण बढ़े हैं, प्रथम वर्ष में 136 से बढ़कर पाथवेज़ 2.0 में 156 तथा अब पाथवेज़ 3.0 में 180+ हो गए हैं, जो विद्यार्थियों की निरंतर रुचि को दर्शाते हैं। कंसल्टिंग, प्रौद्योगिकी, वित्त, विपणन, मानव संसाधन, डेटा एनालिटिक्स, मनोविज्ञान एवं सरकारी परीक्षाओं का प्रतिनिधित्व करने वाले पूर्व विद्यार्थियों ने केंद्रित, आमने-सामने की बातचीत के माध्यम से विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। सरकारी परीक्षाओं एवं डेटा करियर पर पृथक सत्रों ने एक स्पष्ट कमी को पूरा किया, विशेष रूप से गणित एवं विज्ञान पृष्ठभूमि के उन विद्यार्थियों के लिए जिनके पास प्रायः अन्वेषण हेतु कम संरचित मार्ग होते हैं।

2025-26 के प्लेसमेंट सत्र ने घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय दोनों भूमिकाओं में सशक्त परिणाम दिए। डब्ल्यूटीडब्ल्यू, डेल्टाएक्स, ज़ेड1 टेक, डिट्टो, ऑक्सेन पार्टनर्स, आरएसएम यूएस, प्रिफर्ड स्क्वायर, टूब्लू, स्टूडियो मोज़ेक एवं स्टैंज़ा लिविंग सहित भर्तीकर्ताओं ने परिसर में भर्ती अभियान आयोजित किए। पूरे वर्ष में, प्रकोष्ठ ने 7 लाख रुपये प्रति वर्ष के मध्यमान पैकेज और 6.4 लाख रुपये प्रति वर्ष के औसत पैकेज के साथ 60+ से अधिक प्लेसमेंट दर्ज किए। ऑक्सेन पार्टनर्स ने 9.8 लाख रुपये प्रति वर्ष का सर्वोच्च प्रस्ताव दिया, जिसने एक उच्च मानदंड स्थापित किया कि इस परिसर के छात्र क्या हासिल कर सकते हैं।

11.2.3. अनुभव: इंटर्नशिप एवं प्रशिक्षण प्रकोष्ठ

मनोविज्ञान विभाग के इंटर्नशिप और प्रशिक्षण प्रकोष्ठ, 'अनुभव' का उद्देश्य छात्रों को मनोविज्ञान के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए आवश्यक व्यावसायिक कौशल और उद्योग की तत्परता से लैस करना था। इस प्रकोष्ठ ने अकादमिक शिक्षा और व्यावसायिक तत्परता के बीच के अंतर को पाटने के लिए 20 फरवरी, 2026 को 'साइक्चरचा 26' का आयोजन किया था। इस कार्यक्रम में दो विशेषज्ञ सत्र शामिल थे, जिसमें पहला सत्र संचार, सहानुभूति और सक्रिय रूप से सुनने जैसे कोमल कौशलों को विकसित करने पर आधारित था, तथा दूसरा सत्र उद्योग की अपेक्षाओं के अनुरूप एक प्रभावशाली मनोविज्ञान जीवन-वृत्त बनाने पर केंद्रित था। विशेषज्ञ वार्ताओं के पूरक के रूप में इसमें स्वाट विश्लेषण और शारीरिक भावना मानचित्रण

जैसी चिंतनशील गतिविधियाँ शामिल थीं, जिन्होंने छात्रों को आत्म-जागरूकता और भावनात्मक अन्वेषण के लिए एक संरचित स्थान प्रदान किया।

11.2.4. मीमांसा: अनुसंधान प्रकोष्ठ

मनोविज्ञान विभाग का अनुसंधान प्रकोष्ठ 'मीमांसा', छात्रों के भीतर एक सुदृढ़ अनुसंधान संस्कृति विकसित करने और विद्वतापूर्ण जांच को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। इस प्रकोष्ठ ने इस वर्ष दो महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का आयोजन किया। 12 नवंबर, 2025 को उन्होंने एपीए सातवें संस्करण के विद्वतापूर्ण लेखन पर एक कार्यशाला आयोजित की, जिसका संचालन डॉ. डेज़ी शर्मा द्वारा किया गया था। इसमें पाठ के भीतर उद्धरण, संदर्भ सूचियां, शीर्षक और पांडुलिपि संगठन को शामिल किया गया था। साईफोरम 2026 का आयोजन 23 और 24 मार्च, 2026 को "पारस्परिक और अंतरावैयक्तिक मनोविज्ञान की नींव: स्वयं, संबंध और अपनेपन की भावना" विषय के तहत किया गया था। पहले दिन में नैदानिक और सामुदायिक अंतर को पाटने पर एक मुख्य भाषण तथा तुलना, आत्म-मूल्य और अत्यधिक उपलब्धि पर एक पैनल चर्चा शामिल थी। दूसरे दिन जी पावर सांख्यिकीय विश्लेषण और संज्ञानात्मक तंदुरुस्ती तकनीकों पर कार्यशालाओं के साथ-साथ एक रिसर्च हैकाथॉन की मेजबानी की गई।

11.2.5. द्वारिका: महाविद्यालय पत्रिका

महाविद्यालय की पत्रिका 'द्वारिका' हर साल प्रकाशित होती है। यह उस अवधि के दौरान संकाय और छात्रों की उपलब्धियों, उनके पुरस्कारों, मान्यताओं और प्राप्त पुरस्कारों का दस्तावेजीकरण करती है। इसके साथ ही, यह महाविद्यालय के विभागों, समितियों और प्रकोष्ठों द्वारा आयोजित गतिविधियों, कार्यक्रमों और वेबिनार को भी समाहित करती है। इसके अलावा, समिति ने महाविद्यालय के छात्रों द्वारा प्रस्तुत लेखों को संकलित किया और उन्हें महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका में संकलित किया जिसका नाम द्वारिका है। छात्रों की सुविधा के लिए ई-समाचार पत्र और पत्रिकाएं हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में प्रकाशित की जाती हैं।

11.2.6. महिला विकास प्रकोष्ठ

महिला विकास प्रकोष्ठ संस्थान के भीतर एक लिंग-संवेदनशील और समावेशी वातावरण बनाने के लिए समर्पित है। इसका प्राथमिक उद्देश्य लैंगिक समानता, अधिकारों और अवसरों के बारे में जागरूकता फैलाकर महिलाओं को सशक्त बनाना है। महिला विकास प्रकोष्ठ महिलाओं की सुरक्षा, नेतृत्व, शिक्षा और समग्र व्यक्तिगत विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए कार्यशालाओं, संगोष्ठियों और जागरूकता कार्यक्रमों सहित विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का संचालन करता है। यह छात्रों और कर्मचारियों को चिंताओं को व्यक्त करने तथा लैंगिक मुद्दों पर सार्थक चर्चाओं में भाग लेने के लिए एक सहायक मंच प्रदान करता है। इन प्रयासों के माध्यम से, महिला विकास प्रकोष्ठ एक सम्मानजनक, उत्साहजनक और न्यायसंगत माहौल को बढ़ावा देने का प्रयास करता है जहाँ लिंग के भेदभाव के बिना सभी व्यक्ति आगे बढ़ सकें और समाज में सकारात्मक योगदान दे सकें। उच्च शिक्षण संस्थानों की

बाल विवाह मुक्त भारत 100 दिवसीय अभियान में भागीदारी के संबंध में शिक्षा मंत्री से प्राप्त संचार के आदेशों के अनुसार, दिल्ली विश्वविद्यालय के केशव महाविद्यालय के महिला विकास प्रकोष्ठ ने 27 फरवरी, 2026 को अपने छात्रों और संकाय के लिए एक जागरूकता सत्र आयोजित किया। इसके अतिरिक्त, महाविद्यालय परिसर में सूचना, शिक्षा और संचार सामग्री प्रदर्शित की गई थी।

11.2.7. समान अवसर प्रकोष्ठ

महाविद्यालय पर्यावरण, आर्थिक और सांस्कृतिक बाधाओं से उत्पन्न होने वाली दिव्यांग या अल्पसंख्यक वर्ग के छात्रों द्वारा सामना की जाने वाली समस्याओं के प्रति अत्यंत संवेदनशील है। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और दिव्यांग व्यक्तियों से संबंधित इन और अन्य आवश्यक मुद्दों के समाधान के लिए, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 27 जून, 2006 को समान अवसर प्रकोष्ठ की स्थापना की गई थी, और उच्च शिक्षा के क्षेत्र में दिव्यांग व्यक्तियों के लिए एक बाधा रहित, न्यायसंगत और सुलभ स्थान सुनिश्चित करने वाला एक नीति प्रारूप जारी किया गया था। हमारे महाविद्यालय ने दृष्टि, श्रवण, अस्थि-बाधित या अन्य किसी भी प्रकार की अक्षमता से परे, दिव्यांग शैक्षणिक समुदाय के लिए समग्र आधारभूत संरचना और सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में सुधार के लिए हर संभव प्रयास किए हैं।

11.2.8. जल वायु पर्यावरण समिति: पर्यावरण क्लब

इस क्लब ने हमेशा पर्यावरण-अनुकूल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए कड़ी मेहनत की है - जो केशव महाविद्यालय का आधार स्तंभ है। क्लब की गतिविधियाँ पर्यावरण की सराहना और सम्मान करने के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों तरीकों से छात्रों की मानसिकता को प्रभावित करने का प्रयास करती हैं। पर्यावरण को एक समग्र इकाई के रूप में सम्मान देने और न कि केवल इसका उपयोग करने के महत्व को पहचानते हुए, क्लब की गतिविधियों में पेड़ लगाना, कचरे का पुनर्चक्रण करना और वायु तथा जल प्रदूषण को नियंत्रित करने के कदम उठाना शामिल है। यह "तत्त्वम असि" (वह तुम ही हो) के मुहावरे को दोहराता है अर्थात मनुष्य अपने पर्यावरण का एक घटक है। इसी दृष्टिकोण से एक हर्बल उद्यान का रखरखाव किया जा रहा है। यह छात्रों को संधारणीय और पर्यावरणीय रूप से जिम्मेदार तरीके से जड़ी-बूटियों को उगाने के लाभों के बारे में जानने में मदद करता है। पर्यावरण क्लब ने इस बहु-उपयोगी उद्यान को केवल जड़ी-बूटियों के पौधों के एक समूह से कहीं अधिक बनाने की योजना बनाई है। बल्कि यह एक खुला और स्वागत योग्य स्थान होगा जो छात्रों को न केवल जड़ी-बूटियों के बीज बल्कि एकजुटता और रचनात्मकता के बीज बोने के लिए भी प्रोत्साहित करेगा। इसके अलावा, क्लब इस स्थान को विविध प्रजातियों की संरचनाओं के साथ अविश्वसनीय रूप से बहुमुखी बनाने की योजना बना रहा है। महाविद्यालय के उद्यानों में जैविक खाद के उद्देश्य को पूरा करने के लिए खाद के गड्ढे हैं। इसके अतिरिक्त, पर्यावरण-अनुकूल प्रथाओं के हिस्से के रूप में, रसोई और उद्यान के कचरे से उत्पादित प्राकृतिक खाद का उपयोग सुनिश्चित करने के लिए महाविद्यालय परिसर में एक खाद बनाने वाली मशीन भी स्थापित की गई थी। साथ ही, जन अभियान के दौरान वृक्षारोपण गतिविधि सुनिश्चित करने के लिए उद्यान समिति द्वारा पौधों का मुफ्त वितरण भी किया जाता है।

11.2.9. इनेक्टस: उद्यमिता प्रकोष्ठ

इनेक्टस एक वैश्विक संगठन है जो युवा नेताओं को उद्यमशीलता की पहलों के माध्यम से सामाजिक और पर्यावरणीय परिवर्तन लाने के लिए प्रेरित करता है। दुनिया भर के 33 देशों में सक्रिय, 1700 से अधिक विश्वविद्यालयों और 72000 से अधिक छात्रों को शामिल करते हुए, इनेक्टस छात्रों को दुनिया की कुछ सबसे गंभीर चुनौतियों के लिए अभिनव और संधारणीय समाधान खोजने के लिए प्रोत्साहित करता है। इनेक्टस केशव महाविद्यालय में, हम उद्यमशीलता को सार्थक प्रभाव के साथ जोड़कर इस दृष्टिकोण में सक्रिय रूप से

योगदान करते हैं। हमारा मानना है कि व्यवसाय समुदायों को सशक्त बनाकर, अवसर पैदा करके और सतत विकास को बढ़ावा देकर सकारात्मक बदलाव के लिए प्रभावी साधन के रूप में कार्य कर सकते हैं।

इनेक्टस केशव महाविद्यालय उद्यमशीलता के नवाचार के माध्यम से सामाजिक समस्याओं को हल करने की दिशा में काम करता है। हमारा मिशन स्थिरता, कौशल विकास, कचरे को कम करने और सामुदायिक सशक्तिकरण पर केंद्रित है। हमारा दृष्टिकोण अभिनव और पर्यावरण-अनुकूल विचारों को ऐसे बड़े समाधानों में बदलना है जो प्रभाव पैदा करें और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दें। हमारी प्रमुख पहलों में 'परियोजना पहल' शामिल है, जो वंचित महिलाओं को कपड़े के थैले, क्रोशिया की वस्तुएं और हमारी नवीनतम प्रस्तुति के रूप में पुराने डेनिम कपड़ों से पुनर्चक्रित उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण देकर उन्हें सशक्त बनाती है और वित्तीय स्वतंत्रता को बढ़ावा देती है। 'परियोजना चक्र' एक शून्य-कचरा पहल है जो नारियल के छिलकों जैसी अपशिष्ट सामग्रियों को संधारणीय हस्तनिर्मित उत्पादों में बदल देती है, जिससे पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करने के साथ-साथ कारीगरों को सहायता मिलती है। हम इस परियोजना के प्रभाव को बढ़ाने के लिए इसमें और अधिक अपशिष्ट सामग्रियों को जोड़ने की योजना भी बना रहे हैं। 'परियोजना सहायता' का उद्देश्य कारीगरों को आजीविका के अवसर प्रदान करके और सांस्कृतिक विरासत के बारे में जागरूकता फैलाकर मिट्टी के बर्तन, कठपुतली और लोक नृत्य जैसी पारंपरिक भारतीय कला रूपों को संरक्षित करना है।

अपनी पहुंच का विस्तार करने और अधिक से अधिक सार्वजनिक प्रभाव पैदा करने के लिए, इनेक्टस केशव महाविद्यालय नियमित रूप से महाविद्यालय के उत्सवों और साकेत के सिलेक्ट सिटी वॉक जैसे प्रसिद्ध स्थानों पर स्टॉल लगाता है। हमारा वार्षिक प्रमुख कार्यक्रम 'इनेक्टोविज़न 3.0', उद्यमिता, नवाचार और सामाजिक जिम्मेदारी का एक उत्सव था। इस संस्करण में इनेक्टस केशव महाविद्यालय से जुड़े समुदायों के लिए एक समर्पित कौशल-निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया था, जिसमें डिजिटल मार्केटिंग, वित्तीय साक्षरता और इन्वेंट्री प्रबंधन पर सत्र शामिल थे ताकि उन्हें आधुनिक व्यावसायिक दुनिया की मांगों के अनुकूल होने में मदद मिल सके। इस कार्यक्रम ने कारीगरों और समुदाय के सदस्यों को अपने उत्पादों और सेवाओं को प्रस्तुत करने के लिए एक मंच के रूप में भी काम किया, जिसमें कपड़े के थैले, क्रोशिया के उत्पाद, मिट्टी के बर्तन और बालों की चोटी गूंथना शामिल था, जिससे उन्हें व्यापक अनुभव प्राप्त हुआ और उपभोक्ताओं के साथ सीधे बातचीत करने का अवसर मिला। 'इनेक्टोविज़न 3.0' जैसी पहलों के माध्यम से, हम समुदायों की प्रतिभाओं को पहचानकर, आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित करके और उन्हें आज की बदलती दुनिया में विकास के लिए आवश्यक व्यावहारिक कौशलों से लैस करके निरंतर उनका उत्थान और सशक्तिकरण कर रहे हैं।

11.2.10. निवेश: वित्त एवं निवेश प्रकोष्ठ

दिल्ली विश्वविद्यालय के केशव महाविद्यालय का वित्त और निवेश प्रकोष्ठ 'निवेश', जिसकी स्थापना 2017 में हुई थी, छात्रों द्वारा संचालित एक पहल है जो वित्तीय साक्षरता, आर्थिक जागरूकता और निवेश का ज्ञान प्रदान करके वित्त क्षेत्र को बढ़ावा देने पर

केंद्रित है। अपने मार्गदर्शक सिद्धांत "एक समझदार कल के लिए आज दिमाग का निवेश" पर चलते हुए, यह प्रकोष्ठ उद्देश्यपूर्ण सीखने और समग्र विकास में विश्वास रखता है। निवेश में पूरे कार्यकाल के दौरान ऐसा वातावरण बना रहे, यह सुनिश्चित करने के लिए हम नियमित रूप से सामूहिक चर्चाओं का आयोजन करते हैं जिसमें समसामयिक मामले, वित्तीय संकट, पोर्टफोलियो प्रबंधन और वैकल्पिक निवेश जैसे विभिन्न वित्तीय पहलू शामिल होते हैं। व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने के लिए, हम व्यापारिक प्रतियोगिताओं और शेयर बाजार के सिमुलेशन आयोजित करने का भी प्रयास करते हैं। ऐसी पहलों की मदद से, उद्योग के विशेषज्ञों के साथ बातचीत करके और इक्विटी अनुसंधान करके; सदस्य वित्त के क्षेत्र में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करते हैं।

निवेश का प्रमुख कार्यक्रम 'अर्थव्यवस्था 26' का आयोजन 17 मार्च, 2026 को किया गया था। इस वर्ष, यह कार्यक्रम "अदृश्य ऋण का दृश्य प्रभाव: ऋण अर्थशास्त्र को आकार देने वाली छिपी हुई वास्तुकला" विषय पर केंद्रित था। कार्यक्रम की शुरुआत एक संवादात्मक वक्ता सत्र के साथ हुई, जिसमें एफआईडीसी इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और बीएफएसआई समिति के सह-अध्यक्ष श्री रमन अग्रवाल शामिल हुए, जिन्होंने वित्तीय क्षेत्र में अपने कार्यक्षेत्र से संबंधित बहुमूल्य विचार साझा किए। इसके बाद 'अर्थव्यवस्था 26' में आयोजित संवादात्मक प्रतियोगिताएं हुईं; इस वर्ष हमने 'कैपिटल कमिट' को प्रदर्शित किया जहाँ पूंजी आवंटन की प्रतिबद्धताओं ने परिणामों को परिभाषित किया, और 'डिफ़ॉल्ट कॉन्वेक्सिटी' जो बॉन्ड बाजारों, सीडीओ और सीडीएस का एक सिमुलेशन था।

11.2.11. पूर्व छात्र संघ

किसी भी संस्थान के विकास के लिए उसके पूर्व छात्रों के साथ एक मजबूत बंधन होना अत्यंत महत्वपूर्ण है। केशव महाविद्यालय को अपने उन पूर्व छात्रों पर गर्व है जिन्होंने जीवन के हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। हालांकि सभी कर्मचारी हमारे पूर्व छात्रों के साथ अच्छी तरह से जुड़े हुए हैं, फिर भी महाविद्यालय ने एक पूर्व छात्र संघ शुरू करने और महाविद्यालय में पूर्व छात्र मिलन समारोह आयोजित करने के प्रयास किए हैं। इस मिलन समारोह के दौरान, पूर्व छात्र अपने महाविद्यालय के दिनों की यादें और अनुभव साझा करते हैं, और अपने पूर्व साथियों तथा शिक्षकों के साथ भाईचारे का उत्सव मनाते हैं। इसके अतिरिक्त, कई पूर्व छात्र उदारतापूर्वक वर्तमान छात्रों को व्यावहारिक प्रशिक्षण के अवसर भी प्रदान करते हैं, जिससे यह कार्यक्रम और अधिक समृद्ध हो जाता है।

11.2.12. केशव महाविद्यालय छात्र संघ (केएमवीएसयू)

शैक्षणिक वर्ष 2025-26 में, केशव महाविद्यालय में नए छात्र संघ की स्थापना देखी गई, जिसे 18 सितंबर 2025 को आयोजित एक निष्पक्ष और पारदर्शी मतदान प्रक्रिया के माध्यम से लोकतांत्रिक रूप से चुना गया था। इस कार्यकाल के लिए चुने गए पदाधिकारी श्री मोहित कुमार (अध्यक्ष), श्री दास शांतनु (उपाध्यक्ष), श्री जितेन्द्र (सचिव), श्री अभिमन्यु जिंदल (केंद्रीय परिषद सदस्य), श्री भविष कुमार (केंद्रीय परिषद सदस्य) और सुश्री परी कुमारी (संयुक्त सचिव) थे।

छात्र समुदाय की आवाज के रूप में कार्य करते हुए, संघ ने एक जीवंत परिसर वातावरण तैयार करने के लिए प्राचार्य, संकाय सदस्यों और छात्रों के साथ मिलकर काम किया। इस परिषद ने सांस्कृतिक समिति के समन्वय से नवागंतुक स्वागत समारोह, वार्षिक उत्सव और विदाई समारोह सहित प्रमुख शैक्षणिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे

सभी के लिए यादगार अनुभव बने। इस वर्ष का एक मुख्य आकर्षण 'केशव संवाद' के पहले संस्करण की शुरुआत थी, जो वाग्मिता वाद-विवाद समिति के सहयोग से आयोजित एक हिंदी अंतर-महाविद्यालयी वाद-विवाद प्रतियोगिता थी, जिसने महाविद्यालय की प्रतिष्ठा को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाया। इसके अतिरिक्त, संघ ने राष्ट्रीय युवा दिवस पर 'युवा सशक्तिकरण और राष्ट्र निर्माण पर स्वामी विवेकानंद का दृष्टिकोण' शीर्षक से एक संगोष्ठी का आयोजन किया, जिसने छात्रों को सामाजिक जिम्मेदारी स्वीकार करने के लिए प्रेरित किया।

मजबूत नेतृत्व और छात्र कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करते हुए, संघ ने वित्तीय कठिनाइयों का सामना कर रहे एक छात्र के लिए शुल्क माफी की सुविधा भी सफलतापूर्वक प्रदान की। अपने समर्पित प्रयासों के माध्यम से, यह छात्र परिषद महाविद्यालय के इतिहास में सबसे सक्रिय और छात्र-केंद्रित निकायों में से एक बनकर उभरी, जिसने केशव महाविद्यालय में भविष्य के छात्र नेतृत्व के लिए एक उल्लेखनीय मानदंड स्थापित किया।

11.2.13. उत्तर पूर्व छात्र प्रकोष्ठ

एक भारत श्रेष्ठ भारत पहल के हिस्से के रूप में, महाविद्यालय के उत्तर पूर्व छात्र प्रकोष्ठ ने भारत के उत्तर पूर्वी क्षेत्र के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से कार्यक्रमों का आयोजन किया, जो अपनी समृद्ध जैव विविधता और स्थानीय वनस्पतियों तथा जीवों की विविध श्रेणियों के लिए प्रसिद्ध है। विश्व आर्द्रभूमि दिवस के उपलक्ष्य में एक विशेष संवादात्मक वार्ता आयोजित की गई थी, जिसका शीर्षक था "आर्द्रभूमि, जैव विविधता और जलवायु परिवर्तन: हमें परवाह क्यों करनी चाहिए?"।

11.2.14. कांसुलेन्ज़ा: परामर्श और प्रशिक्षण प्रकोष्ठ

मनोविज्ञान विभाग का परामर्श और प्रशिक्षण प्रकोष्ठ, 'कांसुलेन्ज़ा', मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने और इस विषय के विभिन्न उप-क्षेत्रों में अंतर्दृष्टि प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस प्रकोष्ठ ने 9 और 10 अक्टूबर 2025 को आयोजित 'साइकेयर 2025' के साथ विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया। पहले दिन दो विशेषज्ञ सत्र शामिल थे, जिसमें सुश्री तनीषा ढींगरा द्वारा लैंगिक पहचान और समलैंगिक सकारात्मक चिकित्सा को शामिल किया गया, तथा सुश्री विधि घई द्वारा काम टालने के मनोविज्ञान पर चर्चा की गई। दूसरे दिन करुणा मंडली और आत्म-प्रेम गतिविधि श्रृंखला के माध्यम से आत्म-सहानुभूति पर ध्यान केंद्रित किया गया, जहाँ छात्रों ने शांति के लिए रंग भरने, आत्म-देखभाल खेल और इंद्रधनुषी रंगों से सजे गुब्बारे फोड़ने जैसी गतिविधियों में भाग लिया। 20 मार्च 2026 को, प्रकोष्ठ ने अंतर्राष्ट्रीय प्रसन्नता दिवस मनाया, जिसके तहत मंडला कला, एक सामूहिक प्रसन्नता बोर्ड और वर्तमान भावनात्मक स्थितियों को दर्शाने वाले एक मूड बोर्ड सहित गतिविधियों के एक गर्मजोशी से भरे और समावेशी समूह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पूर्व प्राचार्या प्रोफेसर मधु प्रूथी और कार्यवाहक प्राचार्या प्रोफेसर अर्पणा शर्मा ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जिनकी उत्साही भागीदारी ने इस उत्सव में गर्मजोशी और प्रोत्साहन बढ़ाया, जिससे यह छात्रों और शिक्षकों दोनों के लिए दैनिक दिनचर्या से हटकर एक सार्थक विश्राम बन गया।

11.2.15. इंटर्नशिप प्रकोष्ठ

केशव महाविद्यालय का इंटर्नशिप प्रकोष्ठ छात्रों को व्यावसायिक अवसरों से जोड़ता है। इस प्रकोष्ठ ने 2025–26 के शैक्षणिक सत्र के दौरान वित्त, विपणन, अनुसंधान, मीडिया, मानव संसाधन और प्रौद्योगिकी जैसे विभिन्न क्षेत्रों में 350+ से अधिक छात्रों का पंजीकरण किया और 120+ से अधिक सशुल्क इंटर्नशिप के अवसर प्रदान किए, जिससे छात्रों को मूल्यवान व्यावहारिक अनुभव और कौशल विकास का लाभ मिला। इसके अतिरिक्त, इसने छात्रों को इंटर्नशिप और साक्षात्कार के लिए तैयार करने में मदद करने के उद्देश्य से "इंटर्नशिप परिप्रेक्ष्य" कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें "इंटर्नशिप और साक्षात्कार में सफलता" सत्र शामिल था, जिससे उनके करियर के विकास को बढ़ावा मिला।

11.2.16. जेंडर चैंपियन प्रकोष्ठ

केशव महाविद्यालय की लैंगिक समानता इकाई परिसर में लैंगिक समानता, समावेशिता और पारस्परिक सम्मान को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। इस मिशन को पूरा करने के लिए, यह इकाई पूरे शैक्षणिक वर्ष में नियमित रूप से प्रभावशाली कार्यक्रमों और जागरूकता अभियानों का आयोजन करती है। इन पहलों में शपथ ग्रहण समारोह शामिल हैं जो छात्रों को अपने दैनिक जीवन में लैंगिक समानता का सक्रिय रूप से समर्थन और वकालत करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। इसके साथ ही पोस्टर बनाने जैसी रचनात्मक प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जाता है, जिन्हें दृश्य कला के माध्यम से लैंगिक समानता के बारे में जागरूकता बढ़ाने और चर्चा शुरू करने के लिए तैयार किया गया है। इन निरंतर गतिविधियों के माध्यम से, यह इकाई पूरे छात्र समुदाय के लिए एक सुरक्षित, सहायक और प्रगतिशील वातावरण बनाने का लगातार प्रयास करती है।

इस दिशा में 1 अक्टूबर 2025 को "समानता भित्तिचित्र बोर्ड: रूढ़िवादिता को तोड़ें!" नामक एक संवादात्मक कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमें महाविद्यालय के छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस पहल के तहत छात्रों को बड़ी सफेद चादरों पर उन रूढ़ियों को लिखने या चित्रित करने के लिए आमंत्रित किया गया था जिन्हें वे तोड़ना चाहते थे। धीरे-धीरे यह प्रयास एक जीवंत सामूहिक कलाकृति में बदल गया। प्रत्येक योगदान में लैंगिक पूर्वाग्रहों को चुनौती देने और समावेशिता, सम्मान तथा समान अधिकारों की वकालत करने वाला एक सशक्त संदेश था। इस गतिविधि ने न केवल आत्म-अभिव्यक्ति और रचनात्मकता को प्रोत्साहित किया, बल्कि परिसर में समानता को बढ़ावा देने के प्रति छात्रों की सामूहिक प्रतिबद्धता को भी रेखांकित किया।

"Only Knowledge can provide salvation"

11.3. सांस्कृतिक समितियां

केशव महाविद्यालय में, छात्रों को महाविद्यालय के भीतर और अंतर-विश्वविद्यालय स्तर पर सांस्कृतिक गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला में सक्रिय भागीदारी के माध्यम से नेतृत्व, रचनात्मकता और प्रबंधकीय कौशल विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। सांस्कृतिक समिति, महाविद्यालय की विभिन्न सांस्कृतिक समितियों के सहयोग से, पूरे शैक्षणिक वर्ष में विविध कार्यक्रमों और पहलों के आयोजन और प्रचार-प्रसार में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जिससे एक ऐसा वातावरण तैयार होता है जो प्रतिभा, सहयोग और समग्र विकास को बढ़ावा देता है।

11.3.1. अद्वैता: पाश्चात्य नृत्य सोसाइटी

केशव महाविद्यालय की पाश्चात्य नृत्य समिति, अद्वैता की स्थापना वर्ष 2012-2013 में हुई थी। इस समिति का उद्देश्य छात्रों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करना है।

11.3.2. नृत्यांग: भारतीय नृत्य सोसाइटी

नृत्यंग केशव महाविद्यालय की उभरती हुई सांस्कृतिक समितियों में से एक है। इस समिति का उद्देश्य अपनी भारतीय जड़ों के प्रति सच्चे रहकर और भारतीय नृत्य में शामिल होकर छात्रों और उभरते कलाकारों को सीखने का एक बेहतरीन अनुभव और मंच प्रदान करना है, चाहे वह लोक नृत्य हो या शास्त्रीय नृत्य रूप।

11.3.3. शेड्स: नाट्य समिति

शेड्स केवल एक नाट्य समिति नहीं है, बल्कि एक ऐसा परिवार है जो नुक्कड़ नाटकों, मूक अभिनय, मंच प्रस्तुतियों और लघु फिल्मों के माध्यम से उत्साही और रचनात्मक लोगों को एक साथ लाता है। यह अभिनेताओं, लेखकों, निर्देशकों और मंच के पीछे काम करने वाले कलाकारों को एक साथ सीखने, प्रदर्शन करने और आगे बढ़ने का मंच प्रदान करता है। महत्वपूर्ण सामाजिक

मुद्दों पर अपने दमदार नुक्कड़ नाटकों के लिए प्रसिद्ध, शेड्स ने पिछले कुछ वर्षों में एक मजबूत विरासत बनाई है और देश भर के प्रतिष्ठित संस्थानों में कई प्रतियोगिताएं जीतकर गौरव हासिल किया है।

11.3.4. अनहद: संगीत समिति

केशव महाविद्यालय की यह ऊर्जावान संगीत समिति सांस्कृतिक विविधता और कलात्मक अभिव्यक्ति की लय से स्पंदित होती है। तीन विशिष्ट लेकिन सुरीले भागों से मिलकर बनी हमारी समिति संगीत की एकता के सार को दर्शाती है। इसका 'भारतीय गायन समूह' उन समृद्ध धुनों और पारंपरिकलयों को गुंजाता है जो हमारी विरासत के गलियारों में प्रतिध्वनित होती हैं। वहीं दूसरी ओर, 'पाश्चात्य वाद्य-रहित गायन समूह' समकालीन शैली और स्वर की सटीकता को सामने लाता है जो अपनी भावपूर्ण सुरीली धुनों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देता है। अंत में, हमारा 'बैंड' खंड अपनी अदम्य ऊर्जा और वाद्य कौशल के साथ मंच पर बिजली सा बिखेर देता है, और सीमाओं से परे जाने वाली धुनों को एक साथ पिरोता है। हम सब मिलकर प्रतिभा, जुनून और रचनात्मकता की एक संगीतमय स्वर-लहरी बनाते हैं, जो हमारे महाविद्यालय समुदाय और उससे आगे के संगीतमय परिदृश्य को समृद्ध करती है।

11.3.5. वाग्मिता: वाद-विवाद समिति

महाविद्यालय की यह द्विभाषी वाद-विवाद समिति केवल सार्वजनिक रूप से बोलने का एक मंच नहीं है; यह अभिव्यक्ति, आलोचनात्मक सोच और सार्थक संवाद का एक स्थान है। अपने नाम 'वाग्मिता' की भावना के अनुरूप, यह समिति आत्मविश्वासी वक्ताओं, स्वतंत्र विचारकों और सामाजिक रूप से जागरूक व्यक्तियों को तैयार करने का प्रयास करती है। पारंपरिक वाद-विवाद प्रारूपों के साथ-साथ पाला बदलने वाली और संसदीय वाद-विवाद जैसी गतिशील शैलियों के माध्यम से, यह समिति लगातार विमर्श और रचनात्मकता की सीमाओं को आगे बढ़ाती है। यह समिति अपने सदस्यों को मानदंडों पर सवाल उठाने, विविध दृष्टिकोणों को समझने और महत्वपूर्ण मुद्दों पर निडर होकर बोलने के लिए प्रोत्साहित करती है।

11.3.6. वाग्मिता: काव्य समिति

वर्ष 2012 में स्थापित वाग्मिता, महाविद्यालय की काव्य समिति है जो वाकपटुता और अभिव्यक्ति की कला को समर्पित है। यह एक ऐसे जीवंत समुदाय की कल्पना करती है जहाँ विभिन्न भाषाई और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के छात्र कविता का उत्सव मनाने के लिए एक साथ आते हैं। यह समिति कविता के माध्यम से रचनात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ावा देती है, और छात्रों को अपनी रचनाएँ साझा करने, प्रतिक्रिया प्राप्त करने तथा सार्थक चर्चाओं में शामिल होने के लिए एक सहायक मंच प्रदान करती है। दिल्ली के काव्य जगत में सबसे प्रमुख काव्य समितियों में से एक मानी जाने वाली वाग्मिता, पूरे सत्र के दौरान कई प्रतियोगिताओं में भाग लेती है और अत्यधिक सम्मानित है। वाग्मिता विभिन्न काव्य कार्यक्रमों और कार्यशालाओं का आयोजन करती है, जिसमें महाविद्यालय के वार्षिक उत्सव 'ट्रिस्ट' के दौरान प्रतियोगिताएं और वार्षिक ओपन-माइक कार्यक्रम 'जश्न-ए-अदीब' शामिल हैं, जो हिंदी, अंग्रेजी और उर्दू कविता के लिए एक समावेशी वातावरण को बढ़ावा देते हैं।

11.3.7. मनिएरा: कला समिति

मनिएरा, जिसका नाम "शैली" या "तौर-तरीके" के लिए इतालवी शब्द से लिया गया है, कला के प्रति रचनात्मकता, अभिव्यक्ति और प्रशंसा को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हमारा उद्देश्य एक ऐसा जीवंत केंद्र बनना है जहाँ छात्र चित्रकला, मिट्टी की कला, रेखाचित्र और शिल्प सहित विभिन्न कलात्मक रूपों का पता लगा सकें। हमारे उद्देश्यों में कार्यशालाओं और सहयोगी परियोजनाओं के माध्यम से प्रतिभा को निखारना, प्रदर्शनियों और संवादात्मक कार्यक्रमों के माध्यम से सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देना और रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच तथा आत्म-अभिव्यक्ति पर जोर देकर व्यक्तिगत विकास को बढ़ाना शामिल है। मनिएरा केवल एक समिति नहीं है; यह कला के प्रति जुनून और रचनात्मकता को अपनाकर, संवाद को बढ़ावा देकर तथा विविधता का उत्सव मनाकर एक सकारात्मक प्रभाव पैदा करने के लिए प्रतिबद्ध कलाकारों का एक समुदाय है।

11.3.8. इलुमिनाती: छायाचित्रण समिति

केशव महाविद्यालय की छायाचित्रण समिति ने अपनी यात्रा अगस्त 2014 में शुरू की थी। युवा छायाचित्रण प्रेमियों के एक छोटे से समूह के रूप में जो शुरू हुआ था, वह आज परिसर की सबसे गतिशील और सक्रिय समितियों में से एक बन चुका है। केशव महाविद्यालय की जीवंत भावना को संजोने के लिए प्रतिबद्ध, यह समिति महाविद्यालय के जीवन को आकार देने वाले यादगार पलों और कार्यक्रमों का दस्तावेजीकरण करने के लिए लगातार प्रयास करती है।

11.3.9. नक्श: भारतीय परिधान और संस्कृति समिति

नक्श ने सफल फैशन शो, आकर्षक प्रदर्शनों और अंतर-महाविद्यालयी प्रतियोगिताओं में मजबूत भागीदारी के माध्यम से उत्कृष्टता हासिल की है। दिल्ली विश्वविद्यालय के फैशन जगत में यह एक जीवंत और सक्रिय समिति है। यह समिति अपने सदस्यों को सोशल मीडिया पर आगे बढ़ने में मदद करती है, जिसके लिए वह कार्यक्रमों के लिए सामग्री, मॉडलिंग और फैशन-डिजाइनिंग के बुनियादी सिद्धांतों पर सत्र आयोजित करने के साथ-साथ मॉडलिंग प्रशिक्षण, सोशल मीडिया प्रबंधन मार्गदर्शन और पोर्टफोलियो-निर्माण में सहायता प्रदान करती है। यह अपने पूरे काम में कला और कलात्मक अभिव्यक्ति को रेखांकित करती है। इसका वार्षिक विषय एक सामाजिक कारण पर केंद्रित होता है और इसने कई अंतर-महाविद्यालयी प्रतियोगिताओं को जीता है। यह दान कार्यक्रमों के माध्यम से सामाजिक कारणों को भी आगे बढ़ाती है, और स्थिरता तथा समावेशिता की वकालत करती है।

11.4. वार्षिक सह-पाठ्यचर्या गतिविधियाँ

11.4.1. अभिविन्यास दिवस (ओरिएंटेशन डे)

नए छात्रों का केशव परिवार में स्वागत करने के लिए शैक्षणिक सत्र के पहले दिन एक अभिविन्यास दिवस का आयोजन किया जाता है। विद्यालयों के बंद और परिचित वातावरण से निकलकर महाविद्यालय में आना छात्रों के भीतर बहुत अधिक चिंता पैदा कर सकता है। इसलिए, नए छात्रों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रमों को उन्हें उनके नए परिवेश से परिचित कराने और उनका मार्गदर्शन करने के लिए तैयार किया गया है, और यह शिक्षकों को भी अपने परिवार के सबसे नए सदस्यों से मिलने का एक अवसर प्रदान करता है।

11.4.2. नवागंतुक स्वागत समारोह (फ्रेशर्स वेलकम)

एक नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत प्रथम वर्ष के छात्रों का केशव परिवार में गर्मजोशी से स्वागत करके की जाती है। नवागंतुक स्वागत समारोह का आयोजन एक मैत्रीपूर्ण और समावेशी वातावरण बनाने के लिए किया जाता है जहाँ नए छात्र अपने वरिष्ठ छात्रों के साथ बातचीत कर सकें, सार्थक संबंध बना सकें और अपनेपन की भावना महसूस कर सकें। यह कार्यक्रम छात्रों के भीतर रचनात्मकता, आत्म-अभिव्यक्ति और आत्मविश्वास को प्रोत्साहित करने के लिए एक मंच के रूप में भी कार्य करता है क्योंकि वे महाविद्यालय में अपनी यात्रा शुरू करते हैं। यह उत्सव प्रतियोगिता के माध्यम से आने वाले बैच की प्रतिभा और उत्साह को और रेखांकित करता है। इस वर्ष, मिस्टर फ्रेशर का खिताब भारत मिश्रा (बैचलर ऑफ साइंस फिजिकल साइंसेज) को दिया गया, जबकि शिवांश शाह चावला (बैचलर ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज) ने उपविजेता (पुरुष) का स्थान हासिल किया। मिस फ्रेशर का खिताब मानसी (बैचलर ऑफ साइंस ऑनर्स कंप्यूटर साइंस) को प्रदान किया गया और गौरांगी शर्मा (बैचलर ऑफ साइंस मैथमैटिकल साइंसेज) को उपविजेता (महिला) घोषित किया गया।

11.4.3. सांस्कृतिक समिति की गतिविधियां

केशव महाविद्यालय में शैक्षणिक सत्र सांस्कृतिक, बौद्धिक और पाठ्येतर गतिविधियों की एक जीवंत श्रृंखला द्वारा चिह्नित था जो छात्र समुदाय के उत्साह, रचनात्मकता और सहयोगात्मक भावना को दर्शाता है। पूरे वर्ष के दौरान, महाविद्यालय ने कई यादगार कार्यक्रमों का आयोजन किया, जिन्होंने न केवल छात्रों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए मंच प्रदान किया बल्कि बातचीत, नेतृत्व, रचनात्मकता और बौद्धिक विकास को भी बढ़ावा दिया। इन आयोजनों ने छात्रों के बीच एकता और अपनेपन की भावना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया और परिसर के जीवन को ऊर्जा और उत्साह से समृद्ध किया।

सत्र की शुरुआत नवागंतुक स्वागत समारोह के साथ हुई, जो नए प्रवेश पाने वाले छात्रों का केशव परिवार में गर्मजोशी से स्वागत करने के लिए आयोजित किया गया था। इस जुड़ाव की भावना को आगे बढ़ाते हुए, महाविद्यालय ने छात्र संघ और वाग्मिता वाद-विवाद समिति द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित संसदीय वाद-विवाद प्रतियोगिता और प्रशिक्षु निर्णायक प्रतियोगिता के उद्घाटन संस्करण के सफल आयोजन के माध्यम से बौद्धिक विमर्श को और बढ़ावा दिया। परिसर के जीवन में और अधिक जीवंतता जोड़ते हुए, केशव महाविद्यालय के वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव 'ट्रिस्ट 2026' ने परिसर को कला, संस्कृति, संगीत, नृत्य, नाटक, साहित्य और परिधान के एक जीवंत उत्सव में बदल दिया। इस उत्सव ने छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता प्रदर्शित करने का एक गतिशील मंच प्रदान किया। शैक्षणिक सत्र का समापन 19 जून 2026 को अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए आयोजित विदाई समारोह के साथ हुआ। इस अवसर पर समारोह के दौरान अंश जुनेजा और नैन्सी गुप्ता (बैचलर ऑफ साइंस ऑनर्स कंप्यूटर साइंस) को मिस्टर और मिस केशव के रूप में सम्मानित किया गया।

सामूहिक रूप से, इन कार्यक्रमों ने संस्थान के सांस्कृतिक और बौद्धिक वातावरण को समृद्ध करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। छात्रों को शिक्षा से परे सक्रिय रूप से शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करके, उन्होंने आत्मविश्वास, टीम वर्क, संचार कौशल और रचनात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ावा दिया, जिससे केशव महाविद्यालय की गतिशील और समावेशी भावना परिलक्षित होती है।

11.4.4. केशव संवाद

केशव महाविद्यालय के छात्र संघ और वाग्मिता वाद-विवाद समिति ने 7 और 8 अप्रैल, 2026 को केशव संवाद: संसदीय वाद-विवाद प्रतियोगिता और प्रशिक्षु निर्णायक प्रतियोगिता के उद्घाटन संस्करण का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस आयोजन ने संस्थान के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की, जिसने विभिन्न महाविद्यालयों के प्रतिभागियों को एक साथ लाया और आलोचनात्मक सोच, प्रभावशाली संचार तथा प्रतिस्पर्धी वाद-विवाद को बढ़ावा दिया। दिल्ली भर के 20 से अधिक संस्थानों की सक्रिय भागीदारी के साथ, केशव संवाद बौद्धिक विमर्श और सार्थक संवाद के लिए एक सफल मंच के रूप में उभरा।

11.4.5. ट्रिस्ट: वार्षिक उत्सव

केशव महाविद्यालय के वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव 'ट्रिस्ट 2026' ने परिसर को रचनात्मकता, प्रदर्शन और बौद्धिक जुड़ाव के एक जीवंत उत्सव में बदल दिया। दो दिवसीय उत्सव की शुरुआत एक उद्घाटन समारोह के साथ हुई, जिसने महाविद्यालय की समितियों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की एक विविध श्रृंखला के लिए मंच तैयार किया। शेड्स समिति ने 'बैठक' के माध्यम से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया, जिसमें नुक्कड़ नाटक और मूक अभिनय दोनों प्रतियोगिताएं शामिल थीं, जबकि इलुमिनाती ने पूरे उत्सव के दौरान प्रदर्शनियों और रचनात्मक प्रदर्शनों की मेजबानी की। नृत्यंग ने 'उत्थान' और 'मृदंग' के माध्यम से भारतीय नृत्य की भावना का उत्सव मनाया, और अद्वैता ने गतिशील पथ-प्रतिस्पर्धा और समूह-नृत्य प्रदर्शनों की विशेषता वाले 'आगाज़' और 'इनायत' के साथ परिसर को ऊर्जा से भर दिया।

उत्सव का संगीतमय माहौल अनहद के 'ख्याल', जो कि एक भारतीय शास्त्रीय संगीत प्रतियोगिता थी, और 'नोक्टर्न', जो कि एक पाश्चात्य वाद्य-रहित गायन प्रतियोगिता थी, के साथ जीवंत हो उठा। साहित्यिक और बौद्धिक अभिव्यक्ति को वाग्मिता काव्य समिति के 'इविन्स', 'कागज़' और 'इरशाद' के साथ-साथ वाग्मिता वाद-विवाद समिति के 'रिवर्टल' और 'खंडन' के माध्यम से एक मंच मिला, जिसने आलोचनात्मक सोच और प्रतिस्पर्धी वाद-विवाद को प्रोत्साहित किया। नक्श के 'एनवोग' ने परिधान और रचनात्मकता को रेखांकित किया, जबकि मनिएरा की चित्रकला प्रतियोगिताओं ने उत्सव में रंग और कलात्मक जीवंतता बिखेरी। इस उत्सव का समापन पहले दिन प्रसिद्ध कलाकार एनडी कुंडू और दूसरे दिन करुण की प्रस्तुतियों के साथ बेहद उत्साहजनक माहौल में हुआ, जिससे 'ट्रिस्ट 2026' प्रतिभा, सहयोग और सांस्कृतिक उत्कृष्टता का एक यादगार उत्सव बन गया।

11.4.6. वार्षिक दिवस

हमारे महाविद्यालय में वार्षिक दिवस के दौरान, जो कि एक पोषित परंपरा है, हम, केशव परिवार, अपने छात्रों की उत्कृष्ट उपलब्धियों को सम्मानित करने और उनका उत्सव मनाने के लिए एकत्रित होते हैं। यह समारोह विश्वविद्यालय की परीक्षाओं में महाविद्यालय के शीर्ष प्रदर्शन करने वाले छात्रों को मान्यता देता है और विभिन्न सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों के लिए स्थान प्राप्त करने वाले विजेताओं के योगदान की सराहना करता है।

11.4.7. खेल दिवस

हर साल, हमारा महाविद्यालय एक जीवंत खेल दिवस की मेजबानी करता है, जिसमें छात्रों, शिक्षण कर्मचारियों और गैर-शिक्षण संकाय सदस्यों द्वारा खेलों की एक विस्तृत श्रृंखला में उत्साही भागीदारी देखी जाती है। हमारे छात्र विभिन्न प्रतिस्पर्धी मंचों पर अपने कौशल और खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय, राज्य और अंतर-महाविद्यालयी प्रतियोगिताओं जैसे कि निशानेबाजी, बॉल बैडमिंटन, कॉर्फबॉल, तैराकी, टेबल टेनिस, बास्केटबॉल, नेटबॉल, एथलेटिक्स, वॉलीबॉल, क्रिकेट, फुटबॉल और कबड्डी में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं।

11.4.8. विदाई समारोह (फेयरवेल)

जैसे ही स्नातक की यात्रा अपने समापन के करीब पहुंचती है, कनिष्ठ छात्र राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत 4वें वर्ष के छात्रों को एक हार्दिक विदाई समारोह के साथ विदा करते हैं। यह एक मर्मस्पर्शी विदाई के रूप में कार्य करता है, जो हमारे प्रस्थान करने वाले छात्रों के समृद्ध भविष्य की कामना करता है। हमारा महाविद्यालय प्रशंसा के एक प्रतीकात्मक प्रतीक के साथ अपना स्नेह और शुभकामनाएं व्यक्त करता है। महाविद्यालय के भीतर की सांस्कृतिक समितियां अपने वरिष्ठों को प्यार भरी विदाई देने के लिए प्रस्तुतियों का आयोजन करती हैं, जिससे भाईचारे और साझा अनुभवों की पोषित यादें बनती हैं।

11.5. विभागीय सोसाइटियाँ

11.5.1. ब्लिट्ज: कंप्यूटर विज्ञान सोसाइटी

ब्रिलियंट इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी ज़ीलट्स (ब्लिट्ज) कंप्यूटर विज्ञान विभाग, केशव महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय की विभागीय सोसाइटी है। ब्लिट्ज नवाचार एवं तकनीकी उत्कृष्टता के प्रतीक के रूप में निरंतर खड़ी है। यह एक ऐसा मंच प्रदान करती है जहाँ विद्यार्थी कक्षाओं से परे सक्रिय रूप से अधिगम में संलग्न होते हैं। ज्ञानवर्धक संगोष्ठियों, व्यावहारिक कार्यशालाओं, आकर्षक चर्चाओं एवं वार्षिक तकनीकी उत्सव जैसी विविध गतिविधियों के माध्यम से, सोसाइटी तार्किक, तकनीकी एवं रचनात्मक चिंतन के साथ-साथ कौशल विकास का भी समर्थन करती है। ब्लिट्जक्रीग, वार्षिक तकनीकी उत्सव, विद्यार्थियों के लिए विभिन्न आयोजनों के माध्यम से अपने तकनीकी एवं तार्किक कौशल प्रदर्शित करने हेतु एक अवसर एवं प्रेरणा दोनों के रूप में कार्य करता है। हमारी पूर्व प्राचार्य प्रो. मधु प्रुथी एवं संकाय सदस्यों के निरंतर मार्गदर्शन तथा ब्लिट्ज के सदस्यों के समर्पित प्रयासों के साथ, सोसाइटी अपने "सिलिकॉन माइंड्स, सर्किटेड हार्ट्स" के भाव को साकार रूप देती है। यह न केवल शैक्षणिक विकास, अपितु सहयोग, नेतृत्व एवं सामुदायिक भावना को भी बढ़ावा देती है। ब्लिट्ज ने सफलतापूर्वक एक ऐसा वातावरण निर्मित किया है जहाँ नवाचार फलता-फूलता है तथा विचार वास्तविकता में परिवर्तित होते हैं।

सत्र 2025-2026 के दौरान पूरे वर्ष कई आयोजन किए गए, अर्थात् शोध-प्रबंध एवं शैक्षणिक परियोजना कार्य पर एक अभिमुखीकरण सत्र, यूआई/यूएक्स डिज़ाइन पर एक कार्यशाला, एक कोडिंग प्रतियोगिता कोड वर्स, तथा बिज़न्यूरो.एआई के संस्थापक एवं सीईओ डॉ. मनीष गुप्ता द्वारा 'एजेंटिक एआई: ऑटोनॉमस सिस्टम्स, एआई एजेंट्स एंड द फ्यूचर ऑफ इंटेलिजेंस' पर एक वार्ता। 'गिट एंड गिटहब बूटकैंप', 'फ्रॉम यूआरएल टू वेबपेज', 'इंटर्नशिप्स - व्हाट कंपनीज़ एक्सपेक्ट' एवं 'नैचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग' जैसे नवीनतम विषयों पर इन-हाउस वार्ताएँ विभाग के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों द्वारा आयोजित एवं प्रस्तुत की गईं। तकनीकी उत्सव ब्लिट्जक्रीग'26 के दौरान, 'क्लाउड कंप्यूटिंग रीविज़िटेड: एजेंटिक एआई एप्रोच' पर एक वार्ता मुख्य अतिथि प्रो. राहुल जौहरी, प्रोफेसर, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तुत की गई। एलेवन्स लॉजिक लैब (क्विज़), बिटवीन द 2 वर्ल्ड्स (वाद-विवाद), अपसाइड शोडाउन (बीजीएमआई टूर्नामेंट), हॉकिंग्स हैक (हैकथॉन), एस्केप द अपसाइड डाउन (खजाना खोज) जैसे अन्य आयोजन किए गए, जहाँ विभिन्न महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया एवं प्रशंसा अर्जित की।

11.5.2. बिज़वर्ल्ड: वाणिज्य सोसाइटी

बिज़वर्ल्ड, केशव महाविद्यालय की वाणिज्य सोसाइटी, एक गतिशील मंच है जो विद्यार्थियों के बीच विश्लेषणात्मक चिंतन, व्यावसायिक कौशल, नेतृत्व एवं नवाचार को बढ़ावा देती है। प्रतियोगिताओं, वक्ता सत्रों एवं संवादात्मक आयोजनों के माध्यम से, सोसाइटी रचनात्मकता, रणनीतिक सोच और पेशेवर कुशलता को बढ़ाते हुए पढ़ाई और व्यावहारिक अनुभव के बीच की दूरी को कम करने का लक्ष्य रखती है।

पूर्व विद्यार्थी सत्र: बिज़वर्ल्ड को एक ज्ञानवर्धक पूर्व विद्यार्थी संवाद सत्र हेतु बीबी एंड एसोसिएट्स के प्रबंध भागीदार एवं एक्यूप्रो कंसल्टिंग के सह-संस्थापक श्री बलवान बंसल की मेज़बानी का सौभाग्य प्राप्त हुआ। कराधान, नियामक परामर्श एवं कॉर्पोरेट कंसल्टिंग में 15 वर्षों से अधिक के अनुभव के साथ, श्री बंसल ने स्टार्टअप्स, वेंचर कैपिटल फर्मों एवं उच्च-विकास उद्यमों के साथ व्यापक रूप से कार्य किया है, जिनमें आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की तैयारी कर रहे उद्यम भी शामिल हैं। उनकी व्यावसायिक यात्रा वित्तीय रणनीति, नियामक ढाँचों एवं विकसित होते स्टार्टअप परिवेश में सशक्त विशेषज्ञता को प्रतिबिंबित करती है।

एक चार्टर्ड अकाउंटेंट तथा इंडियन स्कूल ऑफ बिज़नेस (आईएसबी) एवं केशव महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय दोनों के एक विशिष्ट पूर्व विद्यार्थी, श्री बंसल का संवाद विद्यार्थियों के लिए विशेष महत्व रखता था। अपने व्यापक उद्योग अनुभव से प्रेरणा लेते हुए, उन्होंने उद्यमिता, वित्तीय नियोजन, कंसल्टिंग एवं तेज़ी से बदलते कॉर्पोरेट परिदृश्य पर बहुमूल्य अंतर्दृष्टि साझा की। उन्होंने सशक्त बुनियादी बातों के निर्माण, उद्योग परिवर्तनों के अनुरूप अनुकूलनीय बने रहने तथा शिक्षा से परे व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने के महत्व पर बल दिया।

इस सत्र ने विद्यार्थियों को सार्थक उद्योग दृष्टिकोण तथा वित्त, कंसल्टिंग एवं उद्यमिता के भीतर करियर अवसरों की गहरी समझ प्रदान की, साथ ही उन्हें आत्मविश्वास एवं स्पष्टता के साथ अपनी व्यावसायिक आकांक्षाओं को आगे बढ़ाने हेतु प्रेरित किया।

एरुडिशन'26 - स्टार्टअप स्टोरीज़: फ्रॉम आइडिया टू इनकम: बिज़वर्ल्ड, केशव महाविद्यालय की वाणिज्य सोसाइटी ने "स्टार्टअप स्टोरीज़: फ्रॉम आइडिया टू इनकम" विषय के अंतर्गत अपने प्रमुख वक्ता आयोजन एरुडिशन'26 का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस आयोजन ने महत्वाकांक्षी उद्यमियों, नवप्रवर्तकों एवं उन विद्यार्थियों को एक साथ लाया जो विचारों को सफल उद्यमों में बदलने की यात्रा के विषय में सार्थक अंतर्दृष्टि प्राप्त करने हेतु उत्सुक थे।

इस सत्र में ग्रोथ आइरिस की संस्थापक मेघा वर्मा एवं वॉलनट की सह-संस्थापक वत्सला अरोड़ा उपस्थित रहीं, जिन्होंने अपनी उद्यमशील यात्राओं पर प्रेरणादायक विचार साझा किए। आकर्षक चर्चाओं एवं व्यावहारिक अंतर्दृष्टि के माध्यम से वक्ताओं ने उद्यमिता की वास्तविकताओं को उजागर किया, जिनमें चुनौतियों पर विजय पाना, अनिश्चितता से निपटना एवं आधार से टिकाऊ व्यवसायों का निर्माण करना शामिल था। उनके अनुभवों ने आज के प्रतिस्पर्धी व्यावसायिक वातावरण में दृढ़ता, रचनात्मकता, अनुकूलनशीलता एवं रणनीतिक चिंतन के महत्व पर बल दिया।

ज्ञानवर्धक वार्तालापों एवं वास्तविक-जगत के दृष्टिकोणों के माध्यम से, एरुडिशन'26 ने विद्यार्थियों को नवाचार, महत्वाकांक्षा एवं उद्यमशील नेतृत्व की भावना को बढ़ावा देते हुए स्टार्टअप परिवेश का बहुमूल्य अनुभव प्रदान किया। इस आयोजन ने प्रतिभागियों को अपने विचारों को आत्मविश्वास, दूरदृष्टि एवं उद्देश्य के साथ अपनाने हेतु प्रेरित किया।

फ्लेजलिंग'26: बिज़वर्ल्ड, केशव महाविद्यालय की वाणिज्य सोसाइटी, ने फ्लेजलिंग'26 का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जो विद्यार्थियों के बीच नवाचार, विश्लेषणात्मक चिंतन एवं व्यावसायिक कौशल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इसका प्रमुख आयोजन था। विविध संस्थानों के प्रतिभागियों को एक साथ लाते हुए, इस आयोजन ने विपणन, रणनीति एवं वित्त के क्षेत्रों में बौद्धिक रूप से उत्तेजक प्रतियोगिताओं के माध्यम से अनुभवात्मक अधिगम हेतु एक गतिशील मंच प्रदान किया।

इस आयोजन में तीन विशिष्ट रूप से तैयार की गई प्रतियोगिताएँ थीं: 404: ब्रांड नॉट फाउंड, द ग्लोबल कंसोर्टियम एवं कैपिटल क्रूसिबल, जिनमें से प्रत्येक को प्रतिस्पर्धी व्यावसायिक वातावरण में प्रतिभागियों की रचनात्मकता, रणनीतिक अंतर्दृष्टि, अनुकूलनशीलता एवं निर्णय लेने की क्षमताओं का परीक्षण करने हेतु तैयार किया गया था।

अपनी विविध एवं बौद्धिक रूप से कठोर प्रतियोगिताओं के माध्यम से, फ्लेजलिंग'26 ने सफलतापूर्वक नवाचार, महत्वाकांक्षा एवं अनुभवात्मक अधिगम का वातावरण विकसित किया, जो रचनात्मकता, रणनीतिक अंतर्दृष्टि एवं व्यावसायिक उत्कृष्टता से सुसज्जित भावी नेताओं को संवारने के प्रति बिज़वर्ल्ड की प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करता है।

11.5.3. मेटामॉर्फोसिस: प्रबंधन अध्ययन सोसाइटी

मेटामॉर्फोसिस, बीएमएस की विद्यार्थी सोसाइटी, शैक्षणिक विकास, व्यावहारिक अधिगम एवं कौशल विकास को बढ़ावा देने में एक प्रमुख भूमिका निभाती है। विभाग विद्यार्थियों को नेतृत्व की भूमिकाओं में सक्रिय रूप से संलग्न होने एवं पहल करने हेतु प्रोत्साहित करता है, जिससे उन्हें अपनी प्रबंधकीय एवं संगठनात्मक क्षमताओं को सुदृढ़ करने में सहायता मिलती है।

सोसाइटी में सभी शैक्षणिक वर्षों के विद्यार्थी शामिल हैं, जिनका चयन स्क्रीनिंग एवं साक्षात्कार सहित एक संरचित प्रक्रिया के माध्यम से किया जाता है। कनिष्ठ सदस्यों को संकाय सदस्यों एवं वरिष्ठ विद्यार्थियों द्वारा परामर्श दिया जाता है, जिससे उन्हें आगामी वर्षों में अधिक उत्तरदायित्व निभाने हेतु तैयार किया जाता है।

विविध अधिगम अवसर प्रदान करने हेतु, सोसाइटी तीन समर्पित प्रकोष्ठों के माध्यम से संचालित होती है: इंसेप्टम (उद्यमिता प्रकोष्ठ), मार्केपीडिया (विपणन प्रकोष्ठ) एवं सर्वज्ञ (क्विज़िंग प्रकोष्ठ)। सदस्य विभिन्न आयोजनों एवं पहलों की संकल्पना करते हैं, उनका आयोजन करते हैं एवं उन्हें क्रियान्वित करते हैं, जिससे उन्हें वास्तविक-जगत की चुनौतियों का अनुभव प्राप्त होता है।

अंतर्विभागीय एवं अंतरविभागीय दोनों गतिविधियों में भागीदारी विद्यार्थियों को रणनीतिक नियोजन, संचार, वार्ता एवं समय प्रबंधन जैसे आवश्यक कौशल विकसित करने में सक्षम बनाती है। ये अनुभव उन्हें भविष्य में आत्मविश्वास के साथ व्यावसायिक माँगों को पूरा करने हेतु तैयार करते हैं।

शैक्षणिक वर्ष 2025-2026 के दौरान, मेटामॉर्फोसिस ने कई आयोजन सफलतापूर्वक किए, जिनमें सी2सी (फ्रॉम कैंपस टू करियर: द एलुमनाई पर्सपेक्टिव) के अनेक प्रकरण - एक ऑनलाइन पूर्व विद्यार्थी व्याख्यान श्रृंखला, एक इन-हाउस करियर मार्गदर्शन सत्र, श्री दीपक बजाज द्वारा "वैल्यू सेलिंग" पर एक वक्ता सत्र, तथा रणनीतिक वार्ता पर केंद्रित एक अंतर्विभागीय गतिविधि शामिल थी, जहाँ टीमों ने विश्लेषण किया, संसाधनों का आदान-प्रदान किया एवं एक विभागीय सेट पूर्ण करने हेतु सुविचारित निर्णय लिए। सोसाइटी ने केंद्रीय बजट पर एक सत्र की मेज़बानी भी की तथा कॉग्निज़ेंस का आयोजन किया, जो वार्षिक प्रबंधन उत्सव था जिसमें प्रमुख संस्थानों की भागीदारी के साथ अनेक प्रतिस्पर्धी आयोजन थे।

11.5.4. मॉड्यूलस: गणित सोसाइटी

गणित सोसाइटी 'मॉड्यूलस' ने विद्यार्थियों के बीच विश्लेषणात्मक चिंतन, रचनात्मकता एवं अनुसंधान-उन्मुख अधिगम को बढ़ावा देने वाली शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यचर्या गतिविधियों के आयोजन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जारी रखी। स्नातक विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के अवसरों एवं शैक्षणिक अनुसंधान मार्गों से परिचित कराने हेतु 29 अगस्त, 2025 को "अनुसंधान कार्य" पर एक अभिमुखीकरण सत्र आयोजित किया गया। डॉ. रजनी मेंदीरत्ता, सहायक प्रोफेसर, गणित विभाग, केशव महाविद्यालय ने विद्यार्थियों को स्नातक कार्यक्रम के अंतर्गत उपलब्ध विभिन्न अनुसंधान एवं शोध-प्रबंध अवसरों से परिचित कराया। सोसाइटी ने 30 सितंबर 2025 को एक "मैथमेटिकल रिले इवेंट" आयोजित किया, जहाँ विद्यार्थियों ने प्रसिद्ध भारतीय गणितज्ञों के जीवन एवं उपलब्धियों पर आधारित संवादात्मक गतिविधियों एवं चर्चाओं में भाग लिया। 27 जनवरी, 2026 को प्रो. आशीष बंसल, गणित विभाग, केशव महाविद्यालय द्वारा "LaTeX" पर एक व्यावहारिक कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला ने विद्यार्थियों को उपयोगी फॉर्मेटिंग तकनीकें सीखने एवं अपने तकनीकी कौशल में सुधार करने में सक्षम बनाया। 16 मार्च, 2026 को प्रो. समीर आनंद, शहीद सुखदेव कॉलेज ऑफ बिज़नेस स्टडीज़, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा "न्यूरल नेटवर्क्स: मैथमेटिकल एप्रोच टू मॉडर्न डेटा एनालिटिक्स" शीर्षक से एक ज्ञानवर्धक वक्ता सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र ने विद्यार्थियों को संवादात्मक चर्चाओं एवं व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डेटा विज्ञान एवं आधुनिक प्रौद्योगिकियों में गणित की भूमिका से परिचित कराया। विभाग ने अपनी वार्षिक पत्रिका "कंटिन्यूम 2026" भी प्रकाशित की, जिसने विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों को गणित से संबंधित लेख, पहेलियाँ, कविताएँ एवं आयोजन की मुख्य झलकियाँ साझा करने हेतु एक रचनात्मक मंच प्रदान किया। गतिविधियों का कैलेंडर 23 मार्च, 2026 को आयोजित वार्षिक विभागीय उत्सव मॉड्यूलस'26 के साथ संपन्न हुआ, जिसने सफलतापूर्वक गणित को रचनात्मकता, टीमवर्क एवं आनंददायक अधिगम अनुभवों के साथ जोड़ा।

11.5.5. इलेक्ट्रॉनिका: इलेक्ट्रॉनिक्स सोसाइटी

इलेक्ट्रॉनिका, विभाग की इलेक्ट्रॉनिक्स सोसाइटी, नियमित कार्यशालाएँ, व्याख्यान/संगोष्ठियाँ आयोजित करती है। नए विचारों एवं तकनीकी चिंतन को संवारने हेतु उद्योग विशेषज्ञों एवं प्रख्यात वैज्ञानिकों के साथ संवाद आयोजित किए जाते हैं। सोसाइटी विभागीय उत्सव 'इलेक्सोनिया', वार्षिक विभाग उत्सव आयोजित करती है। 2026 में, एक विभागीय उत्सव ने विभिन्न रोमांचक गतिविधियों एवं खेलों का प्रदर्शन किया, जिसने पूरे विश्वविद्यालय से प्रतिभागियों को आकर्षित किया। विभाग द्वारा क्लब फॉर एम्बेडेड सिस्टम्स एंड रोबोटिक्स (सीईएसएआर) संचालित किया जाता है, जो विद्यार्थियों को सीखने के साथ-साथ अपने स्वयं के नवोन्मेषी विचारों को क्रियान्वित करने में लाभान्वित करता है। यह एम्बेडेड सिस्टम्स एवं रोबोटिक्स के क्षेत्र में उनके कौशल को काफी

निखारता है। सीईएसएआर के साथ मिलकर, विद्यार्थी युवा मस्तिष्कों में नए कौशल विकसित करने हेतु विविध कार्यशालाएँ एवं तकनीकी आयोजन करते हैं।

11.5.6. कॉसमॉस: भौतिकी सोसाइटी

भौतिकी एक वैज्ञानिक एवं व्यवस्थित अध्ययन है, जो पदार्थ एवं ऊर्जा तथा स्थान एवं समय की प्रकृति को समझकर हमें ब्रह्मांड एवं अपने आसपास की दुनिया को समझने में मदद करती है। बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिकी कार्यक्रम के विषय-क्षेत्र के भीतर अध्ययन के मुख्य क्षेत्र हैं: चिरसम्मत एवं क्वांटम यांत्रिकी, विद्युत एवं चुंबकत्व, ऊष्मीय एवं सांख्यिकीय भौतिकी, तरंग सिद्धांत एवं प्रकाशिकी, आधुनिक भौतिकी, डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक्स तथा गणितीय भौतिकी की विशिष्ट विधियाँ एवं विषय की विभिन्न शाखाओं में उनके अनुप्रयोग। सैद्धांतिक पाठ्यक्रम के साथ-साथ, विद्यार्थी भौतिकी की विभिन्न शाखाओं हेतु प्रयोगशाला सत्रों (व्यावहारिक) के माध्यम से अंतर्दृष्टि एवं समझ प्राप्त करते हैं। विभाग में सुसज्जित उपकरणों एवं सेटअपों के साथ अत्याधुनिक प्रयोगशालाएँ हैं। कुछ का नाम लें तो विभाग में नवीनतम DSO, (50 MHz) PE हिस्टैरिसीस सेटअप, माइकलसन इंटरफेरोमीटर आदि हैं। हमारे VIII सेमेस्टर के विद्यार्थी सक्रिय रूप से अनुसंधान में संलग्न हैं तथा उन्होंने अपने अनुसंधान कार्य को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में सफलतापूर्वक प्रस्तुत किया है।

भौतिकी विभाग की कॉसमॉस नामक एक सोसाइटी है तथा यह सक्रिय रूप से आयोजनों के आयोजन में संलग्न रहती है। सोसाइटी वार्षिक उत्सव "क्यूरियोसिटी" आयोजित करती है जो भौतिकी का एक उत्सव है तथा ज्ञान एवं मनोरंजन का एक उत्कृष्ट मिश्रण है। कॉसमॉस: भौतिकी सोसाइटी ने भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग (दिल्ली विश्वविद्यालय) की प्रख्यात वक्ता प्रो. अन्नपूर्णी सुब्रमण्यन द्वारा "इंजीनियरिंग स्पिन डायनेमिक्स: मटेरियल्स टू डिवाइसेज़" पर एक विशेष वार्ता आयोजित की।

11.5.7. इनसाइक: मनोविज्ञान सोसाइटी

इनसाइक, केशव महाविद्यालय की मनोविज्ञान सोसाइटी, मनोवैज्ञानिक जागरूकता को बढ़ावा देने तथा भावी मनोवैज्ञानिकों हेतु आवश्यक कौशल विकसित करने हेतु समर्पित है। इस वर्ष, सोसाइटी ने दो प्रमुख आयोजन किए। 10 फरवरी 2026 को विद्यार्थी मानसिक स्वास्थ्य समिति एवं जेंडर चैंपियंस के सहयोग से एक पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें सभी पाठ्यक्रमों एवं सभी वर्षों के विद्यार्थी भाग ले सकते

थे। प्रतियोगिता के विषय तनाव प्रबंधन से लेकर मानसिक कल्याण थे। उनका प्रमुख आयोजन, साइफोरिया 2026, 23 फरवरी, 2026 को आयोजित किया गया, जिसमें विभागीय पत्रिका साइनॉप्सिस का विमोचन एवं मनोवैज्ञानिक प्राथमिक चिकित्सा (साइकोलॉजिकल फर्स्ट एड) पर एक विशेषज्ञ सत्र शामिल था। यह आयोजन कप स्टैकिंग, एक ग्रैटीट्यूड चार्ट एवं एक फोटो बूथ जैसी गतिविधियों के साथ कैंटीन लॉन तक विस्तारित हुआ, तथा एक मनोविज्ञान क्विज़ के साथ संपन्न हुआ।

11.5.8. ईवीएस विभाग की गतिविधियाँ

पर्यावरण अध्ययन विभाग विद्यार्थियों के बीच पर्यावरण जागरूकता एवं उत्तरदायित्व को बढ़ावा देने के साथ-साथ शैक्षणिक अनुसंधान एवं प्रकाशन करने हेतु प्रतिबद्ध है। विभाग नियमित रूप से पृथ्वी दिवस, विश्व पर्यावरण दिवस, अंतर्राष्ट्रीय जैव-विविधता दिवस जैसे प्रमुख पर्यावरणीय दिवसों पर संगोष्ठियाँ एवं कार्यशालाएँ आयोजित करता है, जिनमें शैक्षणिक एवं नीति-निर्माण पृष्ठभूमि के विशिष्ट वक्ता भाग लेते हैं। विभाग समसामयिक मामलों के उदाहरणों का उपयोग करते हुए कक्षा में विद्यार्थियों को शिक्षित करके सरकार के प्रमुख नीतिगत निर्णयों को भी बढ़ावा देता है। विभाग ने हाल ही में तीन शोध-प्रबंध-ट्रैक अनुसंधान विद्यार्थियों को भी लिया है जिन्होंने अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में पुरस्कार जीते हैं। 11 फरवरी 2026 को ई-कचरे के खतरों पर जागरूकता बढ़ाने हेतु एनजीओ ग्रीन इको लिंक्स के सहयोग से एक कार्यशाला आयोजित की गई, साथ ही 8 अक्टूबर 2025 को एनजीओ स्वावलंबन के डॉ. नरेंद्र कुमार के साथ धन को कचरे में बदलने के विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान एवं विद्यार्थी संवाद सत्र हुआ। संकाय ने 11 जनवरी 2026 को दैनिक जीवन में टिकाऊ प्रथाओं पर एक व्याख्यान दिया। एनईपी के अंतर्गत विभाग ने 14 नवंबर, 2025 एवं 30 मार्च, 2026 को यमुना जैव-विविधता पार्क की आभासी यात्राएँ आयोजित कीं, जहाँ विद्यार्थियों ने जैव-विविधता, उसके उपयोग एवं पुनर्स्थापन हेतु किए गए प्रयासों के विषय में सीखा। प्लास्टिक अपशिष्ट के हानिकारक प्रभावों के विषय में जागरूकता बढ़ाने तथा जिम्मेदार निपटान एवं पुनर्चक्रण प्रथाओं को बढ़ावा देने हेतु, विभाग 5 जून, 2025 को विश्व पर्यावरण दिवस मनाता है, जिसके दौरान लाइफ मिशन (लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट) के अंतर्गत "एकल-उपयोग प्लास्टिक को कम करने पर प्रतिज्ञा अभियान" आयोजित किया जाता है। विभाग पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, पर्यावरणीय एनजीओ एवं अनुसंधान संस्थानों द्वारा आयोजित आयोजनों, कार्यशालाओं एवं प्रतियोगिताओं में विद्यार्थी भागीदारी को भी प्रोत्साहित करता है। इस समग्र एवं एकीकृत दृष्टिकोण के माध्यम से, पर्यावरण अध्ययन विभाग समाज में टिकाऊ परिवर्तन का नेतृत्व करने हेतु सुसज्जित पर्यावरण के प्रति जागरूक व्यक्तियों को संवारने का प्रयास करता है।

11.6. अन्य सुविधाएँ

11.6.1. एससी/एसटी/ओबीसी/अल्पसंख्यक छात्रवृत्तियाँ

महाविद्यालय विद्यार्थी छात्रवृत्तियों हेतु एनएसपी 2.0 पोर्टल एवं ज़िला पोर्टल पर पंजीकृत है। एनएसपी 2.0 पोर्टल विंग विद्यार्थियों को भारत सरकार, उच्च शिक्षा विभाग द्वारा चलाई जा रही अनेक योजनाओं से छात्रवृत्तियाँ प्राप्त करने में सहायता करता है। ई-ज़िला पोर्टल पर, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार तीन छात्रवृत्तियाँ चलाती है, अर्थात् पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप (एससी)-सीएसएसएस, पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप (ओबीसी)-सीएसएसएस तथा व्यावसायिक/तकनीकी महाविद्यालयों/संस्थानों/विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत एससी/एसटी/ओबीसी/अल्पसंख्यक श्रेणी के विद्यार्थियों हेतु मेरिट स्कॉलरशिप-राज्य योजना।

11.6.2. डिजिटल सुविधाएँ

महाविद्यालय परिसर वायर्ड एवं वायरलेस दोनों नेटवर्कों के माध्यम से भली प्रकार जुड़ा हुआ है। विद्यार्थियों के पास वाई-फाई/फाइबर ऑप्टिक/लैन केबल बैकबोन संरचना द्वारा 200 Mbps कनेक्टिविटी के साथ इंटरनेट की सुविधा है। वाई-फाई की कवरेज केवल कक्षाओं तक सीमित नहीं है, अपितु प्रयोगशालाओं, पुस्तकालय, सभागार, एम्फीथिएटर एवं कैफेटेरिया सहित सभी क्षेत्रों तक विस्तारित है। बालिका छात्रावास में भी एक पृथक वाई-फाई सुविधा प्रदान की गई है।

महाविद्यालय के प्रत्येक विद्यार्थी को कॉलेज डोमेन पर बनाई गई एक आधिकारिक ईमेल आईडी प्रदान की जाती है, ताकि वे संकाय सदस्यों के साथ प्रभावी रूप से संवाद कर सकें तथा केशव ई-क्लासरूम पर अपने पाठ्यक्रम हेतु उपलब्ध अध्ययन सामग्री तक पहुँच सकें। यह विद्यार्थियों को महाविद्यालय के एक वास्तविक विद्यार्थी होने की एक ऑनलाइन पहचान भी प्रदान करता है।

प्रत्येक विद्यार्थी को अपनी उपस्थिति, आंतरिक मूल्यांकन एवं अन्य शैक्षणिक अभिलेखों तक पहुँचने हेतु एक उपयोगकर्ता लॉगिन खाता भी प्रदान किया गया है।

11.6.3. पुस्तकालय सदस्यता

पुस्तकालय का सदस्य बनने हेतु विद्यार्थियों को अपनी शुल्क रसीद एवं महाविद्यालय पहचान पत्र प्रस्तुत करना आवश्यक है। सदस्यता वार्षिक होती है, तथा प्रत्येक शैक्षणिक सत्र के अंत में अनापत्ति (क्लीयरेंस) लेना आवश्यक है। पुस्तकालय रीडर टिकट (कार्ड) अहस्तांतरणीय हैं।

11.6.4. पुस्तकालय कार्ड

- विद्यार्थियों को चार पुस्तकालय रीडर टिकट (बी.एससी. (ऑनर्स) कंप्यूटर विज्ञान - 05) दिए जाते हैं जिनका उपयोग पठन को सुगम बनाने हेतु एक साथ किया जा सकता है। पुस्तकालय रीडर टिकट सं. 4 पर निर्गत पुस्तकें केवल एक दिन के लिए होती हैं, जबकि अन्य सभी पुस्तकालय रीडर टिकटों पर निर्गत पुस्तकें पंद्रह दिनों की अवधि के लिए होती हैं।
- समय पर वापस न की गई पुस्तकों हेतु, प्रथम सप्ताह के लिए प्रति पुस्तक प्रति दिन 5/- रुपये, द्वितीय सप्ताह के लिए प्रति दिन 10/- रुपये, तृतीय सप्ताह के लिए प्रति दिन 25/- रुपये का विलंब शुल्क लगाया जाएगा, तथा चौथे सप्ताह में यदि पुस्तक वापस नहीं की जाती है, तो विद्यार्थी की पुस्तकालय सदस्यता रद्द की जा सकती है।
- विद्यार्थियों को पुस्तकालय के प्रवेश द्वार पर तथा पुस्तकालय की पुस्तकें निर्गत करवाते समय महाविद्यालय आई-कार्ड दिखाना आवश्यक है। पुस्तकालय काउंटर पर आई-कार्ड दिखाए बिना कोई पुस्तक निर्गत नहीं की जाएगी।
- विद्यार्थी पुस्तकालय में कोई बैग नहीं ले जा सकते।

- पुस्तकालय टिकटों के हस्तांतरण की स्थिति में, मूल कार्ड धारक का टिकट रद्द कर दिया जाएगा।
- किसी पुस्तक से पृष्ठ फाड़ने की सूचना मिलने पर कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।
- यदि कोई पाठक/सदस्य अपना पुस्तकालय टिकट खो देता है, तो पुस्तकालय टिकटों के किसी भी प्रकार के दुरुपयोग से बचने हेतु उसे अगले शैक्षणिक वर्ष में एक डुप्लिकेट पुस्तकालय टिकट निर्गत किया जाएगा।
- खोए हुए रीडर टिकट हेतु जुर्माना प्रति कार्ड 100/- रुपये होगा। डुप्लिकेट कार्ड निर्गत करने हेतु 50/- रुपये का जुर्माना लिया जाएगा।
- रीडर टिकटों के बार-बार खोने के कारण डुप्लिकेट कार्ड पर केवल प्राचार्या की पूर्व स्वीकृति के पश्चात ही विचार किया जाएगा।
- उधार दी गई पुस्तकें बिना कोई कारण बताए किसी भी समय वापस माँगी जा सकती हैं।
- पुस्तकालय सदस्यता प्रपत्र प्रवेश सुनिश्चित होने के बाद जमा करना होगा।

11.6.5. महाविद्यालय पहचान पत्र

प्रत्येक विद्यार्थी को एक पहचान पत्र निर्गत किया जाएगा जिसे उसे सदैव साथ रखना चाहिए तथा माँगे जाने पर प्रस्तुत करना चाहिए। ऐसा न करने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है। विद्यार्थी के महाविद्यालय छोड़ते समय आई-कार्ड वापस करना आवश्यक है। आई-कार्ड खो जाने की सूचना तुरंत कार्यालय को दी जानी चाहिए।

11.6.6. शुल्क रियायत समिति

महाविद्यालय आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्गों से आने वाले विद्यार्थियों को उनका शुल्क माफ़ करके (परीक्षा शुल्क को छोड़कर) अथवा पुस्तक अनुदान के रूप में वित्तीय सहायता प्रदान करता है। महाविद्यालय योग्य विद्यार्थियों को शुल्क रियायतें भी देता है। सभी विद्यार्थी सत्र के आरंभ में प्राचार्य कार्यालय के माध्यम से शुल्क रियायत समिति को इसके लिए आवेदन कर सकते हैं।

11.6.7. मेंटर-मेंटी समूह

महाविद्यालय एक मेंटर-मेंटी प्रथा अपना रहा है जिसमें विभिन्न वर्षों के विद्यार्थी संकाय सदस्यों से जुड़े होते हैं। वे किसी भी प्रकार के सहयोग या मार्गदर्शन हेतु समूहों में जुड़े रहते हैं। मेंटर-मेंटी बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जाती हैं तथा विद्यार्थियों को अपने मेंटर के साथ अपनी शैक्षणिक या व्यक्तिगत समस्याएँ साझा करने हेतु प्रोत्साहित किया जाता है। ये संवाद संकाय सदस्यों को विद्यार्थियों के निरंतर संपर्क में रखते हैं, शैक्षणिक एवं व्यक्तिगत मुद्दों को सुलझाते हैं तथा समग्र व्यक्तित्व विकास को प्रोत्साहित करते हैं।

11.6.8. फोटोकॉपी सुविधा

महाविद्यालय में विद्यार्थियों हेतु उचित मूल्यों पर एक फोटोकॉपी सुविधा है, जो गेट संख्या 1 के निकट मदर डेयरी बूथ के निकट उपलब्ध है।

11.6.9. एटीएम

महाविद्यालय के विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों को बैंकिंग सेवाओं तक सहज पहुँच प्रदान करने हेतु केनरा बैंक द्वारा महाविद्यालय परिसर में एक एटीएम मशीन स्थापित की गई है। महाविद्यालय विद्यार्थियों को डिजिटल लेन-देन की सुविधा भी प्रदान करता है।

11.6.10. बस पास / रेलवे पास / मेट्रो कार्ड

डीटीसी महाविद्यालय के विद्यार्थियों हेतु रियायती बस पास की सुविधा प्रदान करता है जो माँग पर उपलब्ध होते हैं, महाविद्यालय डीटीसी बस पास प्रपत्र के सत्यापन हेतु व्यवस्था प्रदान करके विद्यार्थियों की सुविधा करता है। रेल रियायत के सत्यापन की सुविधा विद्यार्थियों को महाविद्यालय कार्यालय में केवल अवकाश के दौरान अपने गृहनगर में अपने माता-पिता से मिलने (आने-जाने) हेतु उपलब्ध है।

12. अनुशासन

किसी भी रूप में रैगिंग पूर्णतः निषिद्ध है। रैगिंग की शिकायतों का निपटारा डीयू वेबसाइट: www.du.ac.in पर अधिसूचित विनियम 2009 के अंतर्गत किया जाएगा। अध्यादेश XV-C के प्रावधानों के अतिरिक्त, माननीय भारत के सर्वोच्च न्यायालय, एमएचआरडी मंत्रालय एवं यूजीसी द्वारा निर्धारित अन्य सभी उपाय विश्वविद्यालय, महाविद्यालयों पर बाध्यकारी होंगे।

रैगिंग-रोधी एवं अनुशासन संबंधी दिशानिर्देश

1. विद्यार्थी महाविद्यालय परिसर के भीतर अपने आचरण के लिए उत्तरदायी हैं तथा उन्हें महाविद्यालय परिसर में ऐसा कुछ भी करने से प्रतिबंधित किया जाता है जो अनुशासन के उल्लंघन या महाविद्यालय के सुचारु संचालन में हस्तक्षेप के समान हो।
2. किसी भी अनुशासनहीनता के कृत्य हेतु विद्यार्थी अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए उत्तरदायी होगा। अनुशासनात्मक कार्रवाई में चेतावनी और/या कक्षाओं से, परीक्षाओं से, महाविद्यालय पुस्तकालय से या यहाँ तक कि महाविद्यालय से निलंबन शामिल हो सकता है। किसी भी अनुशासनहीनता के कृत्य की स्थिति में "दिल्ली विश्वविद्यालय के अनुशासन नियम" के अध्यादेश XV (B), XV (C) एवं XV (D) में दिए गए सभी नियमों एवं मानदंडों का कड़ाई से पालन किया जाएगा।
3. विद्यार्थी सभ्य एवं गरिमापूर्ण ढंग से आचरण करेंगे, तथा महाविद्यालय समुदाय के किसी भी वर्ग के प्रति आपत्तिजनक व्यवहार से दूर रहेंगे। असभ्य व्यवहार और/या भाषा के साथ कठोरता से निपटा जाएगा।
4. विद्यार्थी कक्षाओं एवं गलियारों में मौन एवं शिष्टाचार बनाए रखेंगे तथा अव्यवस्थित व्यवहार से दूर रहेंगे। मौखिक दुर्व्यवहार को भी अनुशासन का उल्लंघन माना जाएगा।
5. कक्षा के दौरान मोबाइल फोन का उपयोग पूर्णतः निषिद्ध है।
6. महाविद्यालय के गलियारों में कोई भी खेल खेलना पूर्णतः निषिद्ध है।
7. महाविद्यालय परिसर में धूम्रपान एक अपराध है तथा कानून के अंतर्गत पूर्णतः निषिद्ध है।
8. महाविद्यालय परिसर में शराब/मादक द्रव्य या किसी अन्य व्यसनकारी/अवैध सामग्री का कब्ज़ा या सेवन पूर्णतः निषिद्ध है तथा इससे महाविद्यालय से निष्कासन सहित गंभीर अनुशासनात्मक कार्रवाई होगी।
9. किसी भी रूप में रैगिंग पूर्णतः निषिद्ध है तथा एक दंडनीय अपराध है। ऐसे मामलों में संलिप्त किसी भी व्यक्ति के साथ समय-समय पर संशोधित जीयूसी विनियम 2009 के अनुसार तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार कठोरता से निपटा जाएगा।
10. विद्यार्थी फर्नीचर एवं फिक्स्चर सहित महाविद्यालय की संपत्तियों की समुचित देखभाल करेंगे। उन्हें महाविद्यालय की संपत्ति को कोई क्षति नहीं पहुँचानी चाहिए। इससे उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई हो सकती है।
11. विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि वे परिसर में एवं उसके आसपास किसी भी प्रकार का कूड़ा न फैलाएँ, न डालें एवं न फेंकें।
12. सभी विद्यार्थियों को अपने वाहन खड़े करने हेतु एक निर्धारित पार्किंग स्थान प्रदान किया गया है। महाविद्यालय परिसर के किसी अन्य भाग में कोई वाहन खड़ा करने की अनुमति नहीं होगी।

13. विद्यार्थी प्राचार्य की पूर्व अनुमति के बिना महाविद्यालय में कोई सोसाइटी/क्लब नहीं बना सकते, न ही प्राचार्य की औपचारिक सहमति के बिना किसी व्यक्ति को महाविद्यालय में किसी सभा को संबोधित करने हेतु आमंत्रित किया जाएगा।

14. विद्यार्थियों को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर बनाए गए सभी अनुशासनात्मक नियमों/विनियमों का पालन करना आवश्यक है।

15. महाविद्यालय में रैगिंग के प्रति शून्य-सहिष्णुता तथा एक अत्यंत कठोर रैगिंग-रोधी नीति है। कृपया निम्नलिखित लिंक में दिए गए दस्तावेज़ को पढ़ें:

    http://www.du.ac.in/du/uploads/anti_ragging/11072017_antiragging_guidelines.pdf

16. विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को निम्नलिखित लिंक का उपयोग करते हुए यूजीसी विनियमों के अनुसार रैगिंग-रोधी से संबंधित एक वचनबद्धता प्रस्तुत करना आवश्यक है:

    https://antiragging.in/affidavit_registration_disclaimer.html

    महाविद्यालय की रैगिंग-रोधी आधिकारिक ईमेल आईडी: antiragging@keshav.du.ac.in

13. सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम

सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के अंतर्गत सूचना प्राप्त करने की प्रक्रिया

1. सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के अंतर्गत सूचना प्राप्त करने हेतु एक आवेदन लोक सूचना अधिकारी को संबोधित किया जा सकता है।
2. आवेदन भरने हेतु निर्धारित शुल्क अर्थात 10 रुपये तथा सूचना प्राप्त करने हेतु अन्य शुल्क महाविद्यालय के लेखा विभाग के कैशियर को समुचित रसीद के बदले नकद के रूप में या प्राचार्य, केशव महाविद्यालय, दिल्ली को देय बैंक डिमांड ड्राफ्ट या बैंकर चेक या भारतीय पोस्टल ऑर्डर के रूप में जमा किया जा सकता है।
3. महाविद्यालय के लोक सूचना अधिकारी के निर्णय के विरुद्ध प्रथम अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष अपील प्रस्तुत की जा सकती है।

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 4(1)(b) के अंतर्गत तैयार किए गए स्वतः प्रकटीकरण/मैनुअल महाविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं https://keshav.du.ac.in/usefullinks/rti। महाविद्यालय की आरटीआई आधिकारिक ईमेल आईडी है rti@keshav.du.ac.in।

महाविद्यालय का आरटीआई प्रकोष्ठ

पद	नाम
प्रथम अपीलीय प्राधिकारी	प्रो. अर्पणा शर्मा, कार्यवाहक प्राचार्या
पारदर्शिता अधिकारी	प्रो. अंजली थुकराल
लोक सूचना अधिकारी (पीआईओ)	श्री राज कुमार, प्रशासन
सहायक पीआईओ	श्री दीपक सौन, प्रशासन
नोडल अधिकारी, आरटीआई	प्रो. विनीता जिंदल
आरटीआई हेतु आईटी अधिकारी	श्री अखिलेश शर्मा, प्रशासन

14. शिकायत एवं समस्या निवारण समितियाँ

14.1. रैगिंग-रोधी समिति (महाविद्यालय + छात्रावास)

रैगिंग के विरुद्ध नीति पर आधारित दिल्ली विश्वविद्यालय के अध्यादेश XV-C के अनुसार, किसी भी ऐसी घटना की रोकथाम एवं निषेध हेतु महाविद्यालय तथा छात्रावास के विद्यार्थियों के लिए एक रैगिंग-रोधी समिति गठित की गई है। निम्नलिखित सदस्य रैगिंग-रोधी समिति का भाग हैं।

प्रो. अर्पणा शर्मा - अध्यक्ष
डॉ. रजनी मेंदीरत्ता - संयोजक
प्रो. भावना गुप्ता - सदस्य
प्रो. सुरेंद्र सिंह - सदस्य
डॉ. मीनाक्षी - सदस्य
श्री कुनाल - सदस्य
डॉ. रुचि गोयल - सदस्य
सुश्री आकांक्षा मेंदीरत्ता - सदस्य

श्री आनंद - सदस्य
श्री महेंद्र प्रताप सिंह - सिविल एवं पुलिस
श्री प्रवीण चतुर्वेदी, लेबर की आवाज़ - स्थानीय मीडिया
डॉ. नरेंद्र कुमार, एनजीओ - युवा गतिविधियों में संलग्न एनजीओ
श्री राकेश कुमार - अभिभावक
सुश्री आकृति सिंह (बी.एससी (ऑनर्स) भौतिकी, प्रथम वर्ष - विद्यार्थी फ्रेशर
श्री नितेश दलाल (बी.एससी (ऑनर्स) कंप्यूटर विज्ञान, तृतीय वर्ष - विद्यार्थी सीनियर
श्री पवन गुप्ता, एसओ (लेखा) – एनटीएस

रैगिंग-रोधी दस्ता

डॉ. मीनाक्षी - संयोजक

प्रो. भावना गुप्ता - संकाय सदस्य

डॉ. आशुतोष सिंह - संकाय सदस्य

सुश्री मीनू शर्मा - छात्रावास वार्डन

श्री जितेंद्र कुमार - विद्यार्थी सदस्य, बी.कॉम (ऑनर्स) (सेमेस्टर-VI)

सुश्री अनुष्का - विद्यार्थी सदस्य, बी.एससी. (ऑनर्स) कंप्यूटर विज्ञान (सेमेस्टर-VI)

श्री ऋषभ सिंह - विद्यार्थी सदस्य, बी.एससी. (ऑनर्स) कंप्यूटर विज्ञान (सेमेस्टर-IV)

सुश्री विधि द्विवेदी - विद्यार्थी सदस्य, बी.एससी. (ऑनर्स) भौतिकी (सेमेस्टर-IV)

श्री रणजीत सिंह - विद्यार्थी सदस्य, बी.कॉम (ऑनर्स) (सेमेस्टर-IV)

14.2. आंतरिक महाविद्यालय शिकायत समिति (आईसीसी)

यौन उत्पीड़न के विरुद्ध नीति पर आधारित दिल्ली विश्वविद्यालय के अध्यादेश XV-D (du.ac.in पर डीयू यूजी बुलेटिन 2021-22 देखें) के अनुसार, (विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर), महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम, निषेध एवं निवारण हेतु एक आंतरिक महाविद्यालय शिकायत समिति (आईसीसी) गठित की गई है ताकि विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों (शिक्षण एवं शिक्षणेतर) के यौन उत्पीड़न से मुक्त एक शैक्षणिक वातावरण निर्मित एवं बनाए रखा जा सके। समिति एवं अधिनियम से संबंधित विवरण हेतु देखें - https://keshav.du.ac.in/usefullinks/icc

प्रो. कनुप्रिया गोस्वामी - संयोजक

प्रो. रोली बंसल - सदस्य

डॉ. अमनजोत सचदेवा - सदस्य

श्री पवन गुप्ता, एसओ, लेखा - सदस्य

सुश्री नीतू - सदस्य

एडवोकेट प्रियंका तोमर - सदस्य

14.3. संपर्क / नोडल अधिकारी

आईक्यूएसी समन्वयक	प्रो. पद्मसाई अरोड़ा
एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी	प्रो. ऋचा शर्मा

संपर्क अधिकारी एससी/एसटी	डॉ. मीनाक्षी
संपर्क अधिकारी ओबीसी	प्रो. जसमीत सिंह
संपर्क अधिकारी पीडब्ल्यूबीडी	प्रो. दीपक श्रीवास्तव
संपर्क अधिकारी ईडब्ल्यूएस	प्रो. कनुप्रिया गोस्वामी
एससी/एसटी/ओबीसी/अल्पसंख्यक छात्रवृत्तियाँ, डीएसपी 1.0	श्री रवि कुमार यादव
एससी/एसटी/ओबीसी/अल्पसंख्यक छात्रवृत्तियाँ, एनएसपी 2.0	सुश्री ऋचा गुप्ता
एआईएसएचई / एमएचआरडी हेतु नोडल अधिकारी	प्रो. अनिता मेंदीरत्ता
जेंडर चैंपियंस हेतु नोडल अधिकारी	प्रो. कनुप्रिया गोस्वामी, प्रो. विनीता जिंदल
तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम हेतु नोडल अधिकारी	डॉ. मुकेश
नोडल लोक शिकायत अधिकारी	प्रो. कनुप्रिया गोस्वामी
आरटीआई हेतु नोडल अधिकारी	प्रो. विनीता जिंदल
पीएमएसएसएस हेतु नोडल अधिकारी	प्रो. रोली बंसल

कार्यक्रम/पाठ्यक्रम समन्वयक

एईसी - हिंदी	प्रो. ऋचा शर्मा
ईवीएस	प्रो. कनुप्रिया गोस्वामी
जीई	प्रो. विनीता जिंदल
एसईसी	प्रो. नेहा शर्मा
वीएसी	प्रो. जगनीत कौर आनंद
बी.एससी. (प्रोग्राम) भौतिक विज्ञान सीएस सहित	डॉ. मुकेश
फ्रेंच एवं जर्मन भाषा पाठ्यक्रम	प्रो. भावना गुप्ता

14.4. विद्यार्थी समस्या निवारण समिति (एसजीआरसी)

(sgrc@keshav.du.ac.in)

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (विद्यार्थियों की समस्याओं का निवारण) विनियम, 2024 दिनांक 11.4.2024 के प्रावधानों के अनुसार, संस्थान में पहले से नामांकित विद्यार्थियों के साथ-साथ संस्थान में प्रवेश चाहने वाले विद्यार्थियों की समस्याओं के निवारण पर विचार करने हेतु एक विद्यार्थी समस्या निवारण समिति (एसजीआरसी) गठित की गई है।

नाम	पदनाम	मोबाइल	ईमेल आईडी
प्रो. रोली बंसल	संयोजक	9810839573	roli.bansal@keshav.du.ac.in
प्रो. शालिनी देवी	सदस्य	9910855663	shalini.devi@keshav.du.ac.in
डॉ. मीनाक्षी	सदस्य	9999111902	meenakshi@keshav.du.ac.in
डॉ. सुरेंद्र सिंह	सदस्य	9810323797	ssingh@keshav.du.ac.in
सुश्री दिशा शर्मा	विद्यार्थी सदस्य (बी.एससी.(ऑनर्स) मनोविज्ञान तृतीय वर्ष)		

15. संकाय

कार्यवाहक प्राचार्या

प्रो. अर्पणा शर्मा

बर्सर

प्रो. अंजली थुकराल

प्रॉस्पेक्टस समिति

प्रो. शालिनी देवी (संयोजक)
प्रो. जसमीत सिंह
प्रो. हरप्रीत भाटिया
डॉ. ज्योति बंसल
सुश्री निधि अग्रवाल
सुश्री निधि पासी
डॉ. नमिता अग्रवाल
डॉ. जेन्सन एंटनी ए

रसायन विज्ञान विभाग

1	डॉ. मुकेश गुप्ता - **टीआईसी**		

वाणिज्य विभाग

1	डॉ. शालिनी कुमार	10	श्री प्रवीण कुमार
2	प्रो. अंजू अरोड़ा - **टीआईसी**	11	डॉ. आर.एस. राजपुरोहित
3	प्रो. परदीप कुमार	12	श्री हेमंत यादव
4	प्रो. पद्मसाई अरोड़ा	13	डॉ. अंजलिका सोलंकी
5	प्रो. विपिन नेगी	14	डॉ. कुनाल कुमार
6	प्रो. शालिनी देवी	15	सुश्री नमिता पाढ़ी
7	प्रो. दीपक श्रीवास्तव	16	डॉ. रुचि गोयल
8	प्रो. अनिता मेंदीरत्ता	17	सुश्री स्नेहलता राणा
9	डॉ. संदीप वोडवाल	18	सुश्री निधि अग्रवाल

कंप्यूटर विज्ञान विभाग

1	प्रो. प्रीति सहगल	10	डॉ. आस्था गोयल
2	प्रो. अंजली थुकराल	11	सुश्री निधि पासी
3	प्रो. रोली बंसल - **टीआईसी**	12	डॉ. सुमित कुमार अग्रवाल
4	प्रो. भावना गुप्ता	13	डॉ. नमिता अग्रवाल

5	प्रो. ऋचा शर्मा	14	सुश्री ज्योति कुमारी
6	प्रो. विनीता जिंदल	15	डॉ. राकेश कुमार
7	श्री रवि कुमार यादव	16	श्री प्रदीप कुमार
8	सुश्री ऋचा गुप्ता	17	श्री आनंद
9	सुश्री मौलीन पाठक	18	डॉ. आशुतोष सिंह

इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग

1	प्रो. विनोद कुमार शर्मा	4	डॉ. ज्योति आनंद
2	प्रो. नेहा शर्मा - **टीआईसी**	5	श्री अनिल सेठी
3	प्रो. जगनीत कौर आनंद	6	डॉ. ज्योति बंसल

अंग्रेज़ी विभाग

1	प्रो. मंजरी सिंह - **टीआईसी**	2	श्री मोहम्मद रफ़ीक सीके

प्रबंधन अध्ययन विभाग

1	डॉ. अमनजोत सचदेवा - **टीआईसी**	4	डॉ. कृति मनचंदा
2	सुश्री सोनू मेहता	5	डॉ. नोमिता शर्मा
3	सुश्री आस्था कांजलिया	6	सुश्री रुचि

गणित विभाग

1	डॉ. रजनी मेंदीरत्ता	6	डॉ. रिची अग्रवाल
2	प्रो. अर्पणा शर्मा	7	डॉ. पंजाबी सिंह
3	प्रो. रितु अरोड़ा - **टीआईसी**	8	श्री दीपक कुमार मीना
4	प्रो. आशीष बंसल	9	डॉ. जेन्सन एंटनी ए
5	प्रो. धनपाल सिंह		

शारीरिक शिक्षा विभाग

1	प्रो. सुरेंद्र सिंह - **टीआईसी**		

भौतिकी विभाग

1	प्रो. ए. के. अरोड़ा (प्रतिनियुक्ति पर)	7	डॉ. मीनाक्षी
2	डॉ. वी. के. वर्मा	8	डॉ. चेतना
3	प्रो. कनुप्रिया गोस्वामी	9	श्री गगनदीप लोंगियानी
4	डॉ. वंदना अरोड़ा - **टीआईसी**	10	सुश्री नेहा यादव
5	प्रो. दिव्या हरिदास	11	डॉ. किरण यादव
6	प्रो. जसमीत सिंह		

मनोविज्ञान विभाग

1	प्रो. हरप्रीत भाटिया	4	सुश्री आकांक्षा मेंदीरत्ता
2	डॉ. डेज़ी शर्मा - **टीआईसी**	5	डॉ. मोना रंगा
3	डॉ. पल्लवी राज	6	सुश्री पिंकी

हिंदी विभाग

1	प्रो. ऋचा शर्मा - **टीआईसी**		

पर्यावरण अध्ययन विभाग

1	प्रो. कनुप्रिया गोस्वामी - **टीआईसी**		

बी.एससी.(प्रोग्राम) भौतिक विज्ञान कंप्यूटर विज्ञान सहित

1	डॉ. मुकेश - **कार्यक्रम समन्वयक**		

16. शिक्षणेतर कर्मचारी (Non-Teaching Staff)

प्रशासन अनुभाग

1	सुश्री निधि सिकरी - वरिष्ठ सहायक	9	श्री उमेश चंद - माली
2	श्री दीपक सिंह सौन - सहायक	10	श्री संजय कुमार देशबंधु - कार्यालय परिचारक
3	श्री कमल गुलाटी - सहायक	11	श्री विजय पाल सिंह - कार्यालय परिचारक
4	श्री आर.डी. कौशिक - कनिष्ठ सहायक	12	सुश्री नीतू शर्मा - कार्यालय परिचारक
5	श्री नरेंद्र पाल सिंह - दफ़्तरी	13	सुश्री सरोज बाला - जल परिचारिका
6	श्री राजेंद्र कुमार - चालक	14	श्री अजय - खेल परिचारक
7	श्री भैरव दत्त - सुरक्षा गार्ड	15	श्री अशोक कुमार - सफ़ाई कर्मचारी
8	श्री राम सुख - माली		

लेखा अनुभाग

1	श्री पवन कुमार गुप्ता (प्रतिनियुक्ति पर) - अनुभाग अधिकारी (लेखा)	3	श्री विनोद कुमार - कार्यालय परिचारक
2	श्री शिव नारायण - सहायक	4	श्री निराला राम - कार्यालय परिचारक

पुस्तकालय

1	डॉ. (सुश्री) रितु सेठी – पुस्तकालयाध्यक्ष	4	श्री गजेंद्र पाल - पुस्तकालय सहायक
2	श्री नवीन शर्मा - व्यावसायिक सहायक	5	श्री पवन कुमार - पुस्तकालय परिचारक
3	श्री आर. एस. मेहरा - अर्ध-व्यावसायिक सहायक		

कंप्यूटर विज्ञान विभाग

1	श्री राजेश वधवा - एस.टी.ए	4	सुश्री पूजा बत्रा - प्रयोगशाला परिचारक
2	सुश्री अनुराधा चड्ढा - एस.टी.ए	5	श्री रितेश गुप्ता - फ़राश
3	श्री लवकेश जयरथ - प्रयोगशाला परिचारक		

इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग

1	श्री राजेश कुमार - प्रयोगशाला सहायक	2	श्री राम कुमार - प्रयोगशाला सहायक

भौतिकी विभाग

1	श्री प्रेम सिंह - प्रयोगशाला सहायक	3	श्री अरुण कुमार शर्मा - प्रयोगशाला सहायक

2	श्री चंद्र प्रकाश - प्रयोगशाला सहायक		

संविदा

1	श्री राज कुमार - एसओ (प्रशासन)	11	श्री हरि चंद मीना - एमटीएस (प्रयोगशाला परिचारक)
2	श्री अरविंद कुमार - एस.टी.ए	12	श्री संग्राम सिंह यादव - एमटीएस (प्रयोगशाला परिचारक)
3	श्री अखिलेश कुमार - प्रयोगशाला सहायक	13	श्री सुरेंद्र कुमार - एमटीएस (प्रयोगशाला परिचारक)
4	श्री आन सिंह मेहरा - कनिष्ठ सहायक (लेखा)	14	श्री पुनीत ठाकुर - एमटीएस (प्रयोगशाला परिचारक)
5	श्री अमित कुमार - कनिष्ठ सहायक	15	श्री मनीष - एमटीएस (पुस्तकालय परिचारक)
6	श्री संतोष कुमार - एमटीएस	16	श्री शकील अहमद - एमटीएस
7	श्री चंद्र पाल - एमटीएस (प्रयोगशाला परिचारक)	17	श्री लवकेश - एमटीएस
8	श्री राहुल कुमार - एमटीएस (प्रयोगशाला परिचारक)	18	श्री मोहित - एमटीएस
9	श्री संजय कुमार (भौतिकी) - एमटीएस (प्रयोगशाला परिचारक)	19	श्री सनम पठानिया - एमटीएस
10	श्री संजय कुमार (प्रबंधन) - एमटीएस (प्रयोगशाला परिचारक)	20	श्री अभिषेक - एमटीएस

बालिका छात्रावास (संविदा)

1	सुश्री मीनू शर्मा - वार्डन	3	सुश्री बेबी - महिला परिचारिका
2	सुश्री हिमांशी शर्मा - मैट्रन	4	श्री अजय कुमार मंडल - एमटीएस (माली)

"Only Knowledge can provide salvation"

KESHAV MAHAVIDYALAYA
TRYST'26

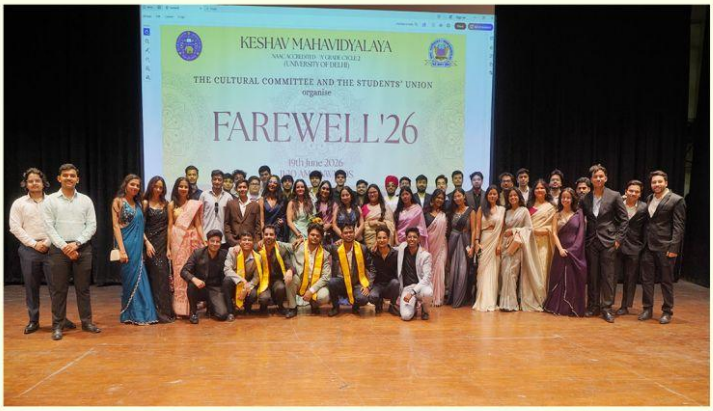

KESHAV MAHAVIDYALAYA
(UNIVERSITY OF DELHI)
THE CULTURAL COMMITTEE AND THE STUDENTS' UNION
organise
FAREWELL'26
19th June 2026

FRIENDS

(UNIVERSITY OF DELHI)
THE CULTURAL COMMITTEE AND THE STUDENTS' UNION
organise
FAREWELL'26

KESHAV MAHAVIDYALAYA
TRYST'26
28&29 APRIL 2026

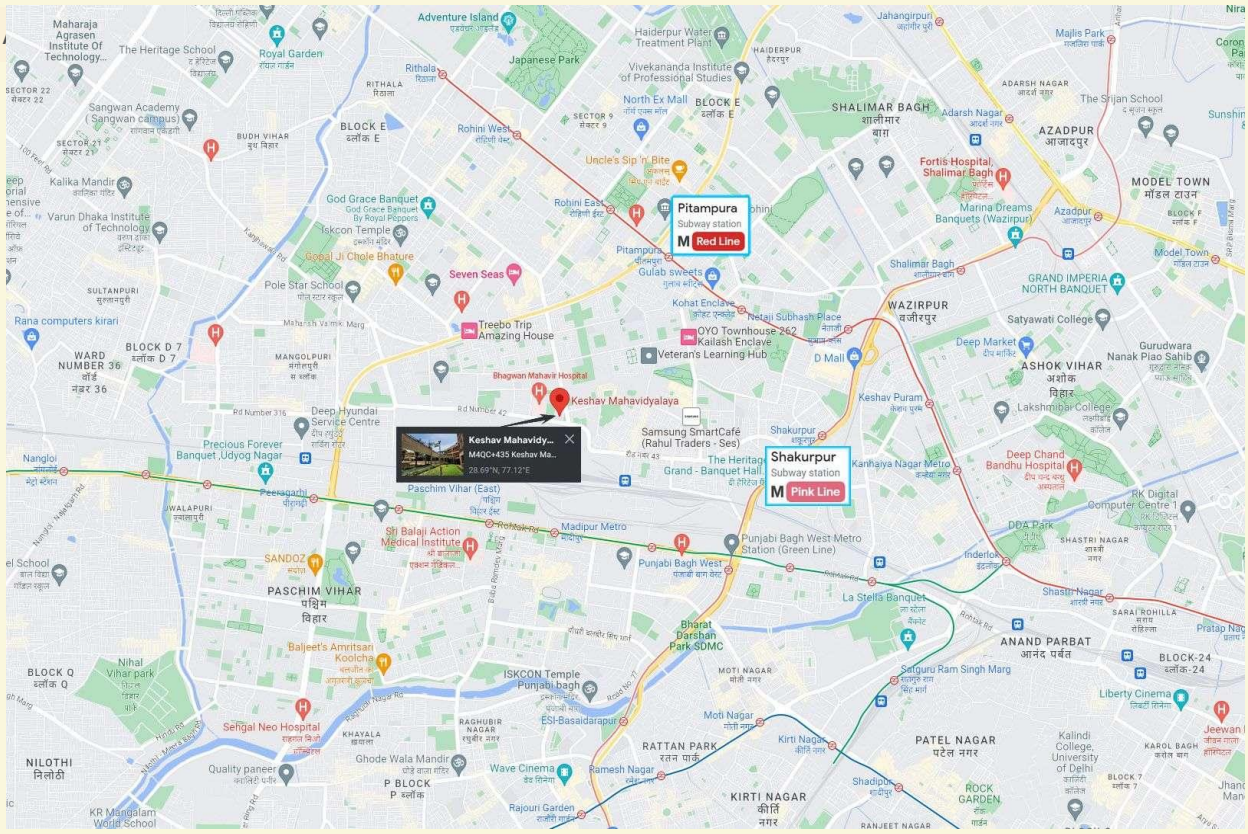

कॉलेज कनेक्टिविटी

कॉलेज विभिन्न सार्वजनिक परिवहन साधनों से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है।

- डीटीसी बसें इन रूटों पर उपलब्ध हैं: 85एक्सट, 970सी, 951, 164, 906, 930, 945।
- पीतमपुरा (रेड लाइन) और शकूरपुर (पिंक लाइन) निकटतम मेट्रो स्टेशन हैं।
- कॉलेज के बाहर ई-रिक्शा आसानी से उपलब्ध हैं।

केशव महाविद्यालय

एनएएसी मान्यता प्राप्त 'ए' ग्रेड - चक्र 2

(दिल्ली विश्वविद्यालय)

एच-4-5 जोन, पीतमपुरा, दिल्ली - 110 034

फ़ोन: 011-27018805

ईमेल: principal@keshav.du.ac.in

वेबसाइट: www.keshav.du.ac.in

विवरणिका के आखिरी अपडेट की तारीख: 30-06-2026